www.epaper.azadsipahi.in

09 अगस्त, 2024
श्रावण, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 09, अंक 290

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

योजनाओं से जुड़ें दूसरों को भी प्रेरित करें : हेमंत सोरेन

मुख्य आकर्षण

- रीझ रंग शोभा यात्रा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियां
- आदिवासी पुस्तक मेला
- आदिवासी कवि सम्मेलन
- वृत्तचित्र स्क्रीनिंग
- कला-शिल्प प्रदर्शनी
- परिधान फैशन शो
- खान-पान
- लेजर शो

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

उद्घाटन समारोह

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री शिबू सोरेन
माननीय अध्यक्ष, राज्य समन्वय समिति
सह सांसद, राज्यसभा

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

तथा

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण,
माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों
की गरिमामयी उपस्थिति में

शुक्रवार 9 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, जेल चौक,
रांची में आयोजित है

समारोह में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
P.R. 332291 (IPRD)24-25

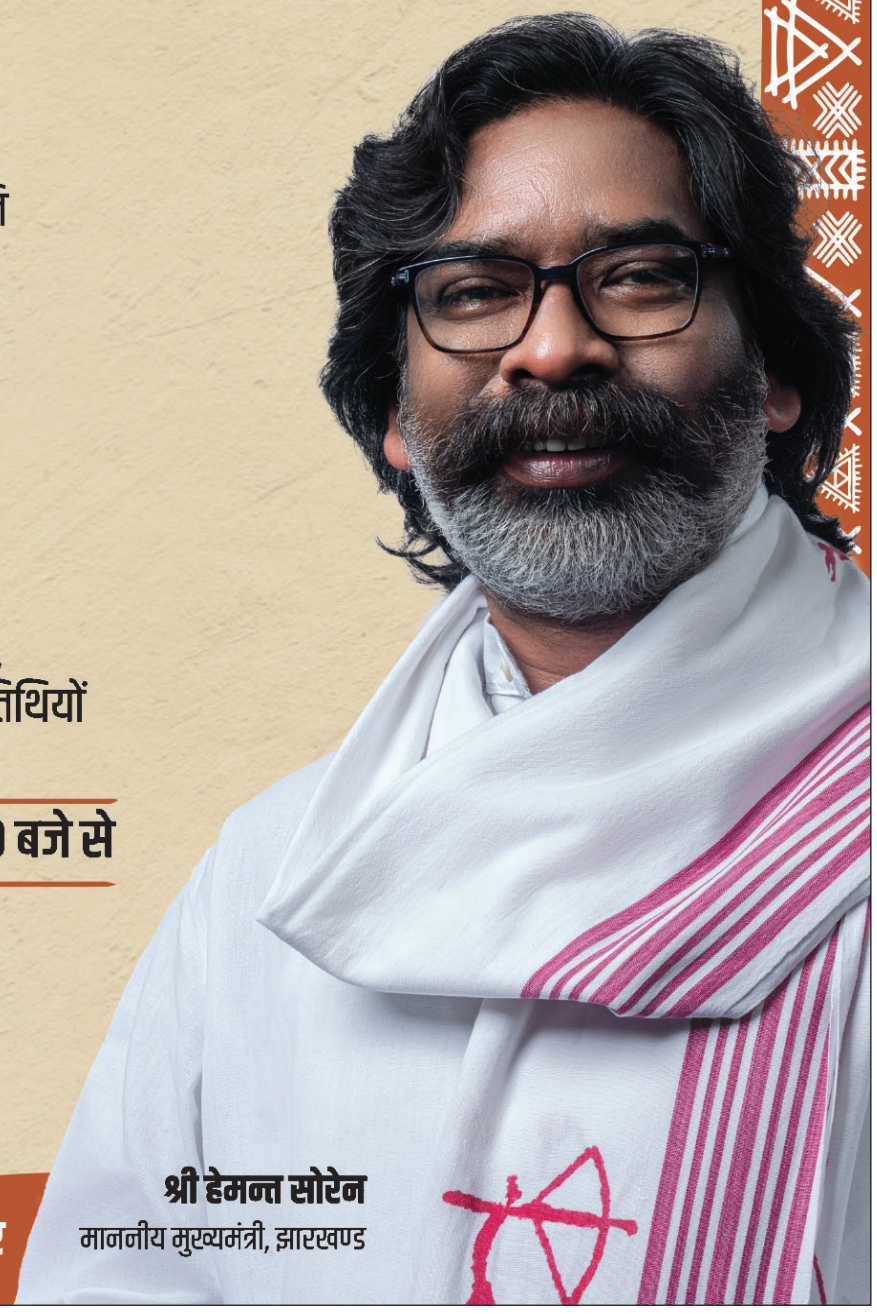

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 65,400 रु./10 ग्राम
चांदी 84,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

आजाद भारत में जमींदारी तो खत्म हो गयी, लेकिन पैदा हो गया वक्फ बोर्ड

■ कांग्रेस की सरकारों ने प्रदान की असीमित शक्तियां, बता डाला 1500 साल पुराने मंदिर को अपना

■ पूरे देश में नौ लाख एकड़ से ज्यादा जमीन, समा जाये तीन दिल्ली

■ सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी संस्था है वक्फ बोर्ड

आजाद सिपाही विशेष

स्वतंत्र भारत में जमींदारी तो खत्म हो गयी, लेकिन पैदा हो गया एक मजहबी जमींदार, जिसे वक्फ बोर्ड के नाम से जाना जाता है। रेल और सेना के बाद वक्फ बोर्ड देश का तीसरा सबसे बड़ा जमींदार है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसके पास पूरे देश भर में नौ लाख एकड़ से ज्यादा जमीन है, यानी तीन दिल्ली उसमें समा जाये। वक्फ बोर्ड को मिली असीमित शक्तियों पर अंकुश लगाने और बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता के लिए मोदी सरकार ने लोकसभा में गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। बिल को पेश किया संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने। जैसे ही ये बिल सदन के पटल पर रखा गया, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, सपा समेत प्रमुख विपक्षी दलों ने विधेयक का विरोध किया। वहीं एनडीए में शामिल जेडीयू ने बिल का सपोर्ट कर दिया है। इस बिल के सदन में पेश होते ही देश की सबसे बड़ी और ताकतवर मुस्लिम संस्था वक्फ बोर्ड एक बार फिर से चर्चा में है। कैसे वक्फ बोर्ड मनमानी कर रहा है, उसके कई उदाहरण भी सदन में किरेन रिजिजू ने सामने रखे। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड पर माफियाओं ने कब्जा कर लिया है। आम लोगों के हित में यह बिल लाना जरूरी है। कांग्रेस शासनकाल में वक्फ बोर्ड को दी गयी असीमित शक्तियों को लेकर मोदी सरकार अब वक्फ बोर्ड पर लगाम लगाना चाहती है। इससे संपत्तियों के दुरूपयोग पर रोक लगाने की कोशिश होगी। देश भर में 8.7 लाख से अधिक संपत्तियां, कुल मिला कर लगभग 9.4 लाख एकड़ वक्फ बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में हैं। समझने वाली बात है कि एक बार अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गयी, तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। तब आप वक्फ ट्राइब्यूनल में जा सकते हैं। कैसे मिली वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां, कैसे लगातार इजाफा होता चला गया इसकी संपत्ति में, कैसे गांव के गांव और मंदिरों पर कब्जा जमा रहा है वक्फ बोर्ड, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

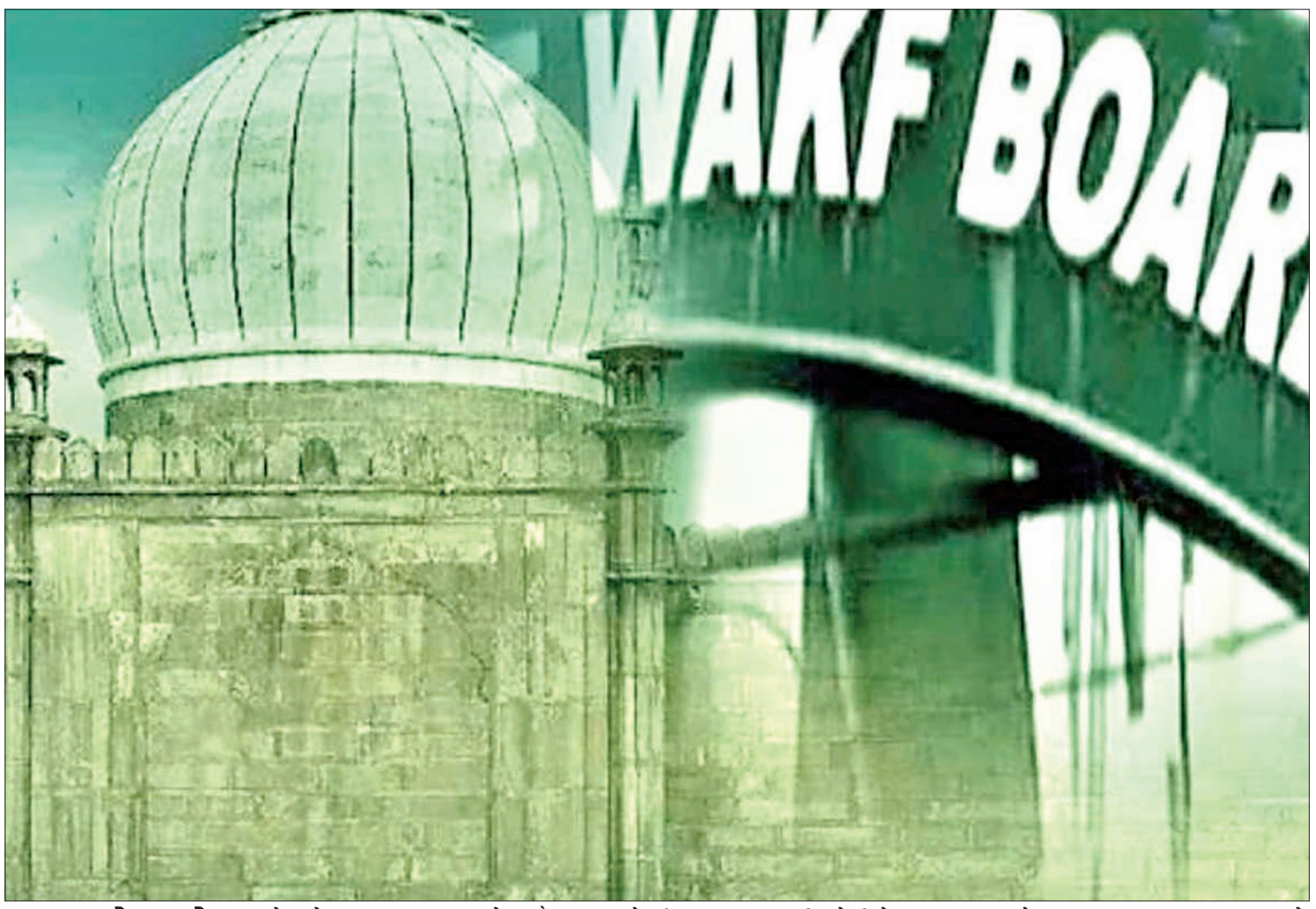

राकेश सिंह

भारत में वक्फ की शुरुआत दिल्ली सल्तनत से हुई। एस अतहर हुसैन और एस खालिद राशिद की किताब 'वक्फ लॉज एंड एडमिनिस्ट्रेशन इन इंडिया' (1968) में कहा गया है कि सुल्तान मुइज़ुद्दीन सैम घावोर ने मुल्तान की जामा मस्जिद को दो गांव दिये थे। जब भारत में अंग्रेजी हुकूमत थी, तब भी वक्फ की संपत्ति को लेकर खूब विवाद हुआ। यह विवाद इतना बढ़ा कि लंदन स्थित प्रीवी काउंसिल तक जा पहुंचा। चार ब्रिटिश जजों ने वक्फ को अवैध करार दिया था। मगर, उनके फैसले को तत्कालीन ब्रिटिश भारत की सरकार ने नहीं माना। मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट, 1913 के जरिये वक्फ को बचा लिया गया।

तीन दिल्ली जितनी जमीन है वक्फ के पास, सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी संस्था

कांग्रेस के शासनकाल में वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां प्रदान की गयी थीं। वक्फ एक्ट नियमों के मुताबिक एक बार जब कोई जमीन वक्फ के पास चली जाती है, तो उसे पलट नहीं सकते। भारत के वक्फ के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है। दुनिया के किसी भी देश में वक्फ बोर्ड के पास इतनी शक्तियां नहीं हैं, जितनी भारत में दी गयी हैं। साल 2022 में देश के तत्कालीन केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया था कि देश में वक्फ बोर्ड के पास कुल कितनी संपत्ति है। इस जवाब के अनुसार, वक्फ बोर्ड के पास देश में कुल 7 लाख 85 हजार 934 संपत्तियां हैं। वहीं सबसे ज्यादा संपत्ति की बात करें तो यूपी में है। उत्तरप्रदेश में वक्फ बोर्ड के पास कुल 2 लाख 14 हजार 707 संपत्तियां हैं। इन संपत्तियों में से 1 लाख 99 हजार 701 सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास हैं और 15006 शिया वक्फ बोर्ड के पास हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर बंगाल है। पश्चिम बंगाल में वक्फ बोर्ड के पास 80 हजार 480 संपत्तियां हैं। कहा गया कि कांग्रेस सरकार में किये गये संशोधनों की वजह से वक्फ बोर्ड हाल के दिनों में भू-माफिया की तरह व्यवहार कर रहा है, जिसमें निजी संपत्ति से लेकर सरकारी भूमि तक और मंदिर की भूमि से लेकर गुरुद्वारों तक की संपत्ति पर कब्जा कर रहा है। मूल रूप से, वक्फ के पास पूरे भारत में लगभग 52,000 संपत्तियां थीं। 2009 तक, 4 लाख एकड़ में फैली 300,000 पंजीकृत वक्फ संपत्तियां थीं। पिछले 15 साल में यह दोगुनी हो गयी हैं। वर्तमान में वक्फ बोर्डों के पास करीब 9 लाख 40 हजार एकड़ में फैली करीब 8 लाख 72 हजार 321 अचल संपत्तियां हैं। चल संपत्ति 16,713 हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये बतायी जा रही है। सोचिये शुरुआत में मूल रूप से पूरे भारत में वक्फ बोर्ड के पास लगभग 52 हजार संपत्तियां थीं। लेकिन आज इसमें अप्रत्याशित इजाफा देखा जा सकता है। जमीन के मामले में वक्फ बोर्ड सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी संस्था है। दिल्ली का कुल एरिया करीब 3.6 लाख एकड़ है, जबकि वक्फ बोर्ड के पास 9 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन है।

कैसे काम करता है वक्फ बोर्ड

वक्फ का मतलब होता है 'अल्लाह के नाम', यानी ऐसी जमीन, जो किसी व्यक्ति या संस्था के नाम नहीं है। आमतौर पर वक्फ की संपत्ति या इससे होनेवाली आमदनी को शैक्षणिक संस्थाओं, कब्रिस्तानों, मस्जिदों में धर्मार्थ और अनाथालयों में खर्च किया जाता है। वक्फ बोर्ड का एक सर्वेयर होता है। वही तय करता है कि कौन सी संपत्ति वक्फ की है, कौन सी नहीं। इस निर्धारण के तीन आधार होते हैं- अगर किसी ने अपनी संपत्ति वक्फ के नाम कर दी, अगर कोई मुसलमान या मुस्लिम संस्था जमीन का लंबे समय से इस्तेमाल कर रहा है या फिर सर्वे में जमीन का वक्फ की संपत्ति होना साबित हुआ। वक्फ बोर्ड मुस्लिम समाज की जमीनों पर नियंत्रण रखने के लिए बनाया गया था। इन जमीनों के बेजा इस्तेमाल को रोकने और गैर-कानूनी तरीकों से बेचने पर रोक के लिए बनाया गया था। वक्फ बोर्ड देशभर में जहां भी कब्रिस्तान की घेरेबंदी करवाता है, उसके आसपास की जमीन को भी अपनी संपत्ति करार दे देता है। इन मजारों और आसपास की जमीनों पर वक्फ बोर्ड का कब्जा हो जाता है। चूंकि 1995 का वक्फ एक्ट कहता है कि अगर वक्फ बोर्ड को लगता है कि कोई जमीन वक्फ की संपत्ति है तो यह साबित करने की जिम्मेदारी उसकी नहीं, बल्कि जमीन के असली मालिक की होती है कि वो बताये कि कैसे उसकी जमीन वक्फ की नहीं है। 1995 का कानून यह जरूर कहता है कि किसी निजी संपत्ति पर वक्फ बोर्ड अपना दावा नहीं कर सकता, लेकिन यह तय कैसे होगा कि संपत्ति निजी है? अगर वक्फ बोर्ड को सिर्फ लगता है कि कोई संपत्ति वक्फ की है, तो उसे कोई दस्तावेज या सबूत पेश नहीं करना है। सारे कागज और सबूत उसे देने हैं, जो अब तक दावेदार रहा है। कौन नहीं जानता है कि कई परिवारों के पास जमीन का पुख्ता कागज नहीं होता है। वक्फ बोर्ड इसी का फायदा उठाता है, क्योंकि उसे कब्जा जमाने के लिए कोई कागज नहीं देना है।

चाचा नेहरू ने 1954 में बनाया वक्फ एक्ट

आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1954 में वक्फ एक्ट बनाया, जिसका काम वक्फ का केंद्रीकरण करना था। इसी एक्ट के तहत सरकार ने 1964 में सेंट्रल वक्फ काउंसिल का गठन किया। 1995 में कानूनों में बदलाव किया गया। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड बनाने की अनुमति दी गयी। वक्फ की प्रॉपर्टी को लेकर किसी मामले में सेंट्रल वक्फ काउंसिल केंद्र को सलाह देती है। किसी विवाद की स्थिति में वक्फ प्रॉपर्टी ट्रिब्यूनल ही फैसला करेगा। एक्ट में दिये गये प्रविधानों के मुताबिक वर्ष 1964 में अल्पसंख्यक मंत्रालय के अधीन केंद्रीय वक्फ परिषद का गठन हुआ। यह वक्फ बोर्डों के कामकाज के मामलों में केंद्र सरकार को सलाह देती है। वर्ष 1995 में वक्फ एक्ट में बदलाव भी किया गया और हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड बनाने की अनुमति दी गयी।

कांग्रेस की सरकारों ने लगातार बढ़ायी वक्फ बोर्ड की शक्तियां

1995 में बाबरी विध्वंस के बाद पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने 1955 के बाद, दूसरी बार वक्फ एक्ट 1954 में बदलाव किया। इस बदलाव के बाद इस कानून के तहत वक्फ बोर्ड को काफी ज्यादा शक्तियां मिल गयीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नये-नये प्रावधान जोड़ कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। अब इस कानून में इतनी ताकत थी कि वक्फ एक्ट 1995 के सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर बोर्ड किसी संपत्ति को मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चैरिटेबल) परोपकारी मान ले, तो वह संपत्ति वक्फ बोर्ड की हो जायेगी। अगर किसी को इस फैसले से एतराज है, तो वह वक्फ से गुहार लगा सकता है। वक्फ एक्ट 1995 के आर्टिकल 40 के अनुसार यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड ही तय करेगा।

अगर किसी को वक्फ बोर्ड के फैसले से एतराज है तो वो अपनी संपत्ति से जुड़े विवाद को निपटाने के लिए वक्फ ट्रिब्यूनल में जा सकता है। इस कानून की एक खास बात यह भी है कि जमीन या संपत्ति पर आखिरी फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल में ही होता है। इस कानून के सेक्शन 85 के मुताबिक वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले को सिविल, राजस्व या अन्य अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती है। उसके बाद 2013 में कांग्रेस की यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड के कानून में बदलाव कर उनकी शक्तियों और अधिकारों को और बढ़ाया। इस बार देशभर में वक्फ संपत्तियों की निगरानी करने के लिए जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम मैपिंग की व्यवस्था की गयी, ताकि संपत्तियों का सही और सटीक रिकॉर्ड रखा जा सके। साथ ही यह ध्यान रखा गया कि बोर्ड पर किसी तरह का बाहरी दबाव या हस्तक्षेप नहीं हो।

वक्फ बोर्ड को मिली हैं ये शक्तियां

अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गयी, तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। तब आप वक्फ ट्राइब्यूनल में जा सकते हैं। इस ट्राइब्यूनल में प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। उसमें गैर-मुस्लिम भी हो सकते हैं। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाइकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

देश में एक सेंट्रल और 32 स्टेट वक्फ बोर्ड हैं

देश में एक सेंट्रल वक्फ बोर्ड और 32 स्टेट बोर्ड हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सेंट्रल वक्फ बोर्ड का पदेन अध्यक्ष होता है। अब तक की सरकारों में वक्फ बोर्ड में अनुदान दिया जाता रहा है। मोदी सरकार में भी वक्फ को लेकर उदारता दिखायी गयी। सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने नियम बनाया कि अगर वक्फ की जमीन पर स्कूल, अस्पताल आदि बनते हैं तो पूरा खर्च सरकार का होगा। यह तब हुआ, जब मुख्तार अब्बास नकवी अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री थे।

वक्फ बोर्ड में कौन होता है शामिल?

बात करें वक्फ बोर्ड के सदस्यों की तो इसमें शीर्ष पर सारे मुस्लिम अधिकारी होते हैं। जैसे एक अध्यक्ष, राज्य सरकार की ओर से एक या दो नामित व्यक्ति, मुस्लिम विधायक, मुस्लिम एमपी, मुस्लिम वकील, मुस्लिम आइएएस, इस्लामी स्कॉलर, टाउन प्लॉनर और इनके अलावा एक लोकल लेवल पर मुतवल्ली भी होता है।

जब संविधान में ही वक्फ शब्द नहीं था, तो ये वक्फ एक्ट बना कैसे

वक्फ के नाम पर वक्फ बोर्ड में जोड़ी गयी इतनी सम्पत्तियों पर पिछले दिनों बहुत सवाल उठे। उत्तरप्रदेश में तो वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को जांचने के लिए राज्य सरकार ने आदेश भी दे दिया है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट में कुछ साल पहले वक्फ बोर्ड को अंसवैधानिक करार देने के लिए एक याचिका डाली गयी थी। हालांकि उस वक्त कोर्ट ने याचिका यह कह कर खारिज कर दी कि इस मामले में याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं हुए। याचिका डालने वाले अश्विनी उपाध्याय इसकी संवैधानिक मान्यताओं पर सवाल खड़ा करते हुए कहते हैं, वक्फ के नाम से भारतीय संविधान में एक शब्द नहीं है। सरकार ने 1995 में वक्फ एक्ट बनाया और ये सिर्फ मुस्लिमों के लिए बना दिया। उन्होंने पूछा कि जब संविधान में ही ऐसा शब्द नहीं था तो ये वक्फ एक्ट बना कैसे। इसमें मुस्लिम विधायक, एमपी, वकील, आइएएस, स्कॉलर और टाउन प्लॉनर और एक मुतवल्ली होता है। मगर जो इसका पूरा खर्चा होता है वो पूरा का पूरा जनता के टैक्स से दिया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार मस्जिद, मजारों से पैसे ही नहीं लेती और वक्फ पर उसके सदस्यों के वेतन में पैसे खर्च करेगी, तो ये आर्टिकल 27 का उल्लंघन नहीं हुआ क्या?

1500 साल पुराने हिंदू मंदिर पर मालिकाना हक जताया, वक्फ बोर्ड के दुरूपयोग के कई उदाहरण हैं

आज देश में 30 वक्फ बोर्ड हैं, जिन्होंने अब तक संपत्तियों और मंदिर की जमीनों का उल्लंघन किया है। तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड ने हाल ही में एक पूरे गांव पर स्वामित्व का दावा किया है, जिससे गांव वाले हैरान हैं। तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने तिरुचि जिले के तिरुचेंथुरई गांव में 1,500 साल पुराने मानेदियावल्ली चंद्रशेखर स्वामी मंदिर की जमीन पर मालिकाना हक जताया है। गांव में और उसके आसपास मंदिर की 369 एकड़ संपत्ति है। वक्फ बोर्ड के इस दावे की जानकारी उस वक्त सामने आयी, जब एक स्थानीय किसान ने अपनी खेती की जमीन बेचने की कोशिश की। राजगोपाल नामक किसान ने जब गांव के ही एक दूसरे किसान को अपनी 1.2 एकड़ खेती की जमीन बेचनी चाही, तो रजिस्ट्रार दफ्तर द्वारा उसे बताया गया कि यह जमीन उसकी नहीं, बल्कि तमिलनाडु वक्फ बोर्ड की है। राजगोपाल ने मीडिया से कहा कि रजिस्ट्रार ने उसे बताया कि जमीन उसकी नहीं है, तमिलनाडु वक्फ बोर्ड की है और उसे चेन्नई स्थित वक्फ बोर्ड के कार्यालय से एनओसी लेनी होगी। राजगोपाल ने रजिस्ट्रार से कहा कि उसने 1992 में यह जमीन खरीदी थी और उसे वक्फ बोर्ड से एनओसी लेने की क्यों जरूरत है। राजगोपाल के अनुसार रजिस्ट्रार ने उनसे कहा कि तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने दस्तावेज विभाग को 250 पेज का एक पत्र भेजा है और कहा है कि तिरुचेंथुरई गांव में किसी भी जमीन की खरीद-बिक्री उसकी एनओसी के साथ किया जायेगा। गांव के लोगों को जब यह बात पता चली तो वे स्तब्ध रह गये, क्योंकि गांव में हर पुरुष या महिला के नाम पर जमीन है। वहीं कर्नाटक माइनॉरिटी कमीशन की रिपोर्ट में 2012 में कहा गया कि वक्फ बोर्ड ने 29 हजार एकड़ जमीन को कमर्शियल प्रॉपर्टी में कन्वर्ट कर दिया। हरियाणा के यमुनानगर जिले के जठलाना गांव में वक्फ की ताकत तब देखने को मिली, जब गुरुद्वारा (सिख मंदिर) वाली जमीन को वक्फ को हस्तांतरित कर दिया गया। इस जमीन पर किसी मुस्लिम बस्ती या मस्जिद के होने का कोई इतिहास नहीं है। नवंबर 2021 में मुगलीसरा में सूरत नगर निगम मुख्यालय को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। तर्क यह दिया गया था कि शाहजहां के शासनकाल के दौरान, संपत्ति को सम्राट ने अपनी बेटी को वक्फ संपत्ति के रूप में दान कर दिया था। और इसलिए, आज लगभग 400 साल बाद भी इस दावे को उचित ठहराया जा सकता है। 2018 में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कहा कि ताजमहल का स्वामित्व सर्वशक्तिमान के पास है। और व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए इसे सुन्नी वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शाहजहां से हस्ताक्षरित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहे जाने पर, इस निकाय ने दावा किया कि स्मारक सर्वशक्तिमान का है, और उनके पास कोई हस्ताक्षरित दस्तावेज नहीं है, लेकिन उन्हें संपत्ति का अधिकार दिया जाना चाहिए।

लोकतांत्रिक देश में वक्फ के मायने

सुप्रीम कोर्ट में भले ही वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका खारिज कर दी गयी, लेकिन उठाये सवाल गलत नहीं थे। भारत जैसे लोकतांत्रित देश में मजहबी आधार पर ऐसे बोर्ड और कानून बनाना कहां तक उचित है। अभी बीते एक साल पहले ही खबर आयी थी कि एक पूरे गांव पर वक्फ बोर्ड ने अपना अधिकार बता दिया है, जबकि लोग उस पर सालों से रह रहे हैं और जमीन पर मंदिर भी है। यह पहली बार नहीं हुआ है, जब वक्फ बोर्ड ने इस तरह का दावा किया है। कई बार वक्फ बोर्ड ने ऐसे दावे किये हैं और जगह को अपना बताया है। बस फिर क्या अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गयी तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। साबित करते रहिये वक्फ ट्राइब्यूनल में। ये भेदभाव नहीं तो क्या है। जरा सोचिये किसी अन्य धर्म की संपत्ति से जुड़े मामलों पर सिविल कोर्ट सुनवाई कर लेता है, जबकि किसी वक्फ की संपत्ति का विवाद हो, तो वे केवल ट्रिब्यूनल कोर्ट में सुना जाता है। यानी अगर वक्फ कभी कहता है कि किसी गैर इस्लामी शख्स की जमीन भी उसके हिस्से में आती है तो उस व्यक्ति को ट्रिब्यूनल कोर्ट जाकर शिकायत करनी पड़ती है और देश में इन कोर्टों की संख्या मात्र 14 है। वहीं अगर यही विवाद किसी अन्य धर्म के व्यक्ति से जुड़ा है तो बड़े आराम से मामला सिविल कोर्ट में सुना जाता है। आपको जान कर हैरानी होगी कि वक्फ का कॉन्सेप्ट इस्लामी देशों तक में नहीं है। फिर वो चाहे तुर्की, लिबिया, सीरिया या इराक हो। लेकिन भारत में मुस्लिम तुष्टीकरण के चलते आज हालात ऐसे हैं कि इन्हें देश में तीसरा सबसे बड़ा जमींदार बताया जा रहा है, जिसके पास अकूत संपत्ति है।

www.epaper.azadsipahi.in

09 अगस्त, 2024
श्रावण, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 09, अंक 290

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

विश्व आदिवासी दिवस आज, तैयारियां पूरी

शिबू होंगे मुख्य अतिथि, हेमंत करेंगे अध्यक्षता

आजाद सिपाही संवाददाता

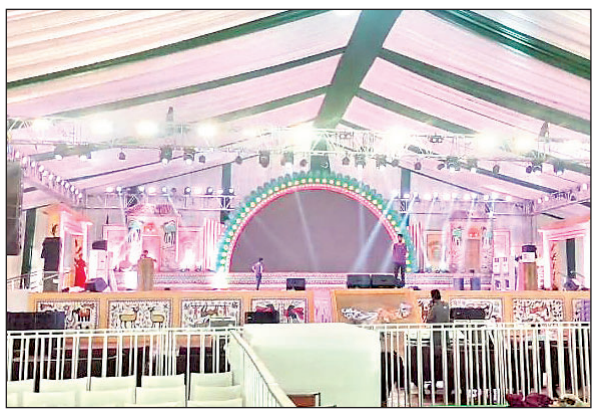

रांची। रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में 9 अगस्त से आयोजित होनेवाले दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बार महोत्सव झारखंड के लोगों के लिए ही नहीं, पूरे देश के लिए अनोखा रहेगा। 32 आदिवासी समुदायों द्वारा धुमकुड़िया भवन करम टोली चौक से बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान जेल चौक तक रीझ-रंग शोभा यात्रा निकाली जायेगी।

महोत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, विशिष्ट अतिथि राज्य समन्वय समिति सह सांसद राज्यसभा शिबू सोरेन मेले में प्रदर्शनी शिविर, आदिवासी चित्रकार शिविर और आदिवासी व्यंजन का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मिजोरम, ओडिशा , उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़ आदि अन्य राज्यों से कलाकार पारंपरिक आदिवासी नृत्य की अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगे।

मेले में अखड़ा दर्शन, 8 जनजातियों का गीत नृत्य,पद्मश्री मुकुंद नायक के द्वारा नागपुरी गीत नृत्य, जननी झूमर,वर्षा लकड़ा और उनके समूह द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की ऐतिहासिक गाथा का कथात्मक संगीतमय नृत्य नाटिका, संथाली बैंड (आधुनिक संथाली गायन वादन गायिका शेरोन मरांडी) द्वारा प्रस्तुति, झारखंड झरोखा लोक कला वाद्य यंत्र एवं परिधान की प्रस्तुति दी जायेगी। वहीं परिवर्तन संस्था के आदिवासी दिव्यांगों बच्चों द्वारा ट्राईबल कल्चर इन फ्रेगमैन स्टाइलिश इन परिधान दर्शन एवं आश्रम विद्यालय के छात्र और छात्राओं के द्वारा चारित्रिक गुणों पर आधारित एक नाटक की प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही मेले में इस बार 12 पुस्तकों का लोकार्पण और वन अधिकार पट्टा का वितरण भी किया जायेगा।

समारोह स्थल पर आकर्षक मंच बन कर तैयार हो गया है। मंच के पीछे झारखंड में आदिवासी जीवन के ग्रामीण दर्शन को दर्शाया गया है। झारखंड और अन्य राज्यों से आये चित्रकार, चित्रकला के माध्यम से झारखंड की आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को कैनवास पर उकेर रहे हैं।

हॉकी टीम ने कांस्य दिलाया, स्पेन को 2-1 से हराया

पेरिस ओलिंपिक में भारत को चौथा मेडल

कप्तान हरमनप्रीत ने दागे दो गोल

एजेंसी

पेरिस। भारत ने पेरिस ओलिंपिक में चौथा मेडल जीत लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किये। उन्होंने भारत को स्पेन के खिलाफ बढ़त दिलायी, जो अंत में निर्णायक साबित हुई। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था और अब लगातार दूसरी बार टीम पोडियम फिनिश करने में सफल रही है। भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और टीम ने इस दिग्गज खिलाड़ी को शानदार विदाई दी है। भारत की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हैं। भारत ने इस तरह ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा में अपना 13वां पदक जीता। मैच के 30वें मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागा। इस गोल के बाद हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। मैच के 33वें मिनट में हार्दिक सिंह ने वीडियो रेफ्ररल मांगा। इस पर रेफरी ने भारत को पेनल्टी दी। इसका फायदा उठाकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागा। यह उनका टूर्नामेंट में 10वां गोल था। इसके बाद भारत ने स्पेन को कोई मौका नहीं दिया और मैच को जीत लिया।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

न्यूज रील्स

कुश्ती जीत गयी, मैं हार गयी: विनेश

पेरिस। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने कुश्ती से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर लिखा कि मां कुश्ती मेरे से जीत गयी, मैं हार गयी। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी। गौरतलब है कि 7 अगस्त को विनेश का वजन उनकी तय कैटेगरी 50 किग्रा से 100 ग्राम ज्यादा निकला। इसके बाद ओलिंपिक एसोसिएशन ने उन्हें फ्रीस्टाइल महिला कुश्ती के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। उधर, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार विनेश को ओलिंपिक सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी की तरह ही सम्मान-इनाम देगी।

वक्फ बोर्ड कानून में होगा संशोधन, विधेयक पेश

जेपीसी को भेजा गया बिल

- विपक्ष ने किया विरोध
- विचार के लिए भेजा गया जेपीसी के पास
- मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2024 भी सदन में पेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विपक्षी दलों द्वारा इस विधेयक में मौजूद प्रावधानों का विरोध करने के बाद इसे विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2024 को भी सदन में पेश किया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब से वर्ष 1995 के वक्फ अधिनियम को लागू किया गया है, तब से मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 के निरसन की आवश्यकता पड़ी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना : अमित शाह ने विपक्ष पर मुसलमानों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधेयक में संशोधन की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि इसमें बहुत सारी गलतियां हैं। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलना भी है। बताया गया है कि वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदल कर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 रखा जायेगा। सदन में इस विधेयक को पेश करने से पहले, मंगलवार की रात इसे सभी लोकसभा सांसदों के साथ साझा किया गया।

विपक्ष ने कहा, यह संविधान पर हमला है

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में जैसे ही विधेयक पेश किया, तो विपक्ष के सासंदों ने हंगामा खड़ा करना शुरू कर दिया। इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसीपी (शरद पवार), एआइएमआइएम, टीएमसी, सीपीआइ (एम), आइयूएमएल, डीएमके, आरएसपी आदि दलों ने विरोध किया। विपक्ष ने एक सुर में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह संविधान पर हमला है। इसके जवाब में रिजिजू ने कहा कि वक्फ विधेयक में किसी भी धार्मिक समुदाय की आजादी में हस्तक्षेप नहीं किया जायेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मसौदा कानून में कानून के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा। इससे बोर्ड की मनमानी पर रोक लगेगी।

किसने क्या कहा

हम हिंदू हैं, लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। यह बिल महाराष्ट्र, हरियाणा चुनावों के लिए खास है। आप यह नहीं समझते कि पिछली बार भारत की जनता ने आपको साफ तौर पर सबक सिखाया था। यह संघीय व्यवस्था पर हमला है।
-केसी वेणुगोपाल राव, कांग्रेस सांसद

इस बिल को लाकर आप (केंद्र सरकार) देश को जोड़ने का नहीं, बल्कि बांटने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं।
- असदुद्दीन ओवैसी, एआइएमआइएम सांसद

यह बिल सोची समझी राजनीति के तहत पेश हो रहा है। वक्फ में गैर मुस्लिम को शामिल करने का औचित्य नहीं है। अगर आप जिलाधिकारी को ताकत दे देंगे तो गड़बड़ी होगी। भाजपा हताश, निराश और चंद कट्टर समर्थकों के तुष्टीकरण के लिए यह बिल ला रही है।
- अखिलेश यादव, सपा सांसद

इस बिल को मुसलमान विरोधी बताने की कोशिश की जा रही है। यह बिल मुस्लिम विरोधी नहीं है। यह बिल मस्जिदों पर लागू करने के लिए नहीं है। एक निरंकुश संस्था को कानून में बांधने के लिए लाया जा रहा है।
- ललन सिंह, जेडीयू सांसद

विपक्ष हमेशा विरोध करता है, यही उनका काम है। वे अच्छी चीजों को भी बुरा बताते हैं। पीएम कई अच्छी योजनाएं लाये हैं, लेकिन वे कहते हैं कि ये सभी चीजें गलत हैं।
- हेमा मालिनी, भाजपा सांसद

यह बिल मुस्लिमों और महिलाओं के हित में है। इसे वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता के लिए लाया गया है।
- जीएम हरिश बालयोगी, टीडीपी सांसद

मुख्यमंत्री ने शहीद निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि

योजनाओं से जुड़ें, दूसरों को भी प्रेरित करें : हेमंत

झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में शहीद निर्मल दा के योगदान और बलिदान को कभी भूल नहीं सकते

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अमर शहीद निर्मल दा, एक ऐसी शख्सियत थे, जो झारखंड अलग राज्य आंदोलन के एक अहम स्तंभ रहे। अलग राज्य के लंबे समय तक चले संघर्ष में उनका योगदान कभी भूल नहीं सकते हैं। आज उनका बलिदान दिवस है। इस अवसर पर सभी अमर वीर शहीदों को शत-शत नमन। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अमर वीर शहीद निर्मल महतो जी के 37वें बलिदान दिवस पर उलियान, जमशेदपुर स्थित उनके समाधि स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्यवासियों के हित में कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाये हैं। सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना लागू कर उनके बुढ़ापे की लाठी प्रदान की है। वहीं बुढ़ापे में कोई पेंशन से वंचित न रहे, इसके लिए सर्वजन पेंशन योजना शुरू की है। ऐसे ही अनेकों योजनाएं हैं, जिसका सीधा फायदा इस राज्य के आदिवासी, दलित, गरीब, मजदूर किसान, महिला और नौजवानों समेत हर वर्ग और तबके को हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोग अपनी जरूरत की योजनाओं से जुड़ें। जिन्हें इन योजनाओं की जानकारी नहीं है, उन्हें इसकी जानकारी देकर जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

नौजवानों को बड़े पैमाने पर मिल रहा रोजगार: हेमंत ने कहा कि राज्य के नौजवानों को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में यहां ना तो नियुक्ति नियमावली ही बनी और ना ही नियुक्तियों को लेकर कोई ठोस प्रयास किये गये। हमारी सरकार नियुक्ति नियमावली बना कर सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां कर रही हैं।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए सरकार ने कई योजनाओं को शुरू किया है।

कार्यक्रम में थे मौजूद: कार्यक्रम में मंत्री चंपाई सोरेन और बन्ना गुप्ता, विधायक रामदास सोरेन, सविता महतो, संजीव सरदार, समीर मोहंती और मंगल कालिंदो के समेत अन्य लोग मौजूद थे।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए सरकार संकल्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। महिलाएं आगे बढ़ें, इसके लिए कई योजनाएं हैं। इसी कड़ी में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत हो रही है। इस योजना के अंतर्गत 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को हर वर्ष 12 हजार रुपये सम्मान राशि दी जायेगी। राज्य की ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को इसका लाभ मिले, इसके लिए इसके आवेदन की प्रक्रिया को काफी सरल रखा गया है। महिलाएं आगे आयें और इस योजना से जुड़ कर अपनी प्रगति का एक नया रास्ता बनायें।

जब घुसपैठिये देश में घुस जायेंगे, तब आप जागेंगे: हाइकोर्ट

केंद्र सरकार को लगायी फटकार, कहा, यह देश की सुरक्षा का सवाल है

जो आकर यहां बस गये हैं, उन्हें वापस भेजने की पहल कीजिए

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हाइकोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा शपथ पत्र दाखिल नहीं किये जाने पर कड़ी टिप्पणी की। साथ ही छह जिलों के डीसी द्वारा शपथ पत्र दाखिल नहीं करने पर भी नाराजगी व्यक्त की। कोर्ट ने केंद्र से मौखिक कहा कि देश में घुसपैठ करनेवालों के घुस जाने के बाद क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी। अभी बांग्लादेश में उथल-पुथल की स्थिति है, वहां राजनीतिक अस्थिरता है। ऐसे में भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए बॉर्डर में बीएसएफ को कड़ी निगरानी करनी पड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय गृह सचिव से भी जवाब मांगा जा सकता है और उन्हें कोर्ट में बुलाया जा सकता है। यह देश की सुरक्षा का सवाल है, जो आ रहे हैं, उनको रोकिये और जो यहां आकर बसे हैं उनकी पहचान कर उन्हें वापस भेजने की पहल करें।

कोर्ट को बताया गया कि संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिये फर्जी ढंग से आधार कार्ड और वोटर कार्ड बना ले रहे हैं और आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन पर कब्जा कर ले रहे हैं। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक कहा कि सरकार को संताल परगना जैसे इलाकों में औचक निरीक्षण कर लोगों के आधार कार्ड और वोटर कार्ड का सत्यापन करना चाहिए, ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके। कोर्ट ने मौखिक कहा कि झारखंड में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तुरंत निकालना जरूरी है अन्यथा और घुसपैठिये झारखंड आते रहेंगे। राज्य सरकार को झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस फोर्स को मजबूत कर घुसपैठियों को रोकना होगा। कोर्ट ने मौखिक कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों को देश और राज्य में घुसपैठ पर मिल कर काम करना होगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त निर्धारित की है। दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाइकोर्ट ने पूर्व की सुनवाई में संताल परगना के छह जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही कहा था कि संबंधित जिलों के एसपी डाटा उपलब्ध कराने में उपायुक्तों को फीडबैक देंगे। वहीं मुख्य सचिव सबकी मॉनिटरिंग करेंगे, लेकिन शपथ पत्र डीसी के बजाय कनीय अधिकारियों की ओर से दाखिल किया गया था। इस पर कोर्ट ने शपथ पत्र को स्वीकार नहीं किया था। गुरुवार को संतालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई।

आइबी निदेशक और बीएसएफ के डीजीपी को प्रतिवादी बनाया

कोर्ट ने भारत सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया और डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को प्रतिवादी बनाया है। उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से सीलबंद रिपोर्ट मांगी है। छह जिलों के उपायुक्त द्वारा जवाब दाखिल नहीं किये जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार पर नाराजगी जतायी। कोर्ट ने मौखिक कहा कि जब संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिये के आने की बात हो रही है, ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं आया है।

क्या है याचिका में

प्रार्थी ने याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज में झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिये झारखंड आ रहे हैं। इससे इन जिलों में जनसंख्या पर कुप्रभाव पड़ रहा है। इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय ट्राइबल के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है। प्रार्थी ने मांग की है कि इस मामले में भारत सरकार का गृह मंत्रालय रिपोर्ट दाखिल करे और बताये कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिये झारखंड आ रहे हैं और उनके द्वारा झारखंड में कैसे लोगों को गुमराह कर वैवाहिक संबंध स्थापित किया जा रहा है।

गढ़वा डीसी ने सेल को जमीन वापस करने का दिया निर्देश

भवनाथपुर में 228.46 हेक्टेयर जमीन के लिए भेजा नोटिस

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा डीसी शेखर जमुआर ने गुरुवार को सेल/आरएमडी, भवनाथपुर खदान समूह के महाप्रबंधक को बकाया राशि का भुगतान करने और बाद में जमीन सरकार को वापस करने के लिए नोटिस जारी किया है। उन्हें इसके लिए एक महीने का समय दिया गया है। डीसी ने सेल के जीएम को सरकार को नियमों के तहत देय किराया, दर और रॉयल्टी का भुगतान करने का भी निर्देश दिया है।

जीएम, सेल को मौजा गोरेगांव में 228.46 हेक्टेयर भूमि से किसी भी अयस्क, खनिज उत्खनन, इंजन मशीनरी, संयंत्र, भवन संरचना, ट्रामवे, रेलवे, निर्माण आदि को हटाने के लिए भी कहा गया है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि सेल उत्खनित खनिजों को हटाने में विफल रहता है तो राज्य सरकार

डीसी शेखर जमुआर ने कहा कि सेल को 1972 में 228.46 हेक्टेयर भूमि पट्टे पर दी गयी थी। इसकी विस्तारित लीज 22.10.22 को समाप्त हो गयी। सेल ने पट्टा सरकार को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि अब, खनिज रियायत नियमों के तहत, सेल को राज्य सरकार को 30.42 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करने और मशीनरी, संयंत्र और अन्य चीजों जैसी अंतर्निहित चीजों के साथ या उसके बिना सरकार को जमीन वापस करने के लिए कहा गया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.2 ℃	24.2 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	18.26 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.22 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर रांची विश्वविद्यालय में कार्यक्रम

अब पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल है : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि आज हालात बदल चुके हैं और पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल बना हुआ है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल करें। साथ ही जनजातियों को पढ़ाई के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरना चाहिए, जिस प्रकार आज जनजातियों की परंपरा और संस्कृति का पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है, उसी प्रकार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी उन्हें पिछड़ा न समझा जाये, आदर्श माना जाये।

राज्यपाल गंगवार गुरुवार को रांची विश्वविद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस है। खुशी है कि रांची विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र संघ के थीम प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ इंडीजिनस पिपुल इन वोलेंटरी आइसोलेशन एंड इनिसियल कांटेक्ट पर जोहार संगी 24 का आयोजन किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अभिभूत हूं। झारखंड वीरों की भूमि है, जहां धरतीआबा बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन महान सपूतों का जन्म जनजाति समुदाय में हुआ था और उन सभी ने अपने उल्लेखनीय कार्यों से दिखाया कि वीरता और यश के लिए किसी विशिष्ट जाति और कुल की जरूरत नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ कर्म की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर इन महान सपूतों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने मातृभूमि के लिए संघर्ष किया और प्राणों की भी परवाह नहीं की।

उन्होंने कहा कि अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है। जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है।

संथाल में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की कर रहा जद्दोजहद : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है। बांग्लादेशी घुसपैठिये संताल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसा कर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रच रहे हैं। बाबूलाल ने आगे लिखा कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज

पर इतना विकराल संकट छाया है। हेमंत सोरेन ने विधानसभा के अंदर बांग्लादेशी घुसपैठियों का बचाव कर अपनी मंशा बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि जेएमएम-कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता मुस्लिम वोट बैंक को संरक्षण देना है, ना कि अस्तित्व संकट से जूझ रहे आदिवासी समाज को।

ठगबंधन सरकार को मिलता स्वर्ण पदक

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर जनता को ठगना कोई प्रतियोगिता होती, तो झामुमो-कांग्रेस-राजद ठगबंधन सरकार इसमें स्वर्ण पदक पाती। एक तरफ मुफ्त बिजली देने का ढकोसला और दूसरी तरफ जनता का जीना मुश्किल कर देना। इन ठग नीतियों का जवाब झारखंड की जनता जल्दी देगी।

भाजयुमो सरकार के खिलाफ आक्रोश महारैली निकालेगा

ठगबंधन सरकार से युवा त्रस्त : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक शशांक राज की अध्यक्षता में हुई। इसमें झारखंड के नवनियुक्त सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रमंडल प्रभारी, जिला प्रभारी आदि भी उपस्थित रहे। इस दौरान राज्य सरकार के स्तर से युवाओं, उनके लिए रोजगार के सवाल पर ठगे जाने का विषय मुख्य रहा। साथ ही आनेवाले दिनों में सरकार के खिलाफ रांची में विशाल आक्रोश महारैली के आयोजन को लेकर भी विमर्श हुआ। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, महामंत्री संगठन कर्मवीर सिंह, महामंत्री मनोज सिंह, मोर्चा प्रभारी विनय जयसवाल भी मौजूद रहे। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के युवा इस ठगबंधन की सरकार से त्रस्त हो चुके हैं। युवाओं के भविष्य से साथ सिर्फ खिलवाड़ किया गया है। पांच लाख सरकारी नौकरी देने की बात हो या बेरोजगारी भत्ता, सरकार ने उन्हें सिर्फ ठगा है। सहायक पुलिस कर्मियों के

ऊपर लाठी चार्ज की बर्बरता हो, आंगनबाड़ी सेविका का मामला हो, जेपीएससी का पेपर लीक मामला हो, सबमें सरकार ने चुप्पी साधे रखी। जेएमएम सरकार सिर्फ बालू ओर अवैध वसूली में व्यस्त है। सरकार का समय अब पूरा हो चुका है। आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंडी युवा इस ठगबंधन सरकार को वोट की चोट से उखाड़ फेंकेंगे।

कर्मवीर सिंह ने युवा मोर्चा के नेतृत्व में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया। कहा कि जिस तरह राज्य में लूट, खसोट, अराजकता और बेरोजगारी बढ़ गयी है। रैली में एक लाख से भी अधिक युवा शामिल होंगे। पूरे झारखंड से लाखों की संख्या में रांची में युवाओं का महाजुटान होगा। इस सड़ी गली भ्रष्ट सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगा। ये सरकार अब बहुत कम दिनों की मेहमान है।

शशांक राज ने कहा कि जिस तरीके से राज्य सरकार ने युवाओं को लाठी की चोट से उनके आवाज को दबाने की कोशिश की है, उसका जवाब बहुत जल्द यहां का युवा जेएमएम सरकार को चुनाव में अपने वोट की चोट से देगा। हेमंत सरकार ये भूलने की जरा भी कोशिश ना करे कि पूरा प्रदेश युवा मोर्चा, झारखंड के एक-एक छात्र के साथ खड़ा है। उनके आंदोलन में उनका साथ दिया है। सरकार चेत जाये और युवाओं के ऊपर पूर्व में किये गये अन्याय को दोहराने की गलती ना करे, अन्यथा युवा मोर्चा सड़कों पर उतर कर आंदोलन करेगा। बैठक का संचालन भाजयुमो प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा और समापन महामंत्री मनीष दुबे ने किया।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष नवीन कार्य की शुरुआत करने के लिए समय ठीक है, परंतु स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहेगा।

वृष प्रयास व उत्साह से कई बिगड़े काम संवर जायेंगे। क्रोध व आवेश पर नियंत्रण रखें।

मिथुन सरकार की ओर से धन व मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। नौकरी में प्रमोशन के अवसर मिल सकता है।

कर्क नौकरी या व्यवसाय में परिवर्तन हो सकता है, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगा।

सिंह नया काम इस समय हाथ में न लें, कोई अप्रिय समाचार मिलेगा, जिससे मन एकदम परेशान व आप भयभीत हो उठेंगे।

कन्या व्यापार व कार्यक्षेत्र की चिन्ताओं से आप मुक्त हो जायेंगे। जीवन साथी से मतभेदों का निराकरण होगा।

तुला रोजी-रोजगार में अवरोध-विरोध का सामना हो सकता है। विरोधी प्रबल होकर हावी होंगे।

वृश्चिक बिगड़ा हुआ कार्य सुधरेगा तथा धन प्राप्ति के लिए किये गये प्रयासों में बराबर सफलता मिलेगी।

धनु कारोबार व कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रशस्त होंगे। आपके अपने परिश्रम का पूरा पूरा फल मिलेगा।

मकर आस-पड़ोस एवं मित्रों का सहयोग मिलेगा। कारोबार के हालात पुछले दिनों से कुछ बेहतर होंगे।

कुंभ नयी नौकरी मिलने का प्रयास सफल होगा। विघ्न बाधाओं के बावजूद सफलता तथा धन प्राप्ति के साधन बनेंगे।

मीन मिले-जुले परिणाम प्राप्त होंगे। आय में कमी रहेगी। फिर भी आय के साधन निर्वाह योग्य बने रहेंगे।

अब राज्यपाल होंगे झारखंड के वोटर

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राजभवन पहुंच कर राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की। सीइओ के साथ पहुंचे रांची विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने राज्यपाल का नाम झारखंड की मतदाता सूची में स्थानांतरित करवाने के लिए उनसे फार्म 8 भरवाया। इस प्रकार मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गयी। अब शीघ्र ही उनका नाम रांची विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो जायेगा और वह झारखंड के मतदाता बन जायेंगे।

किसानों की ऋण माफी पर बोले अमर बाउरी

कांग्रेस को पांच साल बाद याद आया वादा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने किसानों की दो लाख रुपये तक की ऋण माफी योजना पर सवाल उठाये। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हेमंत सोरेन और कांग्रेस को किसानों से किये वादे तब याद आये, जब सरकार के पांच साल पूरे होने को हैं। इससे लूट और झूठ का पर्याय कांग्रेस पार्टी का किसान विरोधी चाल, चरित्र और चेहरा सामने आ गया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 19 नवंबर 2019 को झारखंड में कांग्रेस ने अपना चुनावी घोषणा

पत्र जारी किया था। इस घोषणा पत्र का पहला वादा था। सरकार गठन के तत्काल बाद विस्तारित ऋण माफी योजना की घोषणा की जायेगी। इसके तहत दो लाख रुपये तक के सभी ऋण माफ कर दिये जायेंगे। 7 अगस्त 2024 को जेएमएम-कांग्रेस की सरकार ने किसानों के दो लाख रुपये कर्ज माफी का प्रस्ताव पारित किया है। बाउरी ने कहा कि पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार के द्वारा किसानों के स्वावलंबन और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में चलाये जा रहे मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना को आखिर क्यों बंद कर दिया गया। कृषि मंत्रालय कांग्रेस के पास लगातार रहने के बावजूद चुनाव से एक-दो महीने पूर्व क्या किसानों को एक बार फिर ठगने का प्रयास किया जा रहा है। एक-एक झूठे वादे और फरेब का हिसाब राज्य के किसान करेंगे।

आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन ने कोर्ट में किया सरेंडर

रांची (आजाद सिपाही)। भूमि घोटाला मामले के आरोपित आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राज कुमार पाहन ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में गुरुवार को सरेंडर कर दिया। इसके साथ ही कोर्ट में एक लाख के बांड भी जमा किये, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इससे पहले दोनों ने अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी। इडी ने विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को भी आरोपी बनाया है।

विश्व आदिवासी दिवस की पूरी है तैयारी: फूलचंद तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी पूरी हो चुकी है। लोग विश्व आदिवासी दिवस को लेकर काफी उत्साहित हैं। आदिवासी समाज ढोल, नगाड़ा, मांदर, तीर-धनुष के साथ शामिल होंगे। कचहरी चौक से अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए बिरसा मुंडा समाधि स्थल तक ढोल-नगाड़ा, मांदर, पारंपरिक चिह्न के साथ जायेंगे। महासचिव

संजय तिर्की ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उचित पुलिस बलों की तैनाती की जाये। जगह-जगह पानी टैंकर की व्यवस्था हो। शौचालय की व्यवस्था की जाये। उन्होंने राज्य सरकार से एक दिन का राजकीय अवकाश घोषित करने की मांग की। केंद्रीय सरना समिति के उपाध्यक्ष प्रमोद एक्का सहाय तिर्की, विनय उरांव, संजय तिर्की, पंचम तिर्की, जयराम किस्पोट्टा सहित अन्य उपस्थित थे।

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के लिए दबाव बनाये केंद्र : निशिकांत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह झारखंड में सत्तारूढ़ कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा पर राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए दबाव बनाये। लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए झारखंड के गोड्डा से सांसद ने दावा किया कि देश के विभिन्न राज्यों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। झारखंड में इस वर्ग को केवल 14 प्रतिशत आरक्षण दिया

जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य दल जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पिछड़ों के साथ वर्षों से अन्याय होता रहा है।

एसटी आयोगी की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 अगस्त तक करेगी संथाल का भ्रमण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 अगस्त तक संथाल परगना क्षेत्र का भ्रमण करेगी। आयोग की तीन सदस्यीय टीम में डॉ आशा लकड़ा, जाटोतु हुसैन और निरुपम चाकमा शामिल हैं। 26 जुलाई की रात केकेएम कालेज पाकुड़ के छात्रावास परिसर में पुलिस की ओर से छात्रों की पिटाई की गयी थी। 28 जुलाई को आयोग की ओर से नोटिस जारी कर मुख्य सचिव एल

ख्यांग्ते, डीजीपी अनुराग गुप्ता, पुलिस अधीक्षक पाकुड़ और उपायुक्त पाकुड़ से इस मामले की जांच कर तीन दिनों के अंदर रिपोर्ट की मांग की गयी थी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आयोग की ओर से निर्णय लिया गया है कि तीन सदस्यीय टीम संथाल परगना क्षेत्र में बदल रही डेमोग्राफी की जांच करेगी।

1041 विद्यालयों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई

आजाद सिपाही संवाददाता

- जनजातीय भाषा आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करने की पहल
- 259 स्कूलों में शुरू किया गया था मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम

शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास

कक्षा तीन से पांच तक की गणित, पर्यावरण अध्ययन की द्विभाषीय पाठ्य पुस्तकों को पांच जनजातीय भाषाओं में विकसित किया गया है। बरखा शृंखला की चार स्तरों की कहानी पुस्तिकाओं में पांचों जनजातीय भाषाओं को शामिल किया गया है। इनके अतिरिक्त फ्लैश कार्ड और शिक्षक संदर्शिका का भी इन पांचों जनजातीय भाषाओ में अनुवाद किया गया है।

शैक्षिक अनुसंधान-प्रशिक्षण परिषद् में शुरू हुआ जनजातीय भाषा लैब

राज्य में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन और शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए झारखंड शैक्षिक अनुसंधान-प्रशिक्षण परिषद् में राज्यस्तरीय जनजातीय भाषा लैब का गठन किया गया है। इसमें उक्त वर्णित 15 भाषाओं में शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनजातीय भाषाओं में शिक्षा के विकास के लिए जेसीइआरटी में जनजातीय भाषा कोषांग और संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है। जनजातीय भाषा लैब में 15 जनजातीय-क्षेत्रीय भाषाओ की किताबें और शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण भी किया जायेगा।

रांची। राज्य के स्कूली बच्चों को मातृभाषा और जनजाति भाषाओं में शिक्षा देने के लिए झारखंड के स्कूली शिक्षा-साक्षरता विभाग की लगातार पहल की जा रही है। मातृभाषा बच्चों के द्वारा सीखी जाने वाली पहली भाषा होती है, जो परिवार, समुदाय और सांस्कृतिक परंपराओं से उन्हें जोड़ती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुभाषावाद, स्थानीय और क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव को अंकित किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 15 जनजातीय-क्षेत्रीय भाषाओं को शिक्षण कार्यक्रमों के लिए चिह्नित किया गया है।

वर्तमान में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य के छह जिलों में मातृभाषा-जनजातीय भाषा आधारित शिक्षा दी जा रही है। यूनिसेफ के सहयोग के सहयोग से राज्य के 259 स्कूलों में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत पांच जनजातीय भाषाओं मुंडारी, कुड़ुख, हो, खड़िया और संताली भाषा में बच्चों को शिक्षा दी जा रही थी। इस वर्ष इसका विस्तार 1041 विद्यालयों में किया गया है। जिन छह जिलों में इस कार्यक्रम को शुरू किया गया है, उनमें गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम और साहिबगंज के 24 प्रखंड शामिल हैं। यह कार्यक्रम इन प्रखंडों के कक्षा तीन से पांच तक के विद्यालयों में संचालित है।

बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम का विस्तार : राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा चिह्नित 15 भाषाओं में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के विस्तार की योजना है। इसके तहत इस वर्ष इन 15 भाषाओं में शिक्षण अधिगम सामग्री के विकास, प्रशिक्षण मॉडल के निर्माण, भाषायी कौशल विकास के लिए संसाधनों के निर्माण, मूल्यांकन प्राविधि के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

झारखंड से जुड़े क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र को में मिले 8392.46 लाख रुपये : शेखावत

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं के विभिन्न रूपों और गीतों को प्रोत्साहित करने हेतु, भारत सरकार ने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किये हैं। जिनके मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में स्थित हैं। ये जेडसीसी पूरे देश में वर्ष भर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का नियमित आधार पर आयोजन करते हैं, जिसके लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है।

इस संबंध में, ये जेडसीसी अन्य बातों के साथ-साथ, झारखंड सहित देश में लुप्त हो

भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय से राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के सवाल पर दिया जवाब

रही ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं और गीतों को प्रोत्साहित करने हेतु अनेक स्कीमें भी कार्यान्वित करते हैं, जैसे कि यथा युवा प्रतिभावान कलाकारों को पुरस्कार, गुरु शिष्य परंपरा, रंगमंच नवीनीकरण, शोध और प्रलेखन, शिल्पग्राम, ऑक्टेव और राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम है।

उन्होंने कहा कि राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कोई धनराशि आवंटित नहीं की जाती है, परन्तु झारखंड सहित पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों को सहायता अनुदान जारी किया जाता है।

विगत तीन वर्षों के दौरान सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र को जारी की गई धनराशि 8392.46लाख रुपये हैं। केंद्रीय मंत्री सदन में राज्यसभा में सांसद आदित्य साहू के सवालों का जवाब दे रहे थे।

पौलुस सुरीन को नहीं मिली जमानत

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोविंद की हत्या मामले में सजायफ्ता पूर्व तोरपा के विधायक पौलुस सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। गुरुवार को झारखंड हाइकोर्ट में पौलुस सुरीन की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल अपील पर सुनवाई हुई। दरअसल, अपर न्यायाधीश दिनेश कुमार की कोर्ट ने पौलुस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी। कोर्ट ने पौलुस सुरीन पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है, जबकि जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोनों अभियुक्तों को एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पौलुस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं। पौलुस सुरीन ने अपनी सजा के खिलाफ हाइकोर्ट में अपील दाखिल की है। हाइकोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में पूर्व विधायक सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। घटना खूंटी के तोरपा में साल 2013 की है। पुलिस मुखबिर भूषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गयी थी।

शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया, दी श्रद्धांजलि

शहीद निर्मल महतो के सपनों को साकार करने का लें संकल्प: मनोज

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। आजसू पार्टी जिला कार्यालय में झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। इस दौरान नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दिया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो उपस्थित हुए। मौके पर मुख्य अतिथि ने शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। **झारखंड अलग राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता थे शहीद निर्मल महतो :** मौके पर मुख्य अतिथि मनोज कुमार महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो झारखंड अलग राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता थे। कहा कि उन्होंने अलग झारखंड राज्य निर्माण के लिए अपना बलिदान दिया। श्री महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो की शहादत राज्य के युवाओं को वर्षो तक प्रेरित करती रहेगी। कहा कि शहीद निर्मल महतो का जन्म पूर्वी सिंहभूमि के उल्लूयान गांव में 25 दिसंबर 1950 ई में हुआ। उन्होंने जमशेदपुर वर्कर्स हाई स्कूल से मैट्रिक किया। जबकि जमशेदपुर कॉ -ऑपरेटिव कॉलेज से स्नातक किया। बताया कि शहीद निर्मल महतो ने परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण ट्यूशन किया। आगे चलकर वे झारखंड अलग राज्य आंदोलन में शामिल हुए और बेहतर संगठन की अपनी क्षमता के कारण युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गये। कार्यक्रम में अरुण अग्रवाल, बिट्टू सिंह चंडोक, उत्तम पासवान, दिनेश कुशवाहा, अभिमन्यु कुशवाहा, नीरज मंडल, कुलदीप वर्मा, पंकज वर्णवाल, विभन सिंह, अनुपमा सिंह, बिट्टी सिंह, इंद्रजीत राम, मोहनलाल महतो सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

शहीद निर्मल महतो के सपनों को साकार करना हम सभी का कर्तव्य : जयंती देवी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। नगर परिषद क्षेत्र के कोठार स्थित शहीद निर्मल महतो चौक पर गुरुवार को शहीद निर्मल महतो समिति के तत्वाधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 29 के वार्ड परिषद जयंती देवी, अधिवक्ता द्वारिका प्रसाद आदि ने संयुक्त रूप से शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। वार्ड पार्षद जयंती देवी ने कहा कि शहीद निर्मल महतो के सपनों को साकार करने के लिए हम सभी झारखंड वासियों को एक जुट होने की आवश्यकता है। इस अवसर पर निकेत ओहदार, ओम प्रकाश महतो, महेश निगम, मुन्नीनाथ महतो, दिनेश महतो, अरुण दीवान, राजु, दिनेश, रवि, देवानंद, महेश आदि उपस्थित थे।

झाकोमयू ने मनाया शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस

कुजू (आजाद सिपाही)। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन सीसीएल कुजू क्षेत्रीय कार्यालय नयामोड़ में शहीद निर्मल महतो का 37वा शहादत दिवस मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो व झामुमो मांडू प्रखंड प्रखंड सचिव सुरेश चंद्र पटेल मौजूद रहे। मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष बोधन मांझी, क्षेत्रीय सचिव रामकुमार सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अलाउद्दीन अंसारी, क्षेत्रीय सदस्य बलदेव मुर्मू, पुण्डी शाखा सचिव राजकुमार मांझी, वासुदेव गंझू, अभय सिंह, मोगलचंद पटेल, चित्रलाल महतो शामिल रहे।

सिटीजन फोरम ने पीसीआर को सौंपा फूलों का गमला

प्रेस क्लब रामगढ़ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी और सदस्यों को दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। सिटीजन फोरम रामगढ़ ने गुरुवार को पीसीआर भवन में आयोजित कार्यक्रम में पीसीआर के निर्वाचित कार्यकारिणी समिति एवं सदस्यों को फूलों का गमला प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीसीआर के अध्यक्ष विरेंद्र कुमार उर्फ बीरू ने की। जबकि संचालन सचिव धनेश्वर प्रसाद ने किया। सिटीजन फोरम के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश पी अग्रवाल ने कहा कि हमलोग सेवाकल्प के तहत फूलों का गमला प्रदान किए है। उन्होंने कहा कि फूलों को देखकर हमारा मन आनंदित हो उठता है। साथ ही फूलों के सुगंध वातावरण सुगंधित हो उठता है। मौके पर संस्थापक एवं अध्यक्ष सुरेश पी अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद लाल अग्रवाल, संस्थापक सदस्य पदम चंद जैन, वरिष्ठ सदस्य रतन कुमार जैन तथा दिवयांश अग्रवाल उपस्थित थे। मौके पर उपाध्यक्ष प्रदीप राज बबलू, संयुक्त सचिव व्यास शर्मा, कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम, कार्यकारिणी सदस्य शंकर देवधरिया, रितेश कश्यप, सुरेंद्र सिंह, सौरव नारायण सिंह, योगेंद्र कुमार सिन्हा, दीपक प्रसाद, तरूण बागी, धर्मेंद्र पटेल, मुकेश सिंह, अनिल विश्वकर्मा, संजय सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आवेदकों से पैसे मांगने वालों पर तत्काल दर्ज हो प्राथमिकी : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में रिश्वत मांगना वार्ड सदस्य और सीएससी को भारी पड़ गया। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार के समक्ष यह शिकायत पहुंची कि आवेदकों से पैसे की मांग की जा रही है। डीसी ने तत्काल कार्रवाई की। चितरपुर प्रखंड के वार्ड सदस्य और सीएससी पर प्राथमिक दर्ज करने का आदेश डीसी ने गुरुवार को जारी किया है। इसी क्रम में रामगढ़ जिला अंतर्गत चितरपुर प्रखंड के सुकरीगढ़ा पंचायत अंतर्गत लारिकला गांव में योजना का लाभ लेने तथा आवेदन की ऑनलाइन प्रविष्टि को लेकर आवेदक से वार्ड सदस्य तथा सीएससी संचालक द्वारा पैसे की मांग की जा रही थी। इस मामले में संज्ञान लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी चितरपुर ज्ञानमनी एक्का को मामले में प्राथमिक की दर्ज कराते आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मेहनत की आवश्यकता : आयुक्त

चतरा(आजाद सिपाही)। उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल हजारीबाग की आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने गुरूवार को चतरा जिले का दौरा किया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप, उप विकास आयुक्त पवन कुमार मण्डल, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा सुरेंद्र उरांव, अनुमण्डल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ और त्रुटि रहित मतदाता सूचि निर्माण से मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। कोई भी पात्र नागरिक या अनिबंधित योग्य नागरिक, जो अभीतक अपना नाम मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं करा सके हैं, वे प्रपत्र 6 में आवेदन समर्पित करते हुए अपना नाम मतदाता सूचि में दर्ज करा सकते है। उन्होने कोई भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूचि में जुड़ने से वंचित न रहे, इसके लिए सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया।

विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़(आजाद सिपाही)। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और इतिहास विभाग के छात्रों ने आदिवासी विश्वदिवस पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कार्लोस टोप्पो, डॉ मिश्रा (हिंदी विभाग), सहायक प्राध्यापक डॉ राकेश कुमार महतो, डॉ दिलकेश्वर प्रसाद, डॉ रविंद्र पासवान साथ ही इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ पूनम और सहायक अध्यापक डॉ ममता कुमारी की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व आदिवासी दिवस के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय बीएन साह, ट्रस्ट के सचिव सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो डॉ समरेंद्र नाथ साहा, उपकुलपति प्रो डॉ रश्मि, कुलसचिव प्रो डॉ निर्मल कुमार मंडल आदि ने शुभकामनाएं दी।

पुरानी पेंशन योजना को मिली कैबिनेट से मंजूरी, शिक्षकों के चेहरे पर दिखी खुशी

रामगढ़। शिक्षकों के पुरानी पेंशन योजना को हेमंत सोरेन की सरकार ने कैबिनेट में मंजूरी देती है। सरकार के इस निर्णय का असर विद्यालयों में दिखायी दे रहा है। गुरुवार को रामगढ़ महाविद्यालय में शिक्षकों ने एक दूसरे को बधाई दी और हेमंत सोरेन की सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। रामगढ़ शिक्षक संघ की अध्यक्ष प्रोफेसर रोज उरांव ने कहा कि हेमंत सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को लागू कर शिक्षकों का मनोबल ऊंचा किया है। वर्तमान राज्य सरकार पर शिक्षकों का विश्वास बढ़ा है और सरकार से उम्मीद है कि प्रोन्नति के संबंध में भी सरकार शीघ्र निर्णय लेगी। सचिव डॉ. प्रीति कमल ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की झारखंड कैबिनेट में स्वीकृति झारखंड सरकार की नेकनीयती और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचायक है। ऐसे ही निर्णय उच्च शिक्षा कर्मियों के उस सुनिश्चित भविष्य का भी आश्वसन देते हैं कि झारखंड सरकार संवेदनशीलता के साथ उनकी अन्य समस्याओं का निराकरण भी अवश्य करेगी। उपाध्यक्ष डॉ. रामाज्ञा सिंह ने सरकार की इस फैसले को स्वागत योग्य बतलाया। प्रवक्ता अनामिका ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम के लिए हम शिक्षक सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं।

मुख्य कार्यक्रम

9 अगस्त 2024

शुभारंभ समारोह

अपराह्न 12:10 से 06:45 तक

- रीझ-रंग शोभा यात्रा
- मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का आगमन
- आदिवासी दिव्यांग बच्चों द्वारा परिधान प्रदर्शन
- मिजोरम, आसामी, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा का आदिवासी नृत्य
- छात्रों द्वारा चारित्रिक गुणों पर आधारित नाटक
- अखड़ा दर्शन 8 जनजातियों का गीत नृत्य
- पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा नागपुरी गीत नृत्य
- संथाली बैंड की प्रस्तुति
- लोक कला वाद्ययंत्र एवं परिधान की प्रस्तुति

10 अगस्त 2024

सांस्कृतिक कार्यक्रम

पूर्वाह्न 11:00 बजे से 03:30 तक

- आधुनिक नागपुरी और कुड़ुख गीत
- त्रिपुरा, मिजोरम, झारखण्ड, महाराष्ट्र, आसामी, उत्तर प्रदेश और राजस्थानी आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति
- झारखण्ड का आदिवासी पांता झूमर नृत्य
- आधुनिक नागपुरी गीत
- पद्मश्री मधुमंसूरी का गायन
- छात्र - छात्राओं द्वारा आरोहण गीत की प्रस्तुति
- झारखण्ड रंगारंग महोत्सव
- मानभूम छउ नृत्य

समापन समारोह

सांय 05:00 बजे से 07:30 तक

- मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का आगमन
- आसाम बैंड की प्रस्तुति
- "फ्लेम ऑफ दी फारेस्ट" वादन कार्यक्रम
- आदिवासी परिधान प्रदर्शन प्रस्तुति
- लेजर एवं फायर शो (VFX)

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

9 एवं 10 अगस्त 2024

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची

आप सभी इस महोत्सव में सादर आमंत्रित हैं

कार्यक्रम स्थल

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 332321 (IPRD) 24-25

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
06

सीएम हेमंत के प्रति सहायक प्राध्यापकों ने जताया आभार

पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए दिया धन्यवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीएम हेमंत सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने 7 अगस्त 2024 को आयोजित कैबिनेट की बैठक में विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू किये जाने की स्वीकृति दिये जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। रांची विश्वविद्यालय, रांची अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों ने कहा कि हम सभी महाविद्यालय शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू किया जाना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कार्य है।

इस अवसर पर सीएम हेमंत सोरेन ने सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनकी सरकार राज्यहित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। विगत साढ़े चार वर्ष में राज्यहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्ग-समुदाय को उनका हक-अधिकार देने का काम उनकी सरकार निरंतर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग मिल-जुल कर झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कर सकें, इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। मौके पर सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कल्पना सोरेन से भी मुलाकात कर उनके प्रति भी आभार व्यक्त किया।

मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रांची विश्वविद्यालय, रांची अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों में डॉ उमेश कुमार, डॉ बहालेन होरो, डॉ खातिर हेंब्रम, डॉ रीता कुमारी, डॉ राजीव रजक, डॉ अवध विहारी महतो, डॉ विनीता एक्का, डॉ कंजीव लोचन, डॉ शाहीन परवीन, डॉ सुमंती तिर्की, डॉ शाहीन रजिया, डॉ अंजू पुष्पा बा, डॉ शिवनंदन राम, डॉ संतोष रजवार, डॉ राहुल कुमार, डॉ अनुजा विवेक, डॉ विवेक कुमार, डॉ नीलू कुमारी, डॉ जितेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

दो लाख तक के कृषि लोन होंगे माफ

मंत्रिपरिषद से कृषि विभाग की तीन योजनाएं स्वीकृत

किसानों की समृद्धि के लिए सरकार कर रही काम : दीपिका पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए कृषि विभाग विभिन्न स्तर पर काम कर रहा है। 7 अगस्त को मंत्रिमंडल परिषद की बैठक में कृषि विभाग के किसान हित से जुड़े तीन प्रस्तावों के पारित होने के बाद कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ये बातें कहीं। कहा कि राज्य के किसानों को राहत देने के लिए जहां ऋण माफी योजना की राशि को 50 हजार से बढ़कर 2 लाख रुपये तक किया गया है। वहीं फसल सुरक्षा योजना में 30 करोड़ और बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 50 लाख की राशि का बजट में प्रावधान किया गया है और 750 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 से राज्य में पुनः कार्यान्वित किया जायेगा। इस योजना का लाभ राज्य के किसानों को आकस्मिक परिस्थिति में फसल के बर्बाद होने पर वित्तीय सहायता के रूप में दिया जायेगा। इस योजना के कार्यान्वयन के लिए 50 करोड़ का बजटीय उपबंध प्राप्त है, जिसे अनुपूरक बजट में 250 करोड़ का अतिरिक्त उपबंद प्रस्तावित है।

कैबिनेट की बैठक में कृषि विभाग के पारित प्रस्ताव

झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना राज्य सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी किसान कल्याणकारी योजना है, जिसका संचालन वित्तीय वर्ष 2020-21 से वित्तीय वर्ष 2023-24 तक किया गया है। अब तक राज्य के कुल 4,73,567 कृषकों का 1900.35 करोड़ का कर्ज माफ किया गया है। इस योजना का लाभ राज्य के उन रैयत, गैर रैयत को दिया जाता है, जिन्होंने अल्पावधि फसल ऋण के माध्यम से राज्य स्थित किसी भी बैंक से लिया हो। दिनांक 31 मार्च 2020 तक के मानक फसल ऋण बकाया खातों में 50 हजार तक की बकाया राशि इस योजना के तहत माफ की जाती रही है। कृषकों के ओर से इस राशि को बढाकर दो लाख तक करने की मांग निरंतर आती रही है।

फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना

राज्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कृषि क्षेत्र में फसल उत्पादन एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादकता को बढ़ाने के लिए फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना के कार्यान्वयन के लिए 30 करोड़ की राशि की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस योजना का उद्देश्य राज्य में कार्यरत पौधा संरक्षण केंद्र को मानवबल, पौधा संरक्षण रसायनों तथा उपकरणों आदि से सुसज्जित करते हुए मजबूत करते हुए फसलों में कीटों-बीमारियों के बारे में कृषक समुदाय में जागरूकता लाना है।

सरयू राय से मिले जदयू के प्रदेश महासचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जदयू के प्रदेश महासचिव संतोष सोनी और मधुकर सिंह ने गुरुवार को विधायक सरयू राय से मुलाकात की और उन्हें शुभकामना दी। इस दौरान राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद संतोष सोनी ने कहा कि पार्टी में विधायक सरयू राय के शामिल होने के बाद औपचारिक मुलाकात थी। सरयू राय के पार्टी में आने से विधानसभा चुनाव में फायदा होगा।

महत्वपूर्ण खबरें

पत्रकार नितिन कुमार चौधरी को माही संस्था के माध्यम से दी गयी मदद राशि

रांची (आजाद सिपाही)। कैंसर से पीड़ित दैनिक भास्कर के पत्रकार नितिन कुमार चौधरी को मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव के संयोजक इबरार अहमद के द्वारा दस हजार राशि की सहायतार्थ राशि चेक के द्वारा दिया गया। यह दस हजार राशि का चेक इबरार अहमद ने द रांची प्रेस क्लब के सचिव अमरकांत को प्रेस क्लब के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य पत्रकार परवेज कुरैशी के माध्यम से सौंपा गया। इबरार अहमद ने बताया कि दैनिक भास्कर के पत्रकार या फिर किसी भी अखबार के पत्रकार या फोटो जर्नलिस्ट काम कर रहे हैं और किसी बीमारी से पीड़ित हैं और उन्हें मदद की जरूरत है, तो हम लोगों को एक साथ मिलकर इंसानियत के लिए सोचना चाहिए और आगे बढ़कर ऐसे जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। पत्रकार परवेज कुरैशी के माध्यम से जैसे ही जानकारी प्राप्त हुई तत्पश्चात माही के द्वारा दस हजार की राशि सहायतार्थ दिया गया। इस गंभीर बीमारी में बहुत ही ज्यादा खर्च आता है, ऐसे में किसी एक व्यक्ति या संस्था को वहन करना संभव नहीं है, इसलिए अन्य संस्थाओं व व्यक्ति को भी आगे आकर सहयोग करनी चाहिए, ताकि पीड़ित पत्रकार स्वास्थ्यलाभ प्राप्त कर पुनः हमसब के बीच अपने जर्नलिज्म के कौशल से आम जन के मुद्दे को प्रखरता से लोगों के समक्ष प्रस्तुत कर सके।

इंडियन बैंक ने किया रोड शो का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इंडियन बैंक के 118 वां स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल कार्यालय, राँची द्वारा दिनांक 08.08.2024 को रोड शो का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य इंडियन बैंक के विभिन्न उत्पाद से सभी को अवगत कराना है। इसके लिए बैनर, पोस्टर एवं लीफलेट द्वारा इंडियन बैंक के विभिन्न ऋण, जमा एवं डिजिटल उत्पाद - इंड स्मार्ट, इंटरनेट बैंकिंग, क्यू आर कोड इत्यादि का प्रचार किया गया । इस रोड में अंचल प्रबंधक, राम स्वरूप सरकार ; उप अंचल प्रबंधक विजेंद्र सिंह मलिक; सहायक महाप्रबंधक प्रभाकर कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक दिलीप कुमार सरकार की उपस्थिती में राँची अंचल एवं राँची के शाखाओं के मुख्य प्रबंधकगण एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

जमीन फर्जीवाड़ा की जांच के लिए डीजीपी ने एसआइटी टीम गठित की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जिला में खासकर शहरी क्षेत्र में जमीन माफियाओं के द्वारा जमीन के कागजात का फर्जीवाड़ा कर और बलपूर्वक गलत तरीके से जमीन हड़पने की सूचना लगातार आ रही है। ऐसे मामले की जांच करने को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सात सदस्यीय एसआइटी टीम का गठन किया है। इनमें सीआइडी के आइजी सुदर्शन प्रसाद मंडल को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पटेल मयूर कन्हैयालाल, कार्तिक एस, संध्या रानी मेहता ऋषभ कुमार झा, अनुरंजन किस्पोट्टा और एएसपी दीपक कुमार को एसआइटी का सदस्य बनाया गया है।

डीजीपी के द्वारा गुरुवार को जारी आदेश में कहा गया है कि एसआइटी के द्वारा रांची जिला में अब तक दर्ज सभी महत्वपूर्ण आपराधिक मुकदमे की गहन समीक्षा की जायेगी। इनमें ऐसे कांड भी शामिल रहेंगे, जिनमें फाइनल रिपोर्ट समर्पित किया गया है और वैसे कांड को भी शामिल किया जायेगा, जिसमें अनुसंधान लंबित है। सभी कांडों की समीक्षा करने का मुख्य उद्देश्य यह होगा।

फिर से इंडिया गठबंधन की सरकार झारखंड प्रदेश में बनायेंगे : खड़गे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस पार्टी झारखंड प्रदेश में होने वाले चुनाव की तैयारी के लिये कमर कस ली है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन की मजबूती पर चर्चा की। नयी दिल्ली स्थित खड़गे के आवास पर हुई इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ मुलाकात में हमने प्रण लिया कि झारखंड के आगामी चुनाव में जनता के पास सुदृढ़ता से जाकर, संगठन को मजबूत करके हम पुनः इंडिया गठबंधन की सरकार झारखंड प्रदेश में बनाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता के जल, जंगल, जमीन, और हमारी जनजातीय सभ्यता का संरक्षण हमारा संकल्प है।

सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस प्रदेश में यात्रा भी निकाल सकती है। झारखंड में वर्तमान समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और वाम दलों के गठबंधन की सरकार है।

मैनहर्ट कंपनी ने सरयू राय के खिलाफ 100 करोड़ की मानहानि का दावा किया

रांची (आजाद सिपाही)। मैनहर्ट कंपनी ने पूर्व मंत्री और जमशेदपुर के विधायक सरयू राय के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में मानहानि का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है। मैनहर्ट ने अपनी याचिका में कहा है कि सरयू राय की वजह से कंपनी विवादित हो रही हैं। इसके कारण कंपनी को काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। सरयू राय बिना किसी ठोस आधार के मेसर्स मैनहर्ट सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को विवादित बनाते हुए बार-बार मुद्दा उठाते रहे हैं। इससे कंपनी की छवि खराब हो रही है। कंपनी ने सरयू राय के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का दावा करते हुए सिविल कोर्ट रांची में मुकदमा दर्ज कराया है।

आजाद समाज पार्टी का दामन थामा

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के करमटोली स्थित प्रेस क्लब में गुरुवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) में आप के कई प्रदेश और जिला के नेता ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद के कुशल नेतृत्व को देखते हुए आज देश और प्रदेश में बड़े स्तर पर लोग पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। जब से राष्ट्रीय अध्यक्ष नगीना लोकसभा से जीत कर लोकसभा पहुंचे हैं, वहां शोषित वंचित समाज की आवाज बन रहे हैं। इसलिए युवा, महिलाएं बड़ी तेजी से इनके विचारों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हो रहे हैं। झारखंड में भी पार्टी का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है। क्योंकि आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ता और नेतागण आदिवासी, दलित, पिछड़े, मुसलमानो, ईसाई, किसान, और मजदूर के लिए आवाज उठा रहे हैं। इन्हें हक और अधिकार दिलाने का काम कर रहे हैं।

लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नाम से जानी जायेगी जयराम की पार्टी, मिली मान्यता

रांची (आजाद सिपाही)। जयराम महतो की पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है। इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नाम से जानी जायेगी। पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर भी जारी किया गया है। पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं। आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।

टीवीएनएल के लेखा निदेशक सौरभ झा कार्यमुक्त

रांची (आजाद सिपाही)। वित्तीय अनियमितता के आरोप में टीवीएनएल के लेखा निदेशक सौरभ झा को हटा दिया गया है। निगम मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि गठित जांच समिति से मिली रिपोर्ट के आधार पर सौरभ झा को तत्काल प्रभाव से लेखा निदेशक रांची के पद से कार्यमुक्त किया जाता है। सौरभ झा को अगले आदेश तक पदस्थापन की प्रतिक्षा में रखते हुए टीटीपीएस ललपनिया में स्थानांतरित किया गया है। सौरभ झा पदस्थापन की प्रतीक्षा अवधि में विद्युत अधीक्षण अभियंता, मानव संसाधन विभाग, टीटीपीएसए ललपनिया में 9 अगस्त तक रिपोर्ट करेंगे। अन्यथा स्वतः विरमित समझे जायेंगे।

Government of Jharkhand
Department of Forest, Environment and Climate Change

Advertisement

Sub :- Appointment for the post of Member Secretary, Jharkhand State Pollution Control Board (JSPCB), Ranchi.

Applications are invited from eligible candidates for appointment to the post of Member secretary, Jharkhand State Pollution Control Board (JSPCB), Ranchi.

2. The Jharkhand State Pollution Control Board (JSPCB), Ranchi was established under provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974. The Jharkhand State Pollution Control Board (JSPCB), Ranchi exercises functions related to prevention and control of pollution. The Member secretary shall be a full-time incumbent.
3. The following are the terms and conditions for the post of Member secretary, Jharkhand State Pollution Control Board (JSPCB), Ranchi:-

1	Scale of Pay	According to the Seventh Pay Commission Pay Scale Level-13A in the pay matrix.
2	Method of Recruitment	Deputation/on contract/direct recruitment.
3	Terms & Conditions	(A) Allowance of the Member Secretary of the Board, time of joining, salary, provident fund/ National Pension Scheme/Employee Provident Fund, gratuity, retirement age, medical facility and other services shall be regulated with the applicable rules and orders as the holding the post of equal pay scale of the officer of State Government/Central Government. (B) Appointment to the post of Jharkhand State Pollution Control Board Member Secretary will be called External Services and the provisions of State Government/Central Government for external service will be applicable.
4	Qualification & Experience	**Educational qualification and experience-** Persons from Central Government/State Governments/Public Sector Undertakings/ Universities/Recognized Research Institutes/Autonomous or Semi-Governmental or Statutory or Private Institutions having the qualification mentioned below can apply. **(A) Qualification: -** (i) Bachelor's Degree in Engineering/Technology discipline relating to Environment or Master's Degree in Science preferably relating to Environment from a recognized University or Institute. (ii) Competent, qualified, desirable knowledge in the field of environmental protection and pollution control management and at least 10 years of practical experience. **(B) Work Experience: -** (i) Regularly holding the analogous post in the seventh pay scale Level-13A in the pay matrix or 6th pay scale PB-IV-37400-67000, Grade pay-8900 or equivalent **Or** Five years regular service or equivalent in the seventh pay scale Level-13 in the pay matrix or 6th pay scale PB-IV-37400-67000, Grade pay-8700. (ii) Sixteen years of experience at the administrative or managerial level at Central Government/State Governments/ Public Sector Undertakings/ Universities/ Recognized Research Institutes/ Autonomous or Semi-Governmental or Statutory or Private Institutions with at least 10 years of practical experience in the field of Environmental Protection and Pollution Control Management.
5	Age limit	Maximum age limit will be 55 and minimum 45 years on the date of receipt of application in case of direct appointment.
6	Tenure	Single term of 3 years

Interested and eligible candidates other than person who have retired are requested to send their application in the prescribed format in 3 sets within 45 days from the Publication of this Advertisement through the Proper Channel at the Address given below.

Retired Persons/Persons working in Private organization are requested to send their application in the prescribed format in 3 sets within 45 days from the Publication of this Advertisement directly at the Address given below.

Note: Officers working in the Central or State Government or Public Sector Undertaking or University or Recognized Research Institution or Autonomous or Semi Government or Statutory Organization shall send their application through proper channel along with following documents :-

(i) Annual Confidential Report dossier for last five years.
(ii) Integrity Certificate / Vigilance Clearance is to be signed by an officer not below the rank/scale of Deputy Secretary in Government or controlling officer of the office concerned.

Note- Application performa can be seen at departmental notice board and downloaded from **www.prdjharkhand.in and http://forest.jharkhand.gov.in and website of JSPCB.**

To,
SPECIAL SECRETARY,
FOREST, ENVIRONMENT & CLIMATE CHANGE DEPARTMENT,
GOVERNMENT OF JHARKHAND, NEPAL HOUSE, DORANDA, RANCHI.
PIN CODE-834002 (JHARKHAND)

Sd/-
(Raju Ranjan Roy), Special Secretary,
Forest, Environment & Climate Change, Department,
Government of Jharkhand.

PR 332256 Forest, Environment and Climate Changes(24-25)#D

निर्मल महतो की शहादत झारखंडियों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है : सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू के सुप्रीमो सुदेश महतो ने जेल चौक स्थित निर्मल महतो को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो की शहादत हम झारखंडियों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। निर्मल दा का सपना और उनके आदर्श को जीवन में उतारने की जरुरत है। आज झारखंड के लोगों को उनके सपने को साकार करने की जरुरत है। हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि उनके आदर्श को अपने जीवन में उतारकर दे सकते हैं। इस अवसर पर सुदेश महतो ने निर्मल की हत्या पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संभवता यह राजनीतिक हत्या हो सकती है, क्योंकि हत्यारा अब तक पकड़ा नहीं जा सका है। इसलिए सरकार को उचित जांच करानी चाहिए। आजसू नेता देवशरण भगत ने कहा कि निर्मल दा की शहादत हमें ऊर्जा प्रदान करती है। उनके आदर्श आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। आदिवासी मूलवासी जन अधिकार मंच के अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो को झारखंड सरकार की ओर सम्मानित किया जाना चाहिए। इसके लिए विधानसभा में आदमकद मूर्ति और स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शाहिद निर्मल महतो की वीरता गाथा पढ़ाई जानी चाहिए। इसके अलावा अन्य नेताओं ने भी निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

अशोक मिश्रा भाजपा सुखदेव नगर मंडल के अध्यक्ष बने

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर के द्वार अशोक कुमार मिश्रा को सुखदेव नगर मंडल दक्षिणी छोर क नवनियुक्त अध्यक्ष बनाया गया है इस नियुक्ति पर अशोक कुमार मिश्रा ने भाजपा परिवार के प्रति आभार जाता है। विदित होकर अशोक कुमार मिश्रा इससे पूर्व भी रांची महानगर सुखदेव नगर मंडल के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। अशोक कुमार मिश्रा ने अपनी पुनः नियुक्ति पर भाजपा परिवार के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि समाज की सेवा के साथ-साथ युवाओं की मुखर आवाज बनकर वे सदेव कार्य करते रहेंगे।

शहीद निर्मल महतो को उनके शहादत दिवस पर जगह-जगह दी गयी श्रद्धांजलि

पूर्व मंत्री राजा पीटर ने शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। पूर्व मंत्री राजा पीटर ने आज झारखंड के प्रखर आंदोलनकारी शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर भुइयांडीह में उनके आदमकद प्रतिमा पर अपने समर्थकों के साथ माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की ।

राजा पीटर ने कहा कि शहीद निर्मल महतो झारखंड आंदोलन के महानायक थे, जिन्होंने राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनके आदर्शों पर चलकर ही हम झारखंड को समृद्ध और सशक्त बना सकते हैं। इस अवसर पर बिरसा विकास समिति विधानसभा प्रभारी रोशन महतो, प्रवक्ता नीतीश पांडे, उपेन महतो, संतोष जायसवाल, तरनी सेन महतो, राणा पाल, राजा कर्मकार, दीपक, पुरेंद्र, मिलन चटर्जी, तपन गांगुली, सत्यनारायण मुंडा, मनोज आदि लोग थे।

शहादत दिवस पर झामुमो ने दी श्रद्धांजलि

खलारी (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा खलारी प्रखंड कमेटी के द्वारा शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया। श्रद्धांजलि देने वालों में झामुमो खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान, झामुमो के महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष रितम कुमारी, उपाध्यक्ष शिवानी देवी, झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के एरिया सचिव रंथु उरांव, झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष सुभाष प्रजापति, संयुक्त सचिव चितरंजन सिंह, संयुक्त सचिव राजकुमार गंझू, युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष वीरू सिंह, कोषाध्यक्ष छोटू राम, विश्रामपुर पंचायत अध्यक्ष हैदर अली खान, झामुमो प्रखंड संगठन सचिव सुनील, अजित, हरिप्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

झारखंड आंदोलन में निर्मल महतो के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता : जुबैर अहमद

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद की अध्यक्षता में गुरुवार को खूंटी डाक बंगला में झारखंड के वीर अमर शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। जिलाध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष मंगन मंजीत तिडू, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय संगा, खूंटी प्रखंड अध्यक्ष शंकर सिंह मुण्डा, सचिव महेंद्र सिंह मुंडा, सूर्य मुंडा, सोमा तिडू, अमित पूर्ति, एजाजुल फ.मुन्नू, अरविंद, संदीप, मो शमीम, चार्ल्स, विष्णु, उदय, निकील नरसिंह, ईमेल, संदीप आदि उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो की विचारधारा पर हम सभी को चलने की जरूरत: आजसू

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो ने बताया कि शहीद निर्मल महतो आजसू के संस्थापक थे। उनके विचार धारा पर हम सभी को चलने की जरूरत है, साथ ही उनके सपने का झारखंड बनाने का जरुरत है। मौके पर उमाकांत महतो, योगेंद्र नाथ, जगदीश लायेक, तुलसी महतो, उपेन चंद्र, दिलीप चंद्र, भगत सिंह, विजय आदि उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो के सपने का झारखंड बनाना हम सभी की जिम्मेदारी: खगेन

ईचागढ़। विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी खगेन महतो ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड के सांस्कृतिक धरोहर और अस्मिता के रक्षक वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस के उपलक्ष्य पर झिमड़ी और नीमडीह चौक में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। मौके पर समाजसेवी खगेन महतो ने कहा कि वीर शहीद निर्मल महतो के विचार धारा और उनके सपने की झारखंड बनाने की जिम्मेवारी हम सभी की है। मौके पर निखिल महतो, खीतिश कुमार, संतोष, श्रावण मंडल, संजय मंडल, छोटू, देवाशीष, रविंदर, राजेश, बुद्धेश्वर आदि लोग मौजूद थे।

आइपीएस स्कूल बुंडू में ग्रीन डे का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। आइपीएस स्कूल बुंडू में ग्रीन डे का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापिका तथा शिक्षक शिक्षिका ने बच्चों के साथ विद्यालय में पौधरोपण किया। स्कूल के संचालक दीपक मिश्रा ने पौधा लगाकर बच्चों को पौधरोपण का महत्व बताया। स्कूल के हर एक बच्चे ने एक-एक पौधा लगाया और स्वयं द्वारा लगाये गये पौधों की देखरेख की शपथ ली। इस कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल पद्मा मिश्रा संचालक दीपक मिश्रा तथा शिक्षक तारक दास, ऋषिकेश, राहुल, सूरज तथा शिक्षिका बरखा संगीता रेणुका कुमकुम श्वेता तथा स्कूल के सभी स्टाफ सम्मिलित थे।

JHARKHAND URJA VIKAS NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001603)
(Civil Engineering Department)
Regd. Office: Engineering Building, H.E.C, Dhurwa, Ranchi -834004 Telephone No. 0651- 2400912

Cancellation Notice

Due to unavoidable circumstances, tender invited vide NIT No. 05/PR/JUVNL/24-25 is hereby cancelled.

Sd/-
PR No. 329330 General Manager (Civil)

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR.NO.332308 Jharkhand Urja Vikas Nigam Ltd(24-25):D

जेबीकेएसएस ने शहीद निर्मल महतो को उनके शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

खलारी (आजाद सिपाही)। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के द्वारा गुरूवार को शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर खलारी प्रखंड के पुरानी राय में शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जेबीकेएसएस के रांची जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार महतो, रांची जिला अध्यक्ष एसटी मोर्चा मुन्ना गंझू, रांची जिला महिला मोर्चा सचिव किरण देवी, रांची जिला सचिन राजेंद्र महतो, रांची जिला युवा मोर्चा संगठन महामंत्री रविंदर कुमार, रांची जिला कार्यकारिणी सदस्य शंकर प्रसाद, राय पंचायत अध्यक्ष लखन, रांची जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष कृष्ण सहित अन्य उपस्थित थे।

कार की चपेट में आकर पलटन महतो की मौत

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ थाना क्षेत्र के रांची-टाटा पथ पर मरधान मोड़ के पास गुरुवार की सुबह कार की चपेट में आकर पलटन महतो 60 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गये। आनन-फानन में उसे उठाकर तमाड़ अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मृत्यु हो गयी। वह अपने बेटी के घर डोमबोडीह से आज सुबह आ रहा था वह कोकाडीह गांव का रहने वाला था तमाड़ पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू के ताऊ मोड़ स्थित शहीद निर्मल महतो के आदमकद प्रतिमा स्थल और बुंडू प्रखंड के सुमानडीह गांव स्थित शहीद निर्मल महतो चौक पर 37वां शहादत दिवस मनाया गया। आजसु पार्टी के नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि निर्मल के शहादत के बाद ही झारखंड अलग राज्य का सपना साकार हुआ, लेकिन उनके सपनों का झारखंड अभी नहीं बन पाया है। मौके पर सिंगराय टुटी परमेश्वरी सांण्डिल राम दुर्लभ मुंडा, गुंजल ईकीर मुंडा, राजकिशोर कुशवाहा, भयभंजन महतो, हरिहर महतो, संतोष महतो, कालीपद महतो, देवनाथ महतो, सुबोध मांझी, पाखु आदि मौजूद थे।

ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी सिमडेगा मुख्य पथ पर मुरहू थानांतर्गत बिचना स्थित अतिथि ढाबा के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान बिचना मांझी टोली निवासी राजकुमार मांझी (23 वर्ष) और छोटू मांझी (17 वर्ष) के रूप में हुई है।

ट्रैक्टर पलटा, चालक की दब कर मौत

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला के सायको थानांतर्गत कुदा गांव में बुधवार शाम खेत जोतने के दौरान एक ट्रैक्टर पलट गया और उसमें दबने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुदा गांव निवासी सतरी मुंडा (30 वर्ष) के रूप में हुई है।

पिपरवार जीएम ने स्कूली बच्चों को किया सम्मानित

पिपरवार (आजाद सिपाही)। डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में गुरूवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबधंक संजीव कुमार मौजूद थे। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्या डॉ. आर चौधरी ने फुलों का गुलदस्ता देकर जीएम संजीव कुमार का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक संजीव कुमार ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद हमारे जीवन के लिए काफी जरूरी है। बच्चे पढ़ाई के अलावा खेल के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन करें। खेल को बढ़ावा देने के लिए सीसीएल प्रबंधन प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हर बच्चों की अपनी उड़ान होती है। कठिन परिश्रम और लगातार अभ्यास से बच्चे अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल होते हैं। इस मौके पर स्कुल की प्राचार्य डॉ. रिंशु चौधरी, वरिष्ठ शिक्षक आरबी प्रसाद सहित स्कूल के सभी शिक्षक और बच्चे मौजूद थे।

आज आदिवासी शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा है : विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। पांच परगना किसान महाविद्यालय बुंडू में विश्व आदिवासी दिवस के पूर्व संध्या पर आदिवासी दिवस मनाया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि वर्तमान समय में आदिवासी दिवस मनाने के पीछे आदिवासियों का पर्यावरण प्रेम है। आदिवासी ही हैं, जो जल-जंगल-जमीन बचाने का उलगुलान करते रहा है। पर्यावरण बचाने की प्रवृति आदिवासी के संस्कार में ही है। उन्होंने आगे कहा, आज आदिवासी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा है, आदिवासी को शिक्षा से जोड़ कर इनका उत्थान करना आवश्यक हो गया है। पांच परगना किसान कॉलेज बुंडू के प्राचार्य मुकुल कुमार ने विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर सभी को शुभकामनाएं दीं। आदिवासी समाज के लोगों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया। झारखंड अधिविध परिषद के सदस्य डॉ राधारमण साहू ने कहा कि आदिवासीयों के विचारों और प्रथाओं को भी जीवित रखने की आवश्यकता है। मौके पर भूतनाथ प्रमाणिक, हंस कुमार, लखविंदर मुंडा प्रो सुबोध चंद्र शुक्ला आदि ने विचार रखें। इस दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो विनीता कुमारी, प्रो धन सिंह महतो, प्रो विजयलक्ष्मी, प्रो दीपनारायण जायसवाल, प्रो अशोक शर्मा, प्रो बीके तिवारी, प्रो सुरेंद्र राम, प्रो तारकेश्वर कुमार, प्रो छोटू राम, प्रो सुरेश गुप्ता, प्रो महावीर मुंडा, प्रो संगीता जयसवाल, प्रो वासुदेव महतो, प्रो कृष्णा मुंडा आदि मौजूद थे।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 1262 Dated 10.06.2024 I, ROHIT KUMAR S/o Virendra Mahto, aged about-23 Years, by faith-Hindu, by Occupation-Student, by Nationality-Indian, R/o-Kaitha, PO-Kaitha, P.S- Ramgarh, Dist-Ramgarh (Jharkhand), do hereby solemnly affirm and declare as follows:- 1. That my actual & correct name is ROHIT KUMAR which has been mentioned in my Aadhar Card bearing Aadhar No. 8409 3750 8207 and PAN Card bearing PAN Card No. OUHPK1834B. 2. That due to mistake my name has been mentioned as ROHIT KUMAR MAHTO in my Bank Passbook, Bank of India, Ramgarh Cantt Branch bearing Account No. 481910110002906. 3 That ROHIT KUMAR and ROHIT KUMAR MAHTO both name are same & single person i.e myself. 4. That I want to rectify my actual and correct name ROHIT KUMAR in Place of ROHIT KUMAR MAHTO in my Bank Passbook, Bank of India, Ramgarh Cantt Branch bearing Account No. 481910110002906. 5. That above statement made by me are genuine & correct.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, रॉची,
दीन दयाल नगर, बूटी रोड, रॉची–834008

अतिअल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
(3rd Call)
[Previous PR 330585 Road(24-25):D]

ई–निविदा पत्रांक सं0–NH/RANCHI/04 दिनांक : 08.08.2024

1.	कार्य का नाम	Emergent reconstruction of culvert over canal at km 56+700 and emergent repair of culverts over canal at km 49+600, km 53+400 and km 54+600 of NH-143AG under N.H. Division Ranchi in the State of Jharkhand
2.	प्राक्कलित राशि	रूपये 59,21,166/- (उनसठ लाख इक्कीस हजार एक सौ छियासठ रूपये मात्र)
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	45 दिन
4.	निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	22.08.2024 समय 05.00 अपराह्न तक
5	निविदा प्रकाशन की तिथि	16.08.2024 समय 11:00 पूर्वाह्न
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, बूटी रोड, रॉची–834008
7.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल/ प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का दूरभाष संख्या	0651-2402014

* परिमाण विपत्र के मूल्य का भुगतान NTRP Portal- https://bharatkosh.gov.in/MinistryInfo.aspx पर Online होना है। Online भुगतान के पश्चात् चालान की प्रति जमा करना अनिवार्य है।
* निर्धारित निविदा तिथि को सरकार द्वारा अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा आमंत्रण की तिथि अगले कार्य दिवस को होगी।
* प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। बिना कारण बताये निविदा को स्थगित या रदद करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
* अन्य जानकारी MORT&H के ई–टेंडर पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, रॉची।

PR.NO.332269 Road(24-25):D

विस्थापित रैयत और प्रबधंन के बीच वार्ता विफल 10 अगस्त से राजधर साइडिंग बंद करने का निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार एरिया के बहेरा गांव के विस्थापित रैयत जाहिद अली और अन्य रैयतो द्वारा पिपरवार एरिया प्रबंधन को सौंपे गये मांग पत्र को लेकर गुरुवार को पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय में रैयत और प्रबंधन के बीच वार्ता हुई। वार्ता में मुख्य रूप से पिपरवार के राजधर रेलवे साईडिंग से विस्थापित होने पर पेड़-पौधा का मुआवजा देने एंव प्लॉट की समस्या का समाधान करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। वार्ता में रैयत जाहिद अली ने बताया कि यह मामला 20 साल पहले का है। राजधर रेलवे साइडिंग निर्माण के दौरान उनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन प्लांट की समस्या का हवाला देते हुए प्रबंधन के द्वारा अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता कार्यालय का चक्कर लगाकर थक गये और उनका निधन होने के बाद से अब वह कार्यालय का चक्कर लगा रहे है। इसके बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय प्रबंधन से लेकर मुख्यालय स्तर तक उनके द्वारा कई बार आवेदन भी दिया जा चुका है, लेकिन अभी तक इस पर कोई पहल नहीं की गयी है। इस वार्ता में काफी विचार विमर्श के बाद भी किसी भी प्रकार का हल नहीं निकलने के कारण वार्ता विफल हो गया। इसके बाद रैयतो ने 10 अगस्त से राजधर रेलवे साइडिंग को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा कर दी है।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(विकास शाखा)
E-Mail – ddcgumla2014@gmail.com, Phone No. 06524-222209 Fax No. 06524-222209

–: अति अल्पकालीन निविदा :–

गुमला जिला में अतिविशिष्ट अतिथियों के भम्रण एवं अन्य कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार के जर्मन हैंगर/टेंट/शामियाना/लाईट/साउण्ड एवं अन्य संबंधित सामग्री की आपूर्ति के दर निर्धारण के लिए निबंधित एवं इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता/फर्मों से दिनांक 16.08.2024 के अपराह्न 12.30 बजे तक अति अल्पकालीन मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता दिनांक 16.08.2024 के पूर्वाह्न अपराह्न 12.30 बजे तक जिला विकास शाखा, गुमला (विकास भवन) के कार्यालय में निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट अथवा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मुहरबन्द निविदा दे सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त निविदाऐं स्वीकार नहीं की जायेंगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 16.08.2024 को अपराह्न 03.00 बजे विकास भवन, गुमला के सभागार में जिला क्रय समिति द्वारा निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोला जाएगा।

निविदा से संबंधित विस्तृत विवरणी जिले के वेबसाईट (www.gumla.nic.in) पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त, गुमला — उपायुक्त, गुमला

PR 332276 Rural Development(24-25)#D

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची।
अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० –03/2024–25

Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय :– 16.08.2024 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 17.08.2024 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 17.08.2024 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थान:– :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8. कार्यो की विवरणी :–

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राषि	अग्रधन की राषि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Re Construction of Boundary Wall at VISWA Hostel Kanke Ranchi.	2,29,121.00	5000.00	500.00	7 Days

नियम एवं शर्ते सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।

PR 332243 Drinking Water and Sanitation(24-25)D

नहीं रहे खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद सांसद सहित कई लोगों ने जतायी संवेदना

आजाद सिपाह संवाददाता

खूंटी। खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार और खूंटी प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यख राजेंद्र प्रसाद का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया।75 वर्षीय पत्रकार राजेंद्र प्रसाद कई दिनों से बीमार थे। राजेंद्र प्रसाद, गायत्री परिवार के अनन्य शिष्य, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के कई बार अध्यक्ष और पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के संरक्षक थे। पत्रकार के निधन पर सांसद कालीचरण मुंडा, खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा के विधायक कोचे मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद,, खंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत, कांगेस के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, भाजपा नेता संतोष जयसवाल,कांग्रेस नेता रविकांत मिश्रा, पीटर मुंडू, केंद्रीय रामनवमी समिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप, खूंटी की उप प्रमुख शांति देवी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप मिश्रा, तपन घोष, मार्शल बारला, कांग्रेस कें पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृष्णा चौधरी, कांग्रेस नेंता सयूम अंसारी, विलसन टोपनो, पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सहित कई लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है। पत्रकार के निधन पर खूंटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत प्रसाद, पत्रकार अनिल मिश्रा, चद्रशेखर चौधरी, कुमार सौरभ, अजय शर्मा, चंदन कुमार, राहुल मिश्रा, प्रेम तिवारी, ज्योत्सना डांग, सोन अंसारी, प्रिंस, अशोक शर्मा, सतीश शर्मा, अजीत जयसवाल, मधुसूदन जयसवाल, सुनील सोनी, नवीन कुमार, बंटी, मो शाहिद, राज गुप्ता, कृष्णा सिंह, भूषण कांशी सहित कई पत्रकारों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

बेमिसाल विनेश

विमिन रेसलर विनेश फोगाट ने जिस तरह से पैरिस ओलिंपिक के 12वें दिन फाइनल में जगह बना कर इतिहास रचा और फिर डिस्क्वॉलिफाई कर दी गयीं, वह किसी सदमे से कम नहीं। पूरा देश जैसे उनकी उपलब्धि पर झूम उठा था, वैसे ही उन्हें अयोग्य घोषित किये जाने पर शोक और गुस्से से भर गया। हालांकि इस तरह का घटनाक्रम किसी भी स्पोर्ट्सपर्सन के लिए दुखद होता, लेकिन विनेश फोगाट जिस तरह का जज्बा दिखाते हुए यहां तक पहुंची थीं, उसमें देश ही नहीं दुनिया भर के खेल प्रेमियों की भावनाओं का उनके साथ जुड़ जाना बिल्कुल स्वाभाविक था। खास कर इसलिए कि मात्र 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि से वंचित किया जाना किसी के लिए भी आसानी से हजम होना मुश्किल है। इससे पहले विनेश ने साथी पहलवानों के साथ कुश्ती के क्षेत्र में चल रही कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज बुलंद कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ यौन शोषण जैसा गंभीर आरोप लगाने का मतलब था करियर दांव पर लगाना। हालांकि उस मामले में कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं और अदालत के फैसले का इंतजार है। लेकिन इन सबके बावजूद ओलिंपिक में अयोग्य करार दिये जाने से पहले का विनेश का प्रदर्शन दिखाता है कि उनमें कितनी हिम्मत है।

कुश्ती महासंघ के मौजूदा अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा भी है कि सपोर्ट स्टाफ द्वारा अपना काम ठीक से न करने संबंधी शिकायतों की जांच की जायेगी। तात्कालिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए इन सवालों के सही जवाब नहीं मिल सकते।

यह भी तय है कि कुश्ती महासंघ के खिलाफ आवाज उठा कर उन्होंने इसके तत्कालीन कर्ताधर्ताओं की नाराजगी मोल ली थी। इससे यह भी समझा जा सकता है कि खेल ढांचे का एक हिस्सा विनेश के साथ सहज नहीं महसूस कर रहा होगा और उन्हें पैरिस ओलिंपिक की अपनी पूरी यात्रा प्रतिकूल माहौल में तय करनी पड़ी होगी। यह संघर्ष का उनका जज्बा ही था, जिसमें उन्होंने 50 किलोग्राम कैटिगरी की वर्ल्ड और ओलिंपिक चैंपियन युई सुसाकी तक को पराजित कर दिया, जो 82 मैचों से अजेय थीं। यह बात कई कोनों से उठ रही है कि 100 ग्राम ज्यादा वजन निकलना खुद रेसलर की नहीं, बल्कि सपोर्ट स्टाफ की कमी का नतीजा कहा जायेगा। कुश्ती महासंघ के मौजूदा अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा भी है कि सपोर्ट स्टाफ द्वारा अपना काम ठीक से न करने संबंधी शिकायतों की जांच की जायेगी। तात्कालिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए इन सवालों के सही जवाब नहीं मिल सकते। जो कुछ हुआ है, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि खेल ढांचों से लेकर राजनीतिक संस्कृति तक तमाम पहलुओं की गहराई से पड़ताल की मांग करता है। जहां तक विनेश की बात है, तो तकनीकी आधार पर मेडल चाहे जिसके भी नाम कर दिया गया हो, दुनिया भर के खेल प्रेमियों के दिलों में उनकी उपलब्धि हमेशा के लिए दर्ज हो चुकी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

जनजातियों की सांस्कृतिक परंपरा और समाज-संस्कृति पर विचार की एक दिशा यहां से भी विचारणीय मानी जा सकती है। मानव विज्ञानियों और समाजशास्त्र के अद्येताओं ने विभिन्न जनजातीय समुदायों का सर्वेक्षणमूलक व्यापक अध्ययन प्रस्तुत किया है और उसके आधार पर विभिन्न जनजातियों के विषय में सूचनाओं के विषद कोष हमें सुलभ हैं। पुनः इस अकूत शोध- सामग्री के आधार पर विभिन्न जनजातीय समूहों और समाजों के बारे में निष्कर्षमूलक समानताओं का निर्देश भी किया जा सकता है।

अनूठी है आदिवासियों की जीवन शैली और परंपरा

अर्जुन उरांव

आदिवासी समाज और संस्कृति के प्रति हमारे तथाकथित सुसंस्कृत समाज का रवैया क्या है? वो चाहे सैलानी, पत्रकार, लेखक हों या समाजशास्त्री, आम तौर पर सबकी एक ही मिलीजुली कोशिश इस बात को खोज निकलने की रही है कि आदिवासियों में अदभुत और विलक्षण क्या है? उनके जीवन और व्यवहार में आश्चर्य और तमाशे के लायक चीजों की तलाश और हमसे बेमेल और पराये पहलुओं को इकहरे तरीके से रोशन करने लोगों का ध्यान आकर्षित करने और मनोरंजन के लिए ही लोग आदिवासी समाज और सुसंस्कृति की ओर जाते रहे हैं। नतीजा हमारे सामने है। उनके यौन जीवन और रीति-रिवाजों के बारे में गुदगुदाने वाले सनसनीखेज ब्योरे तो खूब मिलते हैं, पर उनके पारिवारिक जीवन की मानवीय व्यथा नहीं। उनके अलौकिक विश्वास, जादू-टोने और विलक्षण अनुष्ठानों का आंखों देखा हाल तो मिलता है, उनकी जिंदगी के हर मोड़ पर हाड़तोड़ संघर्ष की बहुरूपी और प्रमाणिक तस्वीर नहीं। वे आज भी आदमी की अलग नस्ल के रूप में अजूबा की तरह पेश किये जाते हैं। विचित्र वेशभूषा में आदिम और जंगली आदमी की मानिंद।

झारखंड की जनजातीय संस्कृति और गैर जनजातीय सदानी संस्कृति के बीच परस्पर आदान-प्रदान का सिलसिला पुराना है।

जनजातियों की सांस्कृतिक परंपरा और समाज-संस्कृति पर विचार की एक दिशा यहां से भी विचारणीय मानी जा सकती है। मानव विज्ञानियों और समाजशास्त्र के अद्येताओं ने विभिन्न जनजातीय समुदायों का सर्वेक्षणमूलक व्यापक अध्ययन प्रस्तुत किया है और उसके आधार पर विभिन्न जनजातियों के विषय में सूचनाओं के विषद कोष हमें सुलभ हैं। पुनः इस अकूत शोध- सामग्री के आधार पर विभिन्न जनजातीय समूहों और समाजों के बारे में निष्कर्षमूलक समानताओं का निर्देश भी किया जा सकता है। लेकिन ऐसे अध्ययन का संकट तब खड़ा हो जाता है, जब हम ज्ञान को ज्ञान के लिए नहीं मानकर उसकी सामाजिक संगति की तलाश शुरू करते हैं। ये सारी सूचनाएं हमें एक अनजानी दुनिया से हमारा साक्षात्कार कराती हैं, किंतु इस ज्ञान का संयोजन भारतीय समाज में उनके सामंजस्यपूर्ण समायोजन के लिए किस प्रकार किया जाये, यह प्रश्न अन्य दूसरे सवालों से अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहां समाज-चिंतन की हमारी दृष्टि और उसके कोण की वास्तविक परीक्षा भी शुरू हो जाती है। ठीक यहीं से सूचनाओं का विश्लेषण-विवेचना चुनौती बनकर खड़े हो जाते हैं। किसी भी समाज का अतीत बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। तो भी शुद्ध अतीतजीवी होने की भी कोई तार्किकता नहीं हो सकती है। जनजातियों के संदर्भ में विचार करें, तो यह सवाल और नुकीला हो जाता है कि क्या उन्हें आदिम मानव सभ्यता के पुरातात्विक पुरावशेष के रूप में पुरातन जीवन-स्थिति में ही अलग-थलग छोड़ दिया जाये या विज्ञान और तकनीकी प्रगति की आधुनिक व्यवस्था में समायोजित होने का अवसर भी दिया जाये? सवाल तो यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या उनके विकास के नाम उन्हें आधुनिक जटिल राज्य तंत्र और समाज-व्यवस्था के सामने टूटकर विखरने के लिए छोड़ दिया जाये या उन्हें नये परिवेश में सहज गतिशील होने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाये?

आज जब औद्योगिक विकास के लिए खनिज संपदा और जंगल-पहाड़ के इलाके राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्यतः उपयोगी माने जा रहे हैं और ये सारी सहूलियतें इन्हीं आदिवासी अंचलों में सुलभ हैं, तो क्या क्षेत्रीय या राष्ट्रीय हितों के लिए 10 प्रतिशत आदिवासियों को विस्थापित कर उनकी अपनी जीवन शैली, समाज- संरचना, सांस्कृतिक मूल्यों में बलात वंचित कर किया जाये? यानी आज यह सर्वोपरि आवश्यकता दिख रही है कि विकास की मौजूदा अवधारणा की एक बार फिर समीक्षा की जाये और नयी आधुनिक व्यवस्था में जनजातीय समूहों के मानवीय अधिकारों की समुचित अभिरक्षा की जाये। तभी जजतीय संस्कृति या उसकी परंपरा के विषय में हमारी चिंता को एक वास्तविक आधार सुलभ होगा।

आदिवासियों के आख्यान उनके मिथक, उनकी परंपराएं आज इसलिए महत्वपूर्ण नहीं हैं कि वे बीते युगों की कहानी कहती हैं, बल्कि उनकी अपनी संस्थाओं और संस्कृति के एतिहासिक तर्क और बौद्धिक प्रसंगिकता के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं। उनकी कलात्मक अभिव्यक्तियां, सौंदर्यात्मक चेष्टाएं और अनुष्ठानिक क्रियाएं हमारी-आपकी कला-संस्कृति की तरह आराम के क्षणों को भरने वाली चीजें नहीं हैं, उनकी पूरी जिंदगी से उनका एक क्रियाशील, प्रयोजनशील और पारस्परिक रिश्ता है, इसीलिए उनकी संस्कृति एक ऐसी अन्विति के रूप में आकार ग्रहण करती है, जिनमें उनके जीवन और यथार्थ की पुनार्चना होती हैं।

सांस्कृतिक परंपरा पर विचार करने से पहले यह परिभाषित कर लेना उचित प्रतीत होता है कि संस्कृति क्या है? संस्कृति कर लेना उचित प्रतीत होता है कि संस्कृति और लोकतंत्र में क्या अंतर है। जनजातीय संस्कृति और लोक संस्कृति में भी कोई अंतर है या नहीं? विविध प्रकार की जीवन-शैलियों और सामाजिक परंपराओं में संस्कृति के जो स्थानिक और देशिक रूप दिखाई पड़ते हैं, उनके वर्गीकरण और एकीकरण के क्या आधार हो सकते हैं। संस्कृति की जो व्याख्या मानवशास्त्री देते हैं, वह स्वयं संस्कृतिकर्मियों के लिए कितना अर्थपूर्ण है?

झारखंड की जनजातीय संस्कृति और गैर जनजातीय सदानी संस्कृति के बीच परस्पर आदान-प्रदान का सिलसिला पुराना है। इसकी जांच के आधार के रूप में भाषा का उपयोग जिन विद्वानों ने किया है, उनमें डॉ कायपर, प्रोपिजूलिस्की, डॉ प्रबोधचंद्र बागची, प्रो सिलवां लेवी और डॉ दिनेश्वर प्रसाद के अध्ययन से यह तथ्य प्रमाणित होता है कि संस्कृतिक संबद्धता का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना इस दुर्गम क्षेत्र में मानव-विकास। इस संस्कृतिक संबद्धता की सदियों पुरानी परंपरा को डॉ वीर भारत तलवार जैसे विद्वान झारखंडी बनाम ब्राह्मणवादी संस्कृति की संघर्ष यात्रा के रूप में विवेचित करते हैं। उन्होंने यह बताने की कोशिश की है। झारखंड की समतावादी संस्कृति और भेदवादी ब्राह्मणवादी संस्कृति एक दूसरे की विरोधी हैं। कालांतर में जो सांस्कृतिक प्रदूषण इस क्षेत्र की अनार्य संस्कृति में फैला है, वह ब्राह्मणवादी संस्कृति के हस्तक्षेप के कारण ही। उनका मानना है कि झारखंडी जातियों के ब्राह्मणीकरण की शुरुआत असल में झारखंड में सामंती राज्य सत्ताओं के उदय के बाद से हुई। अपने कथन के लिए साक्ष्य जुटाते हुए डॉ तलवार, डॉ कुमार सुरेश सिंह के चेरो लोगों पर किये गये शोध अध्ययन का हवाला देते हैं, जिसमें दिखाया गया है कि झारखंड में विभिन्न सामंती राज्य कायम हुए तो उनके राजपरिवार ही, जो बाकी जनता पर अपनी श्रेष्ठता को साबित करना चाहते थे, ब्राह्मणवादी संस्कृति को लाने के माध्यम बने। एक ही कबीले के शेष लोगों से खुद को ऊंचा घोषित करने के लिए अपना संबंध ब्राह्मणवाद से जोड़ा। इस काम के लिए ब्राह्मणवाद ही सबसे उपयोगी व्यवस्था थी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

देश-विदेश की खबरें

बीएसएफ ने भारत में घुस रहे 1500 बांग्लादेशियों को रोका

अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण में भारत को भी न्योता
हाई कमिश्नर जा सकते हैं

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच इसके भारत में घुसने की कोशिश कर रहे करीब 1500 बांग्लादेशियों को रोका है। इनमें से 1 हजार लोग बिहार और 500 लोग पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के रास्ते भारत आ रहे थे।

घुसपैठ को देखते हुए भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ अलर्ट हो गयी है। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया है कि शेख हसीना का आगे का क्या प्लान है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। वहीं, बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुआई में बन रही अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत को भी न्योता मिला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने बताया कि बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। अंतरिम सरकार में 15 सदस्य होंगे। यूनुस आज दोपहर ढाई बजे ढाका पहुंच गए हैं। रात 8 बज कर 30 मिनट पर सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, शपथ समारोह में करीब 400 लोग शामिल होंगे।

लगातार नौवीं बार रेपो रेट को 6.5% पर स्थिर रखा

रिजर्व बैंक ने 18 महीनों से ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिन की बैठक के बाद रेपो रेट को मौजूदा दर 6.5% पर बरकरार रखने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौद्रिक नीति समिति ने 6, 7 और 8 अगस्त को हुई बैठक के में 4:2 के बहुमत से नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट को 6.5% पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया। रेपो रेट में फरवरी 2023 से कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एमपीसी ने लगातार नौवी बैंठक में रेपो रेट को 6.5% पर स्थिर रखने का फैसला किया है। एमपीसी के फैसलों के एलान के बाद अब एक बात साफ हो गई कि आम आदमी को ऋणों की ईएमआई पर फिलहाल कोई राहत नहीं मिलने वाली है।

एमपीसी के फैसलों की जानकारी देनते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अस्थिरता दिख रही है। हालांकि दुनियाभर में महंगाई में कमी आ रही है। सेंट्रल बैंक अर्थव्यवस्था की स्थिति के आधार पर ब्याज दरों पर फैसला ले रहे हैं। घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती कायम है।

सर्विस सेक्टर का प्रदर्शन काफी बेहतर हुआ है। सेवा क्षेत्र और निर्माण क्षेत्र में मजबूती जारी है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जीडीपी 7.2% बरकरार रहने का अनुमान है।

बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन, 80 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

साल 2000 से 2011 तक लगातार 11 वर्षों तक बंगाल के मुख्यमंत्री रहे

निधन पर राजनीतिक जगत में शोक की लहर, पीएम मोदी, ममता बनर्जी, राज्यपाल ने जताया शोक

निधन पर ममता ने राज्य में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की

अंतिम संस्कार आज

माकपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सलीम ने बताया कि कामरेड भट्टाचार्य का शुक्रवार अंतिम संस्कार किया जायेगा। शुक्रवार शाम 4 बजे माकपा के प्रदेश मुख्यालय अलीमुद्दीन स्ट्रीट से उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी।

पीएम मोदी, सीएम ममता और राज्यपाल ने जताया दुख

कामरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन की सूचना सामने आते ही राजनीतिक जगत में शोक की लहर छा गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस सहित सभी दलों के राजनेताओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन से दुखी हूं। वे एक राजनीतिक दिग्गज थे जिन्होंने राज्य की प्रतिबद्धता के साथ सेवा की। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ओम शांति।

ममता ने सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की

भट्टाचार्य के निधन पर ममता ने आज राज्य में सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की। ममता ने झाड़ग्राम जिले के दौरे पर रवाना होने से पहले दोपहर में पाम एवेन्यू स्थित आवास पर भी जाकर पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि दी। स्वजनों से भी उन्होंने बात की और ढांढस बंधाया।

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज वामपंथी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य (80 साल) का गुरुवार को निधन हो गया। सुबह 8.20 बजे कोलकाता के पाम एवेन्यू स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने उनके निधन की जानकारी दी। बुद्धदेव भट्टाचार्य लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत थी। वे सीओपीडी (क्रानिक आब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) और बुढ़ापे से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। कोलकाता में उनके घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। वेदाग छवि वाले बुद्धदेव साल 2000 से 2011 तक लगातार 11 वर्षों तक बंगाल के मुख्यमंत्री पद पर रहे थे। बंगाल में वाममोर्चे के 34 वर्षों के शासन के दौरान बुद्धदेव भट्टाचार्य, ज्योति बसु के बाद माकपा के दूसरे और आखिरी मुख्यमंत्री थे।

2011 में तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य की अगुवाई वाले वाममोर्चा शासन का अंत कर बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थी। बंगाल में उद्योग के लिए वाममोर्चा सरकार द्वारा किसानों से कथित जबरन भूमि अधिग्रहण के खिलाफ ममता बनर्जी की अगवाई में सिंगुर और नंदीग्राम में हुए बहुचर्चित आंदोलन के समय बुद्धदेव भट्टाचार्य ही मुख्यमंत्री थे।

2011 में हुई करारी हार के बाद भट्टाचार्य सक्रिय राजनीति से दूर हो गये थे। 2015 में माकपा के पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति से भी उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटा है।

उनका जन्म 1944 में उत्तर कोलकाता में हुआ था। उन्होंने बंगाल के प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी कालेज से ही बंगाली साहित्य की पढ़ाई की थी। इसके बाद, वे माकपा से जुड़ गये थे। इसी दौरान वे डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन के सचिव भी रहे। भट्टाचार्य को सादगीपूर्ण जीवन जीने के लिए जाना जाता था, क्योंकि वह मुख्यमंत्री रहने के दौरान और उसके बाद पाम एवेन्यू स्थित अपने दो कमरे के सरकारी फ्लैट में ही रहे।

10वें दिन रेस्क्यू जारी : वायनाड लैंडस्लाइड में 138 लोग अब भी लापता

पीएम मोदी 10 अगस्त को पीड़ितों से मिलेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

वायनाड। केरल के वायनाड में 29 जुलाई की देर रात हुए लैंडस्लाइड में अब भी 138 लोग अब भी लापता हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को लगातार 10वें दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे में अब तक 413 लोगों की मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10 अगस्त) को पीड़ितों से मिलने वायनाड जायेंगे। प्रधानमंत्री की स्पेशल फ्लाइट कन्नूर में उतरेगी। कन्नूर से प्रधानमंत्री हेलिकॉप्टर से लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद वह रिलीफ कैंप्स में पीड़ितों से मिलेंगे, जहां 10 हजार से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। केरल सरकार ने लैंडस्लाइड में लापता 138 लोगों की लिस्ट जारी की है।

मोदी के दौरे को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, कहा जा रहा है कि ढट के दौरे के बाद वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा (लेवल-3 डिजास्टर) घोषित किया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार (7 अगस्त) को लोकसभा में इसकी मांग की थी।

बता दें कि वायनाड में 29-30 जुलाई देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें, गाड़ियां बह गयीं।

केरल में मिला दिमाग पर असर डालनेवाला वायरस

आठ महीने में 15 मामले, पांच की मौत, पुणे में जीका वायरस के 7 नये केस मिले

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केरल में ब्रेन पर असर डालने वाले नये वायरस की पहचान हुई है। केरल सरकार ने इसका नाम अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस बताया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने सात अगस्त की देर रात बताया कि जनवरी से अब तक वायरस के कुल 15 मामले सामने आये हैं। इससे पांच मरीजों की मौत हो चुकी है।

उधर पुणे में भी जीका वायरस के दो महीने में सात और नये मामले सामने आये हैं। इनमें 6 प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल हैं।

मेडिकल बोर्ड गठित

बता दें कि केरल में अमीबिक मेनिंगोएंसेफलाइटिस का सबसे पहला केस 2016 में आया था। इसके बाद 2019, 2020 और 2022 में एक-एक केस मिला था। इन सभी मरीजों की मौत हो गयी थी। इस बीमारी में मरीज को बुखार, सिर दर्द, उल्टी और दिमागी दौरे पड़ते हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि नये वायरस को लेकर मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है, जो मामलो पर नजर बनाये हुए है। हालांकि अब तक कोई गाइडलाइन नहीं बनायी गयी है। लेकिन वायरस से इलाज के लिए केंद्र सरकार ने दवाइयों की आपूर्ति की है। साथ ही जर्मनी से दवाइयां खरीदी जा रही हैं। इस वायरस के सबसे अधिक 7 केस तिरुवनंतपुरम से सामने आये हैं।

राजस्थान : पाली में 15 गांव डूबे, 100 लोगों का रेस्क्यू

बिहार में बिजली गिरने से 8 मौतें

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। देश के लगभग सभी राज्यों में बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हुई है। गंगा, बागमती और कोसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कटिहार के बरारी में सुखाई घाट से मतलुधार के बीच 5 करोड़ की लागत से बन रहे ब्रिज का पिलर और ब्रिज बॉक्स गंगा में समा गया। हिमाचल प्रदेश के मंडी के 9 मील के पास देर रात 3 बजे चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। मलबे में एक ट्रक और पिकअप फंस गया। दोनों गाड़ियों के ड्राइवर ने भागकर जान बचायी। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान लगातार तेज बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे सहित 214 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर डैम के 18 गेट खोल दिये गये हैं। डैम में कुल 23 गेट हैं। राजस्थान के पाली शहर में 15 गांव डूब गये हैं। अभी तक रेस्क्यू कर करीब 100 लोगों को बचाया गया है। यहां से 100 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के 9 जिलों में अलर्ट जारी किया है। वाराणसी में 80 से ज्यादा गंगा घाट डूब गये हैं। अस्सी घाट और सुबह-ए-बनारस घाट भी जलमग्न हो चुके हैं।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
09

तीन माह से नहीं मिली वृद्धापेंशन बुजुर्ग परेशान

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले तीन महीनों से वृद्धजनों को पेंशन नहीं मिल रहा है। जिस कारण वे आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। पेंशन पाने वाले वृद्ध, दिव्यांग, विधवा एवं असाध्य रोगी इसी पर निर्भर हैं। गुरुवार को भी दर्जनों लोग बेड़ो के विभिन्न बैंकों से प्रखंड कार्यालय पहुंचे। फगनी देवी, सीता देवी, बाला देवी, जितवाहवन महतो, जगरनाथ साहू, जदु मुंडा, बिहारी साव का कहना है कि पिछले तीन महीनों उन्हें पेंशन नहीं मिला है, जबकि अगस्त का पहला सप्ताह भी बीत चुका है। प्रखंड के अधिकांश पेंशनधारक ऐसे है जिनका पेंशन से ही गुजारा चलता है। पेंशन न आने से उसकी स्थिति खराब हो रही है। उन्हें अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए दूसरों पर निर्भर होना पड़ रहा है।

सिल्ली विधायक ने सुरसू में पीसीसी पथ एवं सीढ़ी निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

बिना भेदभाव के करता हूं विकास कार्य : सुदेश महतो

एक सप्ताह के भीतर 1.5 करोड़ की लागत से सुरसू से हरजालुम तक पथ मजबूतीकरण कार्य एवं कुतुरलोवा-पुटादाग के बीच 4.11 करोड़ की लागत से उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का होगा शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

पीसीसी पथ के निर्माण कार्य का शिलान्यास करते विधायक सुदेश महतो।

सिकिदीरी। पूर्व उप मुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक सुदेश महतो ने प्रस्तावित जोन्हा प्रखंड के सुरसू पंचायत अंतर्गत कुतूरलोवा महुवा बेड़ा खायरा टोली में विधायक मद से बनाये जाने वाले 300 फिट पीसीसी पथ एवं हरजालुम गांव में स्वर्ण रेखा नदी किनारे सीढ़ी निर्माण कार्य का गुरुवार को शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि झारखंड में हमारी सरकार नहीं होने के बावजूद हमारे विधानसभा क्षेत्र में जो काम हुआ शायद सत्ता में रहते हुए भी उतना काम नहीं कर पायेगें। विधायक ने बताया कि इसी महीने इसी गांव में 4.11 करोड़ रुपये की लागत से महुवा बेड़ा और पुटादाग के बीच बनने वाले उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास होगा। इसी के साथ सुरसू से हरजालुम तक पथ मजबूतीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया जाएगा, जिसकी लागत 1.5 करोड़ रुपये होगी। उन्होंने कहा कि सुरसू पंचायत के गांव के लोग बहुत ही भरोसेमंद हैं। यहां के लोगों के विकास की चिंता मुंझे हमेशा रहती है। कहा कि स्वास्थ्य लाभ दिलाने के लिए हम वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में स्वास्थ्य उप केंद्र की तर्ज पर वन विभाग द्वारा निर्मित भवन जो अभी खाली पड़ा है उसमें 15 दिनों के अंदर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायेंगे। इसमें सभी प्रकार की दवाईयों के साथ ही चिकित्सक भी उपलब्ध रहेंगें। इस सुदूरवर्ती क्षेत्र के बच्चों के पास उच्च शिक्षा के लिए कोई सुविधा नहीं है। यहां के लोग आर्थिक रूप से भी संपन्न नहीं है। जिनके लिए बस सेवा की शुरुआत की जा रही है। जो बच्चे पढ़ने में अच्छे हैं वैसे 100 बच्चों को अपने पास रख कर उनके पढ़ाई का पूरा खर्च वहन करेगें। जो पांच साल बाद दिखाई देगा। विधायक ने कहा कि चुनाव के समय ऐसे कई लोग आएंगे और भ्रमित करने का प्रयास करेंगे, लेकिन अपना और बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए सोच समझ कर निर्णय लेना है। मौके पर अनगड़ा पूर्वी जिला परिषद के राजेंद्र शाही मुंडा, सुरसू मुखिया सुमित्रा देवी, गड़ीडीह मुखिया विजय उरांव, जिला सचिव शंकर बेदिया, राजू महली, प्रखंड अध्यक्ष शंकर मुंडा, प्रखंड उपाध्यक्ष अमरसिंह मुंडा, सिंधु कान्हू युवा खेल क्लब अध्यक्ष दीनदयाल बेदिया, सुरसू पंचायत अध्यक्ष धर्मदेव रजवार, मुखिया प्रतिनिधि शयामसुंदर बेदिया, ग्राम प्रभारी डबलू बेदिया, सिताराम साहू, बबलू, सुखनंदन बेदिया, घनशयाम बेदिया, सिताराम रजवार, गोपाल नायक, मो रिजवान अंसारी, सुदामा प्रजापति, पौलुस उरांव, रवि करमाली, वार्ड सदस्य हरीनंदन, तुलसी प्रजापति आदि उपस्थित थे।

शिवसेना के झारखंड प्रमुख ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

बेड़ो (आजाद सिपाही)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से गुरुवार को झारखंड शिवसेना के प्रमुख दीपक सिंह और राज्य उपप्रमुख संदीप मुखर्जी ने शिष्टाचार मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने झारखंड स्थित देवघर के बाबा बैजनाथ ज्योतिर्लिंग की पेंटिंग फोटो भेंट किया।

हाइकोर्ट के आदेश की अवहेलना, रातू में 9 मीट दुकानदारों पर प्राथमिकी दर्ज

रातू (आजाद सिपाही)। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी रातू थाना क्षेत्र के विभिन्न भागों में मीट दुकानों में खुलेआम मीट की बिक्री की जा रही है। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मीट के 9 दुकानदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों में काठीटांड निवासी तौहीद अंसारी व छोटू भगत, रवि स्टील के बासु विश्वकर्मा, कमडे के रोहित उरांव, तिलता चौक के उशना उरांव, सुनिल उरांव व अमन तिर्की, टेंडर के अनिल उरांव व रातू चट्टी के उदित ठाकुर शामिल है। इनपर बिना लाइसेंस दुकान संचालित करने व अदालत के आदेश के बाद भी दुकान में काला शीशा नहीं लगाने का आरोप है।

जय माता दी क्लब दुर्गा पूजा पंडाल का भूमि पूजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम खटाल यशराज धर्मकांटा के समीप गुरुवार को जय माता दी क्लब नामकुम दुर्गा पूजा समिति की ओर से पूजा पंडाल के निर्माण कार्य का भूमि पूजन हुआ। पंडित श्रीधर पाठक ने पूरे विधि-विधान से पूजा कराया। समिति के अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि यहां दुर्गा पूजा पूरे विधि-विधान से की जाती है। पूजा को लेकर क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित है। इस मौके पर दीपक सिंह, राहुल सिंह, राजू सिंह, यश सिंह, समर सिंह, महेंद्र, राकेश आदि उपस्थित थे। क्लब के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष भव्य पंडाल का निर्माण बंगाल के कारीगरों द्वारा किया जाएगा।

नामकुम में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम तेतरी टोली स्थित हंसराज वाधवा स्कूल मैदान में गुरुवार को शहीद बिरसा क्लब जोरार के बैनर तले दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन वार्ड 47 के पूर्व पार्षद किरण सांगा ने किया। उन्होंने कहा कि फुटबॉल खेल हमें अनुसाशन सिखाता है। इसलिए खिलाड़ियों को खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। टूर्नामेंट में कुल 16 टीम हिस्सा ले रही है। वहीं, उद्घाटन मैच अमित गोप एफसी बनाम तेतरी टोली एफसी के बीच खेला गया। जिसमें तेतरी टोली की टीम 1-0 से विजयी रही। मौके पर अध्यक्ष मनोज मुंडा उर्फ कुंचू, भजन सिंह मुंडा, बादल सांगा, सुनील मुंडा, बंटी सांगा, अमर मुंडा आदि उपस्थित थे।

शहीद जीतराम मुंडा के अधूरे सपनों को पूरा करूंगी: गायत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। आदिवासी जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रहे शहीद जीतराम मुंडा की पत्नी गायत्री मुंडा ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि आदिवासी जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रहे शहीद जीत राम मुंडा अपने राजनीतिक जीवन में विधायक बनने का सपना देखा करते थे। पर असमय उनकी हत्या हो जाने के कारण उनका सपना अधूरा रह गया। उन्हीं अधूरे सपनों को पूरा करने के उद्देश्य से मैं भाजपा के नेताओं के मार्गदर्शन पर चलते हुए पार्टी से जुड़ कर काम कर रही हूं। ताकि विधायक बनकर गरीब, दबे-कुचले वर्ग की आवाज बन सकूं। भ्रष्टाचार और अपराध को खत्म करना मेरी प्राथमिकता में शामिल होगी। भावुक होते हुए उन्होंने बताया कि मेरे पति पार्टी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। तभी उनकी हत्या कर दी गई थी। उनकी असमय हत्या ने मुझे और मेरे बच्चों और परिवार को अंदर से तोड़ दिया था। मुझे संभलने में तीन वर्ष का लंबा समय लगा है। मैं अब पूरी तरह से कमर कस कर चुनावी मैदान में उतर कर अपने पति शहीद जीत राम मुंडा के विधायक बनने के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए तैयार हूं। इस मौके पर किरण देवी, रूपा देवी, सुनीता देवी, सरस्वती देवी, ललिता देवी, लक्ष्मी देवी, मंजू देवी, सुषमा देवी, रेश्मा देवी और मुन्नी देवी आदि उपस्थित थीं।

ग्रीन राशन कार्ड धारियों को एक साल से नहीं मिल रहा है राशन : सन्नी टोप्पो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मांडर के युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने आरोप लगाया है कि झारखंड में ग्रीन राशन कार्डधारियों को पिछले एक वर्ष से राशन नहीं मिल रहा है। जिससे लाभुकों को जीविका चलाने में परेशानी हो रही है। मांडर विधानसभा क्षेत्र के गांव में रहने वाले गरीबों को कई तरह की दिक्कतों का समाना करना पड़ रहा है। कहा कि सरकार की आपूर्ति विभाग द्वारा झारखंड में रहने वाले लोगों के लिए लाखों ग्रीन कार्ड बनाए गए है। लेकिन उन्हें सितंबर 2023 के बाद से अगस्त 2024 तक की अवधि के बीच राशन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की गठबंधन सरकार घोषणाएं तो करती है, लेकिन उसे अमल करने में विफल हो जाती हैं। एक तरफ गरीबों को एक साल से राशन नहीं मिल रहा, तो दूसरी ओर, सरकार आये दिन नए-नए घोषणाएं करती रहती है। वहीं ग्रीन कार्डधारकों का कहना है कि सरकार से यह जानना चाहते हैं कि यह लापरवाही प्रशासन की है या सरकार द्वारा आवंटन ही नहीं दिया जा रहा है। वहीं, सन्नी टोप्पो ने राज्य सरकार से मांग किया कि यथाशीघ्र मामले को संज्ञान में लेते हए आने वाले विश्वकर्मा पूजा के पहले ग्रीन कार्डधारियों को अनाज उपलब्ध कराया जाए। ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सकें।

विद्यार्थियों के भविष्य को तरासना हम सभी की जिम्मेदारी है: शिल्पी

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बिरगोड़ा नदी पर बने डायवर्सन के बह जाने के कारण छात्र-छात्राओं को आवागमन में हो रही परेशानियों को देखते हुए निःशुल्क बस सेवा शुरू किया है। गुरुवार को विधायक ने बस सेवा को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि उनकी नजर में सुरक्षा विशेष रूप से सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी लोगों को गंभीरता के साथ इसका ध्यान रखना चाहिये। बिरगोड़ा नदी पर पुल पर बने डायवर्सन के बह जाने से अनेक गांव का संपर्क टूट गया है, जिसके बाद विशेष रूप से स्कूल जानेवाले छात्र-छात्राओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसका पता चलते ही छात्र-छात्राओं के लिये दो बस की निःशुल्क सेवा शुरू की गयी। पचपदा और नरकोपीरेलवे स्टेशन के पास से बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर विधायक ने रवाना किया। इस मौके पर मांडर के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार, परवेज आलम, जमील मलिक आदि उपस्थित थे।

रामनारायण भगत ने बाबूलाल से मिल कर समस्याओं से अवगत कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। भाजपा नेता रामनारायण भगत ने गुरुवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से रांची स्थित मुख्यालय में जाकर मुलाकात की और उन्हें मांडर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही सभी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान कराने का अनुरोध किया। रामनारायण भगत ने बाबूलाल मरांडी को बताया की बिरगोड़ा नदी पर बना डायवर्शन पुल बह गया है। जिससे विद्यार्थियों सहित एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन होता है। इस पुल का जल्द निर्माण कराया जाए। ताकि यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी ना हो। वहीं, ग्रीन राशन कार्डधारियों को एक वर्ष से राशन नहीं मिल रहा। बुजुर्गों का तीन महीने से पेंशन बंद है। बेड़ो के चचकोपी में बने आइटीआइ कालेज को सरकार द्वारा चालू नहीं किया जा रहा है। जिससे यहां के मैट्रिक पास युवक निराश और हताश हो रहे हैं। एसएसप्लस टू स्कूल में छात्रों के लिए आधारभूत सुविधाओं अभाव के कारण यहां पढ़ाई करने वाले छात्रों को परेशानी हो रही है। वहीं बेड़ो बाजार टांड़ में बनी नाली जाम है। लगातार वर्षा से क्षतिग्रस्त हुए ग्रामीण सड़क मार्गों के विशेष मरम्मत व विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त बिजली समस्या के निस्तारण की मांग रखी।

शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। आजसू के केंद्रीय सचिव पारसनाथ उरांव के सौजन्य से गुरुवार को शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस पर लुपूंग खेल स्टेडियम में खिजरी विधानसभा स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में 16 टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन मैच लुपूंग पंचायत एवं गेतलसूद पंचायत के बीच खेला गया। जिसमें पेनाल्टी शुट आउट में गेतलसूद की टीम विजयी रही। इससे पहले केंद्रीय सचिव पारसनाथ उरांव, जितेंद्र सिंह, फुलकुमारी देवी, बीणा देवी, आतिश महतो, जलनाथ चौधरी, जगरनाथ महतो, काशीनाथ महतो, धर्मेंद्र सिंह, गणेश उरांव, उमेश महतो आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उद्घाटन मैच शुरू कराया। शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के दिन प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला जाएगा। इस अवसर पर मैट्रिक और इंटर में 80 प्रतिशत से उपर अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालेभी सम्मानित किए जाएंगे।

विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर रंगारंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को चिलदाग के सोहोवती देवी पब्लिक स्कूल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे पूर्व विद्यालय के निदेशक डॉ अमर कुमार चौधरी एवं सचिव डॉ कुमुद कला मेहता ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं की ओर से पारंपरिक आदिवासी परिधान में मनमोहक प्रस्तुतियों से सब का दिल जीत लिया। वहीं बच्चों द्वारा आदिवासी दिवस क्यों मनाया जाता है ? इस पर अपनी निबंध और कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम को संबोधित करते निर्देशक डॉ अमर कुमार चौधरी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से आदिवासी समुदायों की समस्याओं को समाप्त करने के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रकृति को बचाने में आदिवासियों का अहम योगदान रहा है। वहीं, सचिव डॉ कुमुद कला मेहता ने कहा कि जंगल बिना जीवन अधूरा है तो आदिवासी बिना जंगल अधूरा है। यदि जंगल को दिल माने तो उसकी धड़कन आदिवासी है । कार्यक्रम में स्कूली बच्चों सहित शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित रहे।

सम्मान राशि दोगुनी किये जाने पर ग्राम प्रधानों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रदेश प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने खिजरी विधायक राजेश कच्छप को मानदेय बढ़ाने को लेकर कुछ दिन पहले ज्ञापन सौंपा गया था। इसके अलावे आइएनडीआइए गठबंधन के मंत्री, विधायक एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संघ की ओर से ग्राम प्रधानों एवं अन्य का मानदेय बढ़ाने के लिए कहा गया था। मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों के मानदेय बढाने की मांग को संज्ञान में लेते हुए कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर मानकी, मुंडा, परगनैत जैसे 16 परंपरागत ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि दोगुनी करने करने की घोषा की है। मानकी और परगनैत को तीन हजार रुपए की सम्मान राशि मिलती थी जिसे बढ़ा कर अब छह हजार रुपए कर दिया गया है। वहीं मुंडा एवं ग्राम प्रधानों को दो हजार की जगह चार हजार रुपए, डाकुवा, पराणिक, जोगमांझी, कुड़ाम नायकी, गोडैत, मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी (पुजारी), पड़हा राजा, ग्रामसभा प्रधान, घटवाल एवं तावेदार की सम्मान राशि अब एक हजार से बढ़ाकर दो हजार रुपए कर दी गई है। इस अवसर पर प्रदेश प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव ने खिजरी विधायक राजेश कच्छप व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इस कार्य के लिए संघ के तरफ से आभार व धन्यवाद प्रकट किया है। कहा कि महागठबंधन सरकार बहुत अच्छा कार्य कर रही है, जिससे राज्य की जनता खुश है।

आगजनी की घटना में झुलसे युवक की मौत

बुढ़मू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के छापर बालू घाट में गत मंगलवार की रात 6 वाहनों में किसी ने आग लगा दी थी। वाहन मालिक द्वारा जले हुए वाहन को टोह कर लाने के लिए एक ट्रैक्टर की व्यवस्था की। जो जले वाहनों को टोह कर ला रहा था। तभी संतुलन बिगड़ जाने के कारण ट्रैक्टर पलट गया और उसपर सवार चालक सूरज मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजन व ट्रबो मालिक ने आपस में ही मामला सलटाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद सूचना बुढ़मू थाने को दी गई। कुछ देर में ही थाना प्रभारी रितेश महतो पहुंच गये और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। खबर लिखें जाने तक बुढ़मू थाने मे परिजनों की भीड़ जुटी हुई थी और हंगामा जारी था। बतातें चलें कि आगजनी कि घटना पर प्रशासन को बिना सूचित किये गाड़ी हटाने का प्रयास किया जा रहा था।

बाइक रैली के साथ तिरंगा यात्रा निकालेगी भाजपा

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के पूर्व तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर गोंदलीपोखर में गुरुवार को भाजपा अनगड़ा मंडल की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रामनाथ महतो ने की। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र महतो थे। बैठक में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। बताया गया कि 12 से 14 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सभी शहीदों की प्रतिमा की साफ सफाई कर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं तिरंगा यात्रा के रूप में बाइक रैली निकाली जाएगी। बैठक में नरेश साहू, अजय महतो, जगेश्वर महतो, सुनील कुमार, राजेन्द्र महतो, संजय नायक, गौरीशंकर मुण्डा, हरिहर महतो, हेमनाथ महतो, सुरेश महतो, सोनु कुमार, अजय सिंह भोगता, जगतनारायण महतो, पुनीलाल महतो, संजय साहू, सुनीता कुमारी, अजय करमाली, कुंती कुमारी आदि मौजूद थे।

कभी भुलाया नहीं जा सकता : रामकुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा/ओरमांझी। झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बुनियाद रखने वाले शहीद निर्मल महतो को उनके शहादत दिवस पर गुरुवार को अनगड़ा में विभिन्न राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों ने याद किया। प्रतिनिधियों ने गोंदलीपोखर पहुंचकर निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसमें भाजपा, आजसू, जेकेएलएम सहित झारखंड कुरमी महासभा के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि निर्मल महतो एक कुशल नेतृत्वकर्ता, सामाजिक नेता एवं आंदोलनकारी थे। उन्होंनें झारखंड अलग राज्य लिए आंदोलन किया और शहीद हो गए। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, मनोज चौधरी, रामनाथ महतो, नरेश साहू, सुनील महतो, नरेंद्र कुमार, संतोष महतो, संजय नायक, आजसू के पारसनाथ उरांव, राजेंद्र शाही मुण्डा, आतिश महतो, वीणा देवी, जलनाथ चैधरी, जितेंद्र सिंह, रोशनलाल मुण्डा, अजीत महतो, धर्मेन्द्र सिंह, फुलकुमारी देवी, कुदरत अंसारी, काशीनाथ महतो, ज्योतिष महतो, कारीनाथ महतो, जगरनाथ महतो, महाबीर महतो आदि मौजूद थे। दूसरी ओर, ओरमांझी के उकरीद चौक महतो बीज भण्डार में कुरमी उत्थान समिति के संरक्षक अमरनाथ चौधरी की अध्यक्षता में शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। उन्होंने कहा कि निर्मल दा की शहादत बेकार नहीं जाएगी। निर्मल दा एक साधारण कार्यकर्ता से चार साल में झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष बने। वे झामुमो के जाबाज सिपाही थे। इस मौके पर अलखनाथ महतो, कामेश्वर महतो, अरविंद महतो, सिकेंद्र महतो, शिवचरण महतो, जगदीश महतो, पप्पू महतो, कृष्ण महतो, आलोक राज, अशेस्वर महतो, अमन महतो आदि मौजूद थे।

पुलिस ने भारी मात्रा में डोडा लदे ट्रक सहित चालक और खलासी को किया गिरफ्तार

मांडर (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के रांची डालटेनगंज मार्ग के मांडर टोल प्लाजा के समीप गुरुवार तड़के चार बजे नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो की केंद्रीय टीम ने रांची की ओर से जा रहे ट्रक की तलाशी के दौरान नशीला पदार्थ पाये जाने पर उसे पकड़ लिया। वाहन को मांडर थाना लाया गया। जहां गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें से 220 बोरी डोडा बरामद किया गया। जिसका वजन लगभग 40 क्विंटल था। जिसका बाजार मूल्य 85 से 90 हजार रुपये के बीच है। इसके बाद गाड़ी चालक प्रदीप यादव और खलासी गुड्डू यादव को तुरंत गिरफ्तार कर नार्कोटिक्स टीम पूछताछ कर रही है। दोनों आरोपित चतरा जिले के हंटरगंज के रहने वाले उनसे पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह माल कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था। उधर, एनसी की कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया है।

झारखंड में भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर: संध्या

भाजपा नेत्री ने किया दर्जनों गांव का दौरा, केंद्र की मोदी सरकार की गिनवाई उपलब्धियां

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा नेत्री संध्या सिंह ने गुरुवार को क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान वो ग्रामीणों से मिली और उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही समाधान के लिए सार्थक पहल करने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई। साथ ही राज्य सरकार पर निशाना साधा। कहा कि झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी है। राज्य में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। जिससे राज्य में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। संध्या सिंह ने कहा कि ऐसी सरकार को जानता आगामी विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने ग्रामीणों से भाजपा को अपना समर्थन देते रहने की अपील की है। इस मौके कई नेता कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपा महिला मोर्चा का समाहरणालय घेराव कार्यक्रम 13 को

गठबंधन सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतरी: पुष्पा देवी

झारखंड में महिलाओं का उत्पीड़न चरम पर: अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू भाजपा के जिला कार्यालय में गुरुवार को महिला मोर्चा की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सीटू गुप्ता और संचालन जिला महामंत्री लक्ष्मी रवि ने किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में छतरपुर की विधायक पुष्पा देवी और प्रथम महापौर अरुणा शंकर शामिल हुई। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि राज्य की गठबंधन सरकार ने सत्ता में काबिज होते समय महिलाओं और युवाओं से वादे किये थे उस पर अब तक खरा नहीं उतर सकी है। उसके उलट महिलाओं पर अत्याचार बढ़ गया है। महिलाओं

भाजपा महिला मोर्चा की बैठक में उपस्थित छतरपुर विधायक, प्रथम महापौर व अन्य।

के खिलाफ उत्पीड़न के सबसे अधिक मामले इस राज्य में अभी तक दर्ज किए गए हैं। जिसमें दुष्कर्म और हत्या आदि शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य की वर्तमान सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरोध में 13 अगस्त को भाजपा महिला मोर्चा पलामू समाहरणालय का घेराव करेगी। वहीं, प्रथम महापौर अरुण शंकर ने कहा कि जब से राज्य में गठबंधन की सरकार बनी है, तभी से भ्रष्टाचार, बलात्कार, अपहरण, यौन शोषण और महिला उत्पीड़न के मामले चरम पर है। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और गठबंधन सरकार आंख बंद किये हुए है। आदिवासी बहन-बेटियों को फुसला कर घुसपैठियें शादी कर रहे हैं। आदिवासियों की जमीन हड़पी जा रही है। धर्म परिवर्तन का यह एक माध्यम बन चुका है। बैठक में कार्यक्रम की प्रमंडल सह प्रभारी सकुंतला जायसवाल, जिला प्रभारी सह कार्यक्रम प्रभारी कल्याणी पांडे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभिमन्यु तिवारी, जिला महामंत्री ज्योति पांडे, मंत्री सोमेश सिंह, भाजयुमो जिला अध्यक्ष विपुल गुप्ता, रीना किशोर, सुमिता सिंह, उषा मखारिया, मंजू देवी, उषा अग्रवाल, किरण देवी, इंदु देवी, सुषमा देवी, सावित्री देवी, लीलावती देवी, किरण देवी, बबिता देवी, अर्चना देवी आदि थीं।

भाजपा नेताओं ने ज्ञापन सौंप रेल ओवरब्रिज का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं देने की मांग की

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। भाजपा का एक शिष्टमंडल सांसद प्रतिनिधि अखिलेश्वर मेहता के नेतृत्व में गुरुवार को हुसैनाबाद सीओ व स्टेशन प्रबंधक से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा है। जिसमें रेलवे ओवरब्रिज आरओबी का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं देने की मांग की गयी है। ज्ञापन में कहा गया है कि जपला रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण प्राक्कलन के अनुसार अभी अधूरा है। रेलवे की उदासीन रवैया के कारण दंगवार रोड की ओर अबतक कार्य पूरा नहीं होने के कारण बड़े वाहनों को काफी परेशानी हो रही है। संकीर्ण रोड होने के कारण अक्सर जाम व दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है। इस दिशा में अविलंब पहल की मांग की गयी है। यह भी कहा गया है कि यदि बिना कार्य पूर्ण किये अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाता है तो भाजपा आंदोलन को बाध्य होगी। इस बाबत भाजपा नेता अखिलेश मेहता ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य अभी अधूरा है। रेलवे की ओर से फाटक को बंद कर देने से आम लोगों को काफी कठिनाई होगी। उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी पलामू सांसद वीडी राम को भी दी गयी है और जनहित में उचित कार्रवाई का आग्रह किया गया है। इस मौके पर भाजपा नेता रामप्रवेश सिंह, रणविजय सिंह, मधुसूदन पाठक, सांसद प्रतिनिधि रंजीत पासवान, श्रवण कुमार, नरेंद्र सिंह और संजय मेहता आदि उपस्थित थे।

कौवाखोह इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में प्रत्येक रविवार को होगा निःशुल्क इलाज

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। महावीर स्वास्थ्य संस्थान अंतर्गत संचालित प्रखण्ड के कौआखोह इंडियन पेट्रोल पंप स्थित डॉ विनोद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में प्रत्येक रविवार को निःशुल्क इलाज किया जाएगा। उक्त जानकारी संस्थान के निदेशक डॉ विनोद कुमार ने दी है। उन्होंने कहा प्रत्येक रविवार को उनके संस्थान में बीपी, शुगर व अन्य रोगों का इलाज और निःशुल्क दावा दी जाएगी। उन्होंने बताया की इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में ग्रामीण क्षेत्र के चिकित्सकों के लिए सुनहरा अवसर है। सीएमएसडी कोर्स के तहत दो साल का कोर्स कर अपना भविष्य संवार सकते हैं। संस्थान में एएनएम, जीएनएम और बीएससी नर्सिंग में नामांकन भी जारी है। उन्होंने कहा कि पलामू जिले के मैट्रिक एवं इंटर के छात्र-छात्राओं के लिए यह सुनहरा अवसर है।

उप प्रमुख को मिला प्रमुख का प्रभार

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। पीपरा प्रखण्ड के प्रमुख का प्रभार मिलने पर उप प्रमुख ममता कुमारी के सम्मान में गुरुवार को समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पीपरा प्रखण्ड के विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्तियों ने प्रमुख ममता कुमारी को पुष्प देकर स्वागत किया। वहीं, प्रभार ग्रहण करने के बाद नयी प्रमुख ममता कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जनहित में समुचित विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता होगी। वहीं, प्रतिनिधियों ने कहा कि नए प्रमुख ममता कुमारी से प्रखंडवासियों को काफी उम्मीदें हैं। इसलिए सभी जनहित के मुद्दे और विकास कार्यों के प्रति उन्हें सजग रहना होगा। इस दौरान प्रमुख ने स्त्रोंन्नत उच्च विद्यालय पिठौरा के छात्र- छात्राओं के बीच सरकारी साइकिल का वितरण भी किया। दूसरी ओर, प्रखंड प्रमुख का स्वागत करने वालों में एनसीपी जिला अध्यक्ष संदीप पासवान, सामाजिक कार्यकर्ता उपेंद्र यादव, राजन सिंह, राजेंद्र यादव, पंचायत समिति सदस्य जनेश्वर भुईयां, दिनेश पासवान, सुरेंद्र पासवान, खन्नू प्रसाद सिंह, सौरभ सिंह, मनोज राम, विकास कुमार, उत्तम राम, दिलीप राम, विनय सिंह आदि मौजूद थे।

तीन महीने से नहीं मिला विक्रेताओं को खाद्यान्न, कार्डधारी परेशान

गोदाम प्रबंधक की मनमानी से परेशान विक्रेताओं ने खाद्य सुरक्षा आयोग को लिखा पत्र,कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। भारतीय खाद्य निगम के पड़वा गोदाम प्रबंधक की मनमानी से परेशान जनवितरण प्रणाली के विक्रेताओं ने खाद्य सुरक्षा आयोग को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। पत्र में विक्रेताओं ने आरोप लगाया है कि गोदाम प्रबंधक प्रभु राम मनमाने तरीके से जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं को खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने मई महीने में किसी भी विक्रेता को खाद्यान्न नहीं दिया है। जून महीने में भी 64 में से 22 विक्रेताओं को खाद्यान्न नहीं दिया गया। जुलाई में भी मात्र

आठ से 10 विक्रेताओं को ही खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। जबकि नियमतः वर्तमान में अगस्त माह का खाद्यान्न इन्हें उपलब्ध कराना चाहिए था। लेकिन लगातार तीन माह से राशन उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्डधारियों के बीच खाद्यान्न का वितरण नहीं हो पा रहा है। जिसके चलते कई कार्डधारियों के समक्ष भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विक्रेताओं ने खाद्य सुरक्षा आयोग से गोदाम प्रबंधक प्रभु राम के कार्यकाल की जांचोपरांत कार्रवाई की मांग की है। आयोग से विक्रेताओं ने खाद्यान्न जल्द उपलब्ध करवाने की भी मांग की है। ताकि जरूरतमंद परिवारों के बीच उनका वितरण किया जा सके। बताते चलें कि पहले खाद्य निगम के विश्रामपुर गोदाम से ही पांडू, उंटारी, नावा बाजार प्रखंड के डिलर खाद्यान्न का उठाव करते थे। लेकिन कुछ वर्ष पूर्व नावा बाजार प्रखंड के विक्रेताओं को पड़वा एफसीआई गोदाम से जोड़ दिया गया। जिसके बाद पड़वा गोदाम से ही डीलर खाद्यान्न का उठाव करते हैं। पर बीते कुछ माह से गोदाम प्रबंधक प्रभु राम नावा बाजार प्रखंड के डिलरो के साथ भेदभाव कर रहे हैं। जिसके चलते जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं में रोष व्याप्त है। इधर, वरीय राजद नेता ओम प्रकाश गुप्ता ने गोदाम प्रबंधक पर 12 हजार क्विंटल खाद्यान्न की कालाबाजारी करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन को लेकर एसडीओ व एसडीपीओ ने की बैठक

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें सभी विभागों, सरकारी कार्यालयों व प्रतिमा स्थलों पर झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया। एसडीओ ने नगर पंचायत के सभी चौराहों पर स्थापित प्रतिमा स्थलों की साफ-सफाई का निर्देश दिया। उन्होंने पूर्व की तरह प्रभात फेरी निकालने का भी निर्देश दिया। वहीं, सुबह से 12 बजे तक शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश ना हो, इसके लिये पुलिस बल को निर्देश दिया। उसी दिन अपराह्न 3.30 बजे से प्रशासन बनाम मीडिया फुटबॉल फैंसी मैच खेला जाएगा। इस मौके पर एसडीपीओ मुकेश महतो, एलआरडीसी गौरांग महतो, सीओ पंकज कुमार, बीडीओ रोशन कुमार, थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रेश्वर प्रसाद, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, पूर्व नपं अध्यक्ष रामेश्वर राम, बीससूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, स्वास्थ्य प्रबंधक विभूति गुप्ता, सुधीर सिंह, बीटीएम जय गोबिंद यादव, अजय भारती, राजेश सिंह, प्रो संजय सिंह, वार्डेन किरण सिंह, दंगवार ओपी प्रभारी शोनु गुप्ता, सुधीर सिंह, कन्हैया प्रसाद, राजेश कर्ण, राकेश कुमार सिंह, कुश जी पांडेय और अखिलेश विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के दोषी को व्यवहार न्यायालय ने दी 20 साल की सजा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के जिला व सत्र न्यायाधीश चतुर्थ पोक्सो एक्ट के स्पेशल जज अभिमन्यु कुमार की अदालत ने नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म का दोषी पाये जाने पर लेस्लीगंज थाना अंतर्गत मुंदरिया निवासी एजाज अहमद (63) को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थ दंड की राशि नहीं देने पर छह महीना अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस संबंध में लेस्लीगंज थाना क्षेत्री की रहने वाली पीड़िता ने डाल्टनगंज महिला थाना में एजाज अहमद के विरुद्ध नामजद

प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महिला थाना कांड संख्या 03 के 18 जनवरी 2023 को भारतीय दंड विधान की धारा 376 व लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 4 में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। एजाज पर आरोप था कि वह पीड़िता के साथ वर्ष 2019 से जब उसके घर में कोई नहीं रहता था तो अकेला पाकर उसे जान से मरवा देने की धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाता था। शोर मचाने की कोशिश करने पर पीड़िता का मुंह और गला दबा देता था। चाकू का बय दिखारर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाता था। इस प्रकार उसके साथ कई अवसरों पर ले जाकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। इसी बीच 17 जनवरी 2023 को जब पीड़िता ट्यूशन पढ़ने के लिए डाल्टनगंज आई थी तभी उसका पीछा किया था। जिस पर उसने घटना के बारे में अपने घर वालों को बता दिया। पीड़िता के लिखित प्रतिवेदन पर डाल्टनगंज महिला थाना में केस दर्ज किया गया था। अदालत में साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए एजाज अहमद को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए स्वच्छता व जागरूकता बेहद जरूरी : प्रो सूर्यमणि

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर एके सिंह कॉलेज में विचार गोष्ठी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड सरकार की ओर से निर्देशित फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर जपला एके सिंह कॉलेज प्रांगण में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विचार गोष्ठी आयोजित हुआ। जिसका शुभारंभ एनएसएस लक्ष्य गीत से हुआ जिसमें दिव्या शीतल आरुषि और किरण ने लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रिंसिपल प्रो सूर्यमणि सिंह ने की। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक संक्रामक रोग है जो मच्छरों के काटने से होता है। वही मच्छर यदि दूसरे व्यक्ति को काट लेता है तो उसे भी संक्रमित होने की संभावना प्रबल हो जाती है। इसलिए आप अपने इर्द-गिर्द के स्थान को स्वच्छ रखें। पानी का जमाव नहीं होने दें। जिससे मच्छर की उत्पत्ति ही ना हो। स्वास्थ्य विभाग के पीसीआई

अमरेंद्र ओझा ने कहा कि आज हम सभी के गांव में फाइलेरिया के रोगी यत्र -तत्र मिल जाते हैं। यह रोग गंदगी के कारण होता है। क्योंकि गंदगी जहां होगी वहीं मच्छरों का प्रकोप होगा, जिनके काटने से यह रोग फैलता है। उन्होंने फाइलेरिया के लक्षण, रोग की दवा एवं इससे बचाव के उपाय पर भी प्रकाश डाला। प्रो डॉ आलोक रंजन कुमार ने फाइलेरिया रोग होने के कारण और निवारण पर प्रकाश डाला। उन्होंने फाइलेरिया के विभिन्न प्रकारों का वर्णन किया और उसकी दवा के संबंध में भी जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने एक नुक्कड़ नाटक भी पेश किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश सिंह और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक प्रतिनिधि प्रो डॉ आनंद कुमार सिंह ने किया। मौके पर प्रो डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो शशिभूषण, प्रो रेखा कुमारी सिंह, प्रो राहुल कुमार सिंह, प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, मनीष कुमार सिंह, कुंदन कुमार सिंह, प्रिंस सिंह आदि उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

भारतीय रेसरल अमन सहरावत पेरिस ओलिंपिक में अल्बेनिया के पहलवान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए

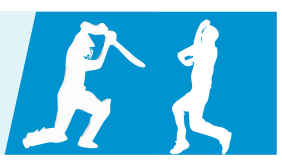

अमन सहरावत कुश्ती के सेमीफाइनल में

अल्बेनिया के पहलवान जेलिमखान अबकारोव को 12-0 से हराया

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय रेसलर अमन सहरावत पेरिस ओलिंपिक में मेडल ला सकते हैं। अमन गुरुवार को 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अल्बेनिया के जेलिमखान अबकारोव को 12-0 से हराया। वहीं, अंशु मलिक विमेंस 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हो गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस ने 7-2 से हराया। वहीं, 'द मैन विद गोल्डन आर्म' कहे जाने वाले जेवलिन थ्रोअर

नीरज चोपड़ा का फाइनल रात 11.55 बजे होगा। 26 साल के नीरज ने दो दिन पहले क्वालिफिकेशन में पहले प्रयास में 89.34 मीटर भाला फेंका था और पहले स्थान पर रहे। भारत को उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद होगी। फाइनल में नीरज का मुकाबला ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर और पाकिस्तान के अरशद नदीम से होगा।

अंशु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं

अंशु मलिक विमेंस की 57 किग्रा कैटेगरी के प्री-क्वार्टर फाइनल में हार कर बाहर हो गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस से 7-2 से हार का सामना करना पड़ा। अगर हेलेन फाइनल में पहुंचती हैं तो अंशु ब्रॉन्ज मेडल मैच के लिए रेपचेज राउंड खेलेंगी।

ज्योति याराजी चौथे स्थान पर रहीं

ज्योति याराजी महिलाओं की 100 मीटर हर्डल्स के रेपचेज राउंड में 13.17 सेकंड के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इस राउंड में 3 हीट बनाई गई थी। ज्योति हीट-1 में थी। यहां उन्होंने चौथे स्थान पर ये रेस समाप्त की। हर हीट से टॉप-2 खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचती है।

देसी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा थाना अंतर्गत मलय डैम के पास से गुरुवार को पुलिस ने विकास सिंह (21) नामक युवक को देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मलय डैम के पास चेकदार शर्ट पहने एक युवक हथियार रखे हुए हैं जो किसी अप्रिया घटना को अंजाम दे सकता है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ सतबरवा थाना कांड संख्या 97/2024 के भादवि की धारा 25 (1-) /26 (2) दर्ज कर आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है। उसके पास से एक देसी कट्टा और एक 8एमएम का कारतूस बरामद हुआ है।

ऑक्सफोर्ड स्कूल में अंतर विद्यालय स्पोर्ट्स का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड स्कूल में अंतः विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को अंतिम दिन कक्षा 11वीं व 12वीं क्रिकेट व कक्षा 9वीं छात्राओं के मध्य फाइनल कबड्डी खेल आयोजित हुआ। क्रिकेट में कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों के बीच हुए मुकाबले में 12वीं की टीम विजेता रही। कक्षा 12वीं द्वारा दिये गये 105 रन के लक्ष्य को 11वीं के खिलाड़ी बना नहीं सके। इस तरह 12वीं की टीम विजेता बनी। वहीं, **कबड्डी में** कक्षा 9वीं अ का

मुकाबला कक्षा ब से हुआ। जिसमें 9वीं ब की टीम विजेता रही। प्राचार्य डॉ एके सिंह ने कहा कि खेल के अभाव में शारीरिक जीवन व स्वास्थ्य की रक्षा करना कठिन ही नहीं असंभव भी है। स्वास्थ्य लाभ के साथ ही खेल मानसिक व आध्यात्मिक गुणों में भी वृद्धि करता है। वैदिक काल से ही खेल की महत्ता ऋषि-मुनियों व शिक्षकों ने प्रतिपादित की है। अतः शिक्षण व स्वाध्याय के साथ-साथ स्वास्थ्य संतुलन बनाए रखने के लिए खेल अत्यावश्यक है।

कोयला तस्करी में सुशांत-यादव का बज रहा डंका

खादी-खाकी की साठगांठ से प्रतिदिन हजारों टन अवैध कोयला लदे ट्रक बंगाल बॉर्डर से हो रहे पार

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। कोयलांचल में कोयला तस्करों का मनोबल इन दिनों बुलंदियों पर है। निरसा थाना क्षेत्र के निकटवर्ती इलाकों से प्रतिदिन तस्कर बीसीसीएल के बंद पड़ी माइंस को जेसीबी एवं पोकलेन मशीन के सहारे मुहाने खोलकर अवैध तरीके से कोयले का खनन कर रहे हैं। इसके लिए तस्कर दूसरे जिलों से आदिवासी एवं दलित नाबालिक युवक-युवतियों को रुपये का लालच देकर बुला रहे और कम मजदूरी में बिना सुरक्षा सेफ्टी के मौत के मुहानों में भेज रहे हैं। कोल माफिया बड़ी-बड़ी ट्रको में लादकर अवैध रूप से निकाले गये कोयले को मंडी की ओर रवाना करने में लगे हैं। तस्करों ने

इसके लिए बीसीसीएल एवं वनभूमि के एक बड़े हिस्से को मशीन से रौंद डाला हैं। तस्कर गिरोह बनाकर स्थानीय थाना के कथित कुछ भ्रष्ट पुलिस कर्मियों व खनन विभाग के निरीक्षक के साठगांध कर बड़े पैमाने पर दर्जनों अवैध कोल माइनिंग में पिछले कई महीनों कोयला निकाल कर गोविंदपुर, निरसा और बरवाअड्डा में बड़े-बड़े कोयला कारोबारियों के भट्ठे में गिराया जा रहा हैं। पासिंग कोड होने के कारण गिरोह का कोयला लदे ट्रक को राजगंज, बरवाअड्डा और निरसा पुलिस पकड़ती नहीं है। जिसका सेटिंग या पासिंग नहीं होता है उन्हीं गाड़ियों को जांच में पकड़े जाने की चर्चा हैं। अवैध कोयला खनन के दौरान कई बार आदिवासी व दलित सहित अन्य गरीब मजदूरों की जाने भी जा चुकी है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच कर कार्रवाई की मांग भी उठती रही है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। सूत्रों कि मानें, तो कई थाना व ओपी क्षेत्रों में खादी और खाकी की मजबूत गठजोड़ से सालो से अवैध कोयले का कारोबार चलते आ रहा है। खबर है कि निरशा क्षेत्र के चिरकुंडा थाना अंतर्गत बंदर चूआ में सुशांत नामक तस्कर का जलवा जारी है। उसकी अगुवाई में निरसा में पिछले साल भी कई जगह अवैध माइंस चलाए जा रहे थे। जिसमें एक बड़ा हादसा भी हो चुका है, जिसमें कई लोग मारे गए थे। इस पर रांची की एक टीम भी घटना स्थल पर जांच करने के लिए आ चुकी है। मुख्यमंत्री ने भी सख्त आदेश दिए थे कि अवैध माइंस को जल्द से जल्द बंद किया जाए। लेकिन उन सभी को दरकिनार कर इस वर्ष भी बिना रोकटोक अवैध कोयले का धंधा जारी है। उधर निरसा, डुमरी, जोर बंदर चूआ कालूबथान में यादव ने कमान संभाल रखी है। सूत्रों की माने तो इस अवैध कोयले को निरसा के विभिन्न क्षेत्रों से ट्रकों में भर-भर कर बॉर्डर पार कर बंगाल की तरफ भेजा जाता है।

'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' का फॉर्म जमा नहीं कर पाने से नाराज महिलाओं ने किया हंगामा

आजाद सिपाही संवाददाता

निरसा। प्रखंड अंतर्गत रागा माटी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार की ओर से शुरू की गयी 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' का लाभ सर्वर में लगातार समस्याओं के कारण महिलाओं को नहीं मिल पा रहा है। इससे नाराज दर्जनों महिलाओं ने निरसा प्रखंड अंतर्गत रांगामटिया पंचायत भवन के समक्ष जमकर हंगामा किया। महिलाओं ने बताया कि वे लोग प्रतिदिन सुबह पांच बजे से ही 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' का लाभ लेने के लिए अपने घरों का कामकाज छोड़कर शिविर में पहुंच रही है। लेकिन सर्वर की समस्या के चलते घंटों कतार में खड़े रहने के बावजूद उनका ऑनलाइन फॉर्म भरा नहीं जा पा रहा है। सरकार की ओर से ऑफलाइन फॉर्म जमा करने के लिए भी नियम निकाला गया है उस पर किसी को फरोसा नहीं है। यदि हम लोग साइबर कैफे में जाकर ऑनलाइन फॉर्म जमा कर रहे हैं तो वहां से ऑनलाइन फॉर्म जमा हो जा रहा है, तो पंचायत भवन में क्या समस्या हो रही है।

बेरमो बीडीओ ने किया मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शिविर का निरीक्षण

बैदकारो/बेरमो (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत बेरमो प्रखंड के पंचायतों में लगाए गए शिविर का गुरुवार को बीडीओ मुकेश कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने बैदकारो पूर्वी एवं पश्चिमी पंचायत सचिवालय पहुंचकर महिलाओं से आवेदन पत्र के संबंध में जानकारी ली। कहा कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में निःशुल्क आवेदन फॉर्म का वितरण हो रहा है। किसी भी बिचौलियों द्वारा फार्म बेचे जाने की शिकायत मिलती है तो इसकी सूचना तुरंत दें। उन्होंने कहा कि सर्वर में आ रही परेशानी को देखते हुए आवेदन जमा करने की तिथि 15 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। लाभार्थी महिलाओं को बताया कि आवेदन अब ऑफलाइन भी जमा लेना है। योजना का लाभ लेने के लिए महिलाएं अपना आवेदन पंचायत के शिविर और आंगनबाड़ी केंद्र में जमा करें। इस योजना का लाभ लेने के लिए अब मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य नहीं है। जिस महिला का राशन कार्ड में नाम नहीं है उनके लिए पिता एवं पति का राशन कार्ड मान्य है। मौके पर मुखिया सीमा महतो, मुखिया मालती सिंह, पंचायत सचिव सुचिता व मुखिया प्रतिनिधि टीपू महतो आदि थे।

झारखंड राज्य निर्मल बाबू के आंदोलन की देन है: उमाकांत

दिवंगत निर्मल महतो की पुण्य तिथि पर आजसू ने चंदनकियारी में दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपही संवाददाता

बोकारो। दिवंगत निर्मल महतो की पुण्य तिथि पर गुरुवार को आजसू की ओर से चंदनकियारी स्थित पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। अपने संबोधन में पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने कहा कि झारखंड राज्य निर्मल महतो के आंदोलन का परिणाम है। वर्तमान समय में निर्मल महतो के विचारों और संघर्षों को आत्मसात करने की जरूरत है। पूर्व मंत्री ने कहा कि निर्मल बाबू के सपनों को साकार करने के लिए युवा वर्ग आगे आये। आज चंदनकियारी विकास से कोसों दूर हो गया है। जन हित के सारे कार्य ठप है। जिस कारण चंदनकियारी में घूसखोरी, भ्रष्टाचार और अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हम सब मिलकर चंदनकियारी विधानसभा में व्याप्त घूसखोरी, भ्रष्टाचार, अराजकता को मिटाने के लिए एकता और एकजुटता का प्रतिक बनकर काम करें, ताकि निर्मल महतो के सपना को साकार किया जा सके। इसके पूर्व स्व. निर्मल महतो चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। मौके पर शत्रुघ्न महतो, राजेश भगत, मिथिलेश महतो, महाराज महतो, मुख्तार आलम, नेमचांद महतो, तपन रजवार, राजीव रंजन झा, देवेंद्र महतो, हुबलाल रजवार, अवनी कान्त राय, संजय गोप, मथुर गोप, सुबोध पार्थो, राजेन रजवार और साधू कुंभकार आदि उपस्थित थे।

दिवंगत निर्मल महतो की तस्वीर पर माल्यार्पण करते उमाकांत रजक व अन्य।

दिव्यांगजनों के बीच कृत्रिम अंग सहित सहायक उपकरण का वितरण

सिजुआ/कतरास (आजाद सिपाही)। भगवान महावीर दिवंयांग सहायता समिति नई दिल्ली के सहयोग से टाटा स्टील फाउंडेशन (जामाडोवा) की सबल परियोजना के तहत गुरुवार को मलकेरा सामुदायिक केंद्र में दिव्यांगों के लिए दो दिवशीय सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसमें पहुंचे सिजुआ ग्रुप चीफ झरिया डिवीजन टाटा स्टील के विकास कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान सभी चिन्हित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग (हाथ और पैर), बैसाखी और व्यस्कों-बच्चों के लिए व्हीलचेयर सहित कुल 40 सहायक उपकरण वितरित किए। मौके पर पर हेड, एडमिनिस्ट्रेशन श्वेता मिश्रा और सीनियर एरिया मैनेजर पीयूष कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रुपये गबन के आरोपी के घर पहुंची पुलिस ढोल नगाड़े बजाकर चिपकाया इश्तेहार

महुदा (आजाद सिपाही)। सिंगड़ा बस्ती निवासी राजेंद्र कर्मकार की पत्नी कुंती देवी महिला समिति के वित्तीय गबन के आरोप में लंबे समय से फरार चल रही थी। जिसे लेकर महुदा पुलिस ने कुर्की जब्ती से पहले ढोल नगाड़े के साथ राजेंद्र के घर पहुंची और इश्तहार चिपकाकर आगाह किया। महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार के निर्देश पर पुअनि प्रदीप कुमार दल के साथ पहुंचे और इश्तेहार चिपकाया। इस दौरान पुलिस ने फरार चल रही कुंती देवी के बारे में भी ग्रामीणों को बताया। पुअनि प्रदीप कुमार ने बताया कि सिंगड़ा बस्ती निवासी राजेंद्र कर्मकार की पत्नी कुंती देवी महुदा थाना कांड संख्या- 32/2021 धारा 406, 423 एवं 420 जैसी वांछित धाराओं में अभियुक्त है और महिला समूह के लाखों रुपये गबन कर ढाई साल से फरार चल रही हैं। इस मामले में न्यायालय द्वारा इश्तेहार जारी किया गया था जिसकी तमिल आज हुई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही कुंती देवी अगर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करती हैं तो कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

पुण्य तिथि पर याद किये गये शहीद निर्मल महतो

धनबाद (आजाद सिपाही)। आजसू की धनबाद जिला की ओर से झारखंड अलग राज्य के लिए अपने जीवन की आहुति देने वाले वीर सपूत, महान आंदोलनकारियों में से एक अमर शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस पर हेल्थ इज वेल्थ एथलेटिक क्लब में गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। इसकी अध्यक्षता आजसू नगर अध्यक्ष जीतू पासवान ने की। इसमें आजसू के केंद्रीय सदस्य कुल्लू चौधरी, रतिलाल महतो, भगवान दास शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी संतोष कुशवाहा, महानगर सचिव दिलीप सिंह, उपाध्यक्ष संतोष पासवान, धनबाद जिला उपाध्यक्ष पंकज पटेल, नगर उपाध्यक्ष भोलू यादव, सुदामा पासवान, वार्ड अध्यक्ष बबलू पासवान, सूरज पासवान, सागर सिंह, निरंजन पासवान, राहुल, शुभम, सुधांशु, अशिंतो, गोरका पांडे, ऋतिक, सुमित और गोलू आदि मौजूद रहे।

आरके माइंस में नियोजन की मांग को लेकर प्रदर्शन

कतरास (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल एरिया-4 के सलानपुर कोलयरी अंतर्गत कार्यरत आरके माइंस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार नहीं दिए जाने से नाराज ग्रामीणों ने गुरुवार को कार्यालय का घेराव-प्रदर्शन किया। जिसका नेतृत्व पंसस संजू देवी ने किया। इस दौरान पंसस संजू देवी व अर्जुन महतो की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी के अधिकारियों को मांगपत्र सौंपा। जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार नहीं देने पर कंपनी को उत्खनन कार्य नहीं करने देने की चेतावनी दी गयी है। इस मौके पर सत्या देवी, लक्ष्मी देवी, रंकी देवी, कविता देवी, गीता देवी, सोना देवी, मीना देवी, रूमा देवी, राजेश सिंह, सूर्यदेव मिश्रा, भरत शर्मा, अर्जुन महतो, श्रीकांत केवट, किशोर महतो, बिरजू बाउरी आदि उपस्थित थे।

निर्मल महतो की सोच व सपनों को हेमंत सोरेन कर रहें पूरा: जयनारायण

झामुमो ने मनाया शहीद निर्मल महतो का 37वां शहादत दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। झामुमो के फुसरो नगर समिति की ओर से गुरुवार को करगली स्थित शहीद निर्मल महतो भवन परिसर में शहीद निर्मल महतो का 37वां शहादत दिवस मनाया। इसकी अगुवाई नगर अध्यक्ष दीपक महतो ने की। इसमें झामुमो के जिला सचिव जयनारायण महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सबसे पहले शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद जिला सचिव जयनारायण महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो ने अलग झारखंड राज्य आंदोलन को अहम दिशा दिया था। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता स्व बिनोद विहारी महतो, स्व निर्मल महतो, पूर्व मंत्री स्व जगरनाथ महतो आदि के पद चिह्नों पर चलते हुए राज्य के संपूर्ण विकास में लगे हैं। उधर, फुसरो नगर अध्यक्ष दीपक महतो ने कहा कि निर्मल महतो एक क्रांतिकारी नेता थे। जिन्होंने झारखंड राज्य के अलग होने में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। निर्मल महतो जी की जो सोच थी वो पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों की सोच को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आगे बढ़ा रहे हैं। हेमंत सरकार के विकास कार्यो को देखते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में हमलोग पुनः फिर एक बार सरकार बनायेंगे। मौके पर युवा नेता भोलू खान, सचिव अनिल कुमार रजवार, नगर संयुक्त सचिव इकबाल अहमद, उपाध्यक्ष महताब खान, दिपक गुप्ता, हर्ष कुमार, रोहित महतो, शंकर बेसरा, राजेश सुपन, जिनेंद्र नायक, गोविंद रजक, प्रकाश नायक, रविंद्र राम, सुरेश राम, जमील अंसारी, शिवशंकर, सुनिल, अजय कुमार, विक्की सिंह मुण्डा, महिलाल टुडू और बिरसा मुंड़ा आदि मौजूद थे।

विधायक ने विभिन्न पंचायतों का दौरा कर लिया शिविरों का जायजा

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कार्य में तेजी लायें: डॉ लंबोदर महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

आईईएल। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने गुरुवार को प्रखंड अंतर्गत गोमिया पंचायत, पलिहारी गुरुडीह पंचायत, स्वांग उतरी एवं स्वांग दक्षिणी, हजारी पंचायत आदि का दौरा कर मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं एवं बहनों द्वारा जमा किए जा रहे आवेदन की स्थित का जायजा लिया। लगे हाथ पदाधिकारियों को इस कार्य में तेजी लाने का निर्देस दिया। इस मौके पर जिप सदस्य डॉ सुरेंद्र राज, मुखिया बलराम रजक, सपना कुमारी, बिनोद विश्वकर्मा, रीना सिंह, पूर्व मुखिया धनंजय सिंह, पंसस सुशीला देवी आदि थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़
(समाज कल्याण शाखा)
Email Id –awc24.monitoring@gmail.com

-: आम सूचना :-

उपायुक्त–सह– जिला दण्डाधिकारी, रामगढ़ का पत्र संख्या 219/जि0बा0स0 दिनांक 22.07.2024 में निहित निदेश के आलोक में मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई, रामगढ़ के तीन (03) रिक्त जिला स्तरीय पदों यथा परामर्शदाता, सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं आंकड़ा विश्लेषक के पद पर संविदा के आधार पर कार्य करने हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था, जिसकी स्क्रुटनी एवं प्रथम औपबंधिक मेधा सूची तैयार कर रामगढ़ के वेबसाईट ramgarh.nic.in एवं PRD के माध्यम से प्रकाशन की जानी है।

उपायुक्त, रामगढ़ द्वारा गठित समिति द्वारा प्राप्त सभी आवेदनों की स्क्रुटनी के पश्चात प्रथम/प्रारंभिक औपबंधिक मेधा सूची तैयार किया गया है, सभी आवेदनकर्त्ताओं से अपील है कि प्रथम/प्रारंभिक औपबंधिक मेधा सूची जिला के वेबसाईट ramgarh.nic.in में प्रकाशित किया गया है। उक्त सूची के प्रकाशित होने की तिथि से चार दिनों के अन्दर अपने दावा आपत्ति का निराकरण तथा वांछित कागजात कार्यालय में समर्पित करेंगे। निर्धारित अवधि तक किसी प्रकार का दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में प्रकाशित प्रथम/प्रारंभिक औपबंधिक मेधा सूची को अन्तिम मेधा सूची माना जायेगा।

ह0/–
उपायुक्त,रामगढ़

PR 332200 District(24-25).D

कार्यालयः-जिलास्वास्थ्य समिति, लातेहार
Sadar Hospital Campus, Latehar. E-Mail ID: drhslatehar3@gmail.com

Tender Notice No. 01 DHS/Latehar/01/2024-25 Date:29.07.24

Tender Notice

Civil Surgeon-Cum-Chief Medical Officer, Latehar invites separate Technical and price Bids (Two Bid System) through tender from the registered and eligible firms for **Rate Contract for Flex Banner, Hoarding, Poster, Stickers, Hand bill, Booklet, Training module materials printing/wall painting etc. Required in DHS.**

Sl. No.	Particulars	Details
1	Name of Work	Rate Contract for Flex Banner, Hoarding, Poster, Stickers, Handbill, Booklet, Training module materials printing/wall painting etc. required in DHS.
2	Date Publication of Tender in Website	29.07.2024
3	Date/Time for Submission of bid	14.08.2024 to 19.08.2024 by 3.30 P.M
4	Date & Time of Opening of Technical BID	20.08.2024 at 3.30 P.M
6	Tender Fee Submission (Through online Payment).	1000 (Non Refundable)
6	Contact no. of Procurement Person	7903651269,7654881289,7488044189

Note-: The above dates may change due to abrupt declaration of holidays.

Sd/-
Civil Surgeon Cum
Chief Medical Officer Latehar (Jharkhand)

PR 332219 Health Med Edu and Family Welfare (24-25)_D

-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION NO.–1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi)
Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

2ND Call

VERY SHORT TERM E-QUOTATION INVITATION NOTICE

FOR RATE PURPOSE ONLY

Quotation Reference No : BCD/Bld. Div. No.- 1 --- 10/2024-25

Sealed Quotations are invited for the work **Supply of House Hold items & Furniture at C.M. House Kanke Road, Ranchi** for all Materials from Reputed Shop Keepers / Manufacturers / Suppliers / Retailers / Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan,GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 15-08-2024 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(2) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 16-08-2024 अपराह्न 1:30 बजे।
(3) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची।
(4) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 8527519262
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer, e-Procurement Cell, Office of the Executive Engineer Building Construction Department, Building Division No.-1, Ranchi

PR 332227 Building(24-25)D

उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(जिला योजना)

Rate Contract हेतु अति अल्पकालीन

जिला योजना अनाबद्ध निधि मद अन्तर्गत विभिन्न आवासीय विद्यालयों के लिए बंक बेड का क्रय एवं आपूर्त्ति हेतु मानक स्तर के कम्पनियों/प्रमाणित बिक्रेताओं/उनके अधिकृत बिक्रेताओं से विभिन्न शर्त्तों के अनुरूप दर अनुबंध (Rate Contract) हेतु मुहरबंद अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। बंक बेड का Specification निम्नवत् है :–

1. Bunk Beds (Customized with integrated study table, Almirah)
2. Over All Length of Bed 1830 mm, over All width of Bed 920 mm, Height of Bed 1800 mm (with adjusters)
3. Structure of Metal Bed Frame Legs, M.S hollow box square section, size of section 38x38 mm x 1.6 mm thick.
4. Support member for mattresses M.S hollow box rectangular section of thickness 20x20mm x 1.6mm 4 nos.
5. Support members for top rails and stairs in 20x20mmx1.6 mm thick
6. Mattress Panel with, material of mattress panel BWP grade 12 mm ply of 3x6 ft.
7. Storage cabinets under lower bed, sizes 880 mm W x 290 mm H x 510 mm D, running at Telescopic channels, Qty 2 Nos.
8. One wardrobe includes of sizes: 1800 mm height x 920 mm width x 400 mm depth,
9. Double door steel wardrobe including having individual lock for each compartment made up of 0.60 mm CRC sheets (24 gauges) in wardrobe.
10. Colour of bed (steel frame) dark grey, paint/finish of M.S parts powder coating.
11. Desk Provision: The tubular frame mounted foldable desk (width 825 mm x depth 450 mm) at a height of 750 mm.
12. Mosquito net fitting provision should be installed for both upper and lower bed compartment.

इच्छुक कम्पनियां/प्रमाणित बिक्रेताएं/उनके अधिकृत बिक्रेताएं **दिनांक 20.08.2024 के अपराह्न 01:00 बजे तक** निम्नांकित शर्त्तों के अनुरूप अपना मुहरबंद निविदा एवं विस्तृत विवरणी जिला योजना कार्यालय, विकास भवन, खूँटी में जमा कर सकते हैं, निर्धारित तिथि एवं समय के बाद निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। प्राप्त निविदाओं को **दिनांक 20.08.2024 के अपराह्न 03:00 बजे** जिला क्रय समिति के समक्ष खोला जायेगा।

निविदा की अन्य शर्त्तें समाहरणालय, खूँटी के वेबसाईट https://www.khunti.nic.in से डाऊनलोड किया जा सकता है अथवा जिला योजना कार्यालय, खूँटी से प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, खूँटी।

PR 332221 (District) 24-25 (D)

राज्य का पहला चावल एटीएम राजधानी में खोला गया

अब एटीएम से मिलेगा चावल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। गुरुवार को राज्य का पहला चावल एटीएम गुरुवार को भुवनेश्वर के मंचेश्वर में खुला। खाद्य आपूर्ति मंत्री कृष्ण चंद्र पात्र ने मंचेश्वर चावल गोदाम के पास चावल एटीएम का उद्घाटन किया। अब लाभार्थी अपना राशन कार्ड लाकर नंबर डायल कर एटीएम से चावल निकाल सकते हैं। मंत्री ने कहा कि योजना सफल रही तो सभी जिलों और ब्लॉकों में एटीएम खोले जायेंगे। राशन कार्ड लाभार्थियों को चावल एटीएम कार्ड दिया जायेगा। इसलिए इस कार्ड का उपयोग पूरे भारत में किया जा सकता है।

इस एटीएम से एक हिताधिकारी को 25 किलो चावल निकालने की व्यवस्था की गयी है। इस एटीएम से सभी जिलों का कोई भी हिताधिकारी चावल निकाल सकता है। आपूर्ति मंत्री कृष्ण चंद्र पात्र ने कहा कि इससे पूरे राज्य में चावल की दलाली को आसानी से रोका जा सकता है।

महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की खदान से 40 करोड़ की लूट का मामला

अतिक्रमणकारियों की पहचान कर कार्रवाई की जाये : कानून मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की खदान से 40 करोड़ की लूट के मामले पर कानून मंत्री ने प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने कहा कि खनन राजस्व का भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। 24 साल की सरकार ने महाप्रभु की संपत्ति की सुरक्षा के बारे में नहीं सोचा। हमने 2003 में बनी एक समान नीति के आधार पर प्रक्रिया शुरू की है।' महाप्रभु के पास करीब 58 हजार एकड़ जमीन है। 37 हजार एकड़ जमीन का काग जात है जिस पर फैसला होगा। अतिक्रमणकारियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जायेगी। जानकारी के मुताबिक, इन खदानों को सबसे पहले वित्तीय वर्ष 2021-22 में 4 महीने के लिए लीज पर दिया गया था। पर्यावरण मंजूरी मिलने के बाद 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक लीज का नवीनीकरण किया गया। दीर्घकालिक लीज देने से पहले खदानों को स्थानीय राजस्व अधिकारियों की मदद से नापा गया था। तब यह स्पष्ट हो गया कि अधिक अयस्क का खनन किया गया था। हालांकि, खदान लूट की जानकारी मिलने से पहले ही दीर्घकालिक लीज समझौते पर हस्ताक्षर कर दिया गया था। श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने लीज धारकों नाम बिनित लालानी, सस्मिता राउतराय, सुनीता स्वाइं, सौभाग्य दास, सत्यप्रिय श्रीचंदन, राइबल्लभ महांति, नरेंद्र भाईल, श्यामसुंदर महांति, रवि रमन सिंह, देवेंद्र नाथ जेना, जगदीश कुमार साहू, योगीनाथ बाहू बलेद्र, अजय कुमार अग्रवाल, दिलीप कुमार जेना, देवस्मिता सामंतराय, जगदीश बराल और देवयानी प्रहराज को नोटिस जारी किया है। इनमें से तीन लोगों ने नोटिस मिलते ही अपना जवाब दाखिल कर दिया। घटना को डॉ अरविंद पाढ़ी ने गंभीरता से लिया। उन्होंने ने कहा कि महाप्रभु की संपत्तियों को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया जायेगा और खदानों का अच्छे से प्रबंधन किया जायेगा।

धनवार भाजपा के नवनियुक्त चारों मंडल अध्यक्ष सम्मानित

- भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने दिया सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में गुरुवार को भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने धनवार भाजपा के चारों मंडलों से नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों को सम्मानित किया। धनवार मंडल के अध्यक्ष अमित कुमार साव, डोरंडा के राजू पांडेय, घोड़थंबा के कृष्ण कुमार वर्मा तथा मनसाडीह भाजपा मंडल के अशोक राय को उन्होंने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया तथा गावां तथा तिसरी प्रखंड के नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों को भी सम्मानित करने की बात कही। इस दौरान अगामी विधान सभा चुनाव की तैयारी को लेकर कार्यकताओं के साथ बैठक भी की गयी। इस दौरान श्री सिंह ने कहा कि नव नियुक्त सभी अध्यक्ष कर्मठ, अनुभवी और पार्टी के प्रति समर्पित है। नये-पुराने सबों को आपसी सामंजस्य स्थापित कर संगठन को मजबूत करने को कहा गया। कहा गया कि विगत लोक सभा चुनाव में धनवार विस में जितना मत मिला, इस बार उससे भी अधिक मत मिलना चाहिए, ताकि धनवार विस में पार्टी की ऐतिहासिक जीत हो सके। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के कार्यो को जनता के बीच बतलाने की बात कही। कार्यक्रम में शैलजा प्रसाद सिंह, विकेंद्र साहा, नटराज कुमार, बासुदेव विश्वकर्मा, कपिल चौधरी, भगीरथ रजक, संदीप राय, जय प्रकाश सिंह, प्रवीण पांडेय, श्याम सिंह, पवन सिंह, कन्हैया प्रसाद सिंह आदि मौजूद थे।

राज्य में अब शराब की नयी दुकानें नहीं खुलेंगी: कानून मंत्री

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। गुरुवार को कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन का बड़ा बयान। राज्य में अब शराब की नई दुकानें नहीं खुलेंगी। मंत्री ने बताया कि सरकार ने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा, "यह बड़ी चुनौती है कि शराब की तस्करी कैसे रोकी जाए।" अगले साल से राज्य में शराब तस्करी बंद होगा। मंत्री ने बताया है कि उसी आधार पर आगे भी आमूल-चूल (जड़ से शिखर तक) बदलाव किये जायेंगे। वहीं, अगले साल होने वाली शराब नीति में ओड़िशा से शराब तस्करी की बिक्री रोकने के लिए नीति जारी की जायेगी। शराब नीति जो थी उसमें कुछ परिवर्त्तन किया जायेगा।

खोरधा रोड मंडल ने टिकट बुकिंग काउंटरों पर क्यूआर कोड डिस्प्ले डिवाइस स्थापित किये

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत में डिजिटल भुगतान में बड़ा बदलाव हो रहा है। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खोरधा रोड मंडल ने अपने सभी रेलवे स्टेशनों पर टिकट बुकिंग काउंटरों पर क्यूआर कोड डिस्प्ले डिवाइस लगाने की पहल की है। इस पहल से यात्रियों को नकदी के लेन-देन से बचने में मदद मिलेगी और टिकट खरीदने के लिए छुट्टे पैसे की उपलब्धता संबंधी समस्या भी हल हो जायेगी। मंडल के 113 रेलवे स्टेशनों पर यानी सभी श्रेणियों के रेलवे स्टेशनों पर क्यूआर कोड डिस्प्ले डिवाइस लगाने का काम शुरू हो चुका है। मंडल के 75 रेलवे स्टेशनों यथा- भुवनेश्वर, पुरी, खोरधा रोड, ब्रह्मपुर, कटक, भद्रक, पलासा, जाजपुर-कंदुझर रोड, बालूगांव, सोमपेटा, इच्छापुरम, ढेंकानाल, तालचेर, पारादीप, दसपल्ला आदि पर डिस्प्ले डिवाइस लगाया जा चुका है। इसके अलावा, आने वाले सप्ताह में, यह क्यूआर-कोड भुगतान सुविधा मंडल के शेषसभी रेलवे स्टेशनों पर भी लागू कर दी जायेगी। अनारक्षित और आरक्षित टिकट जारी करने वाले बुकिंग काउंटरों पर ये क्यूआर डिस्प्ले डिवाइस उपलब्ध हैं और यात्री अपने स्मार्ट फोन से क्यूआर कोड को स्कैन कर खरीदे गये टिकट के सही मूल्य के लिए यूपीआई भुगतान कर सकते हैं। इसका उद्देश्य सभी यात्रियों के लिए टिकटिंग प्रक्रिया को अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाना है। खोरधा रोड मंडल, रेल उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए हर आधुनिक तकनीक को अपना रहा है।

सोआ फैकल्टी ने मिस एंड मिसेज रॉयल ग्लोबल क्वीन प्रतियोगिता में ताज जीता

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड यूनिवर्सिटी के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (आइडीएस) की फैकल्टी डॉ दीपिका यादव ने हाल ही में मुंबई में आयोजित मिस एंड मिसेज रॉयल ग्लोबल क्वीन 2024 और रॉयल ग्लोबल अचीवर अवार्ड सीजन 4 सौंदर्य प्रतियोगिता में 'मिसेज रॉयल ग्लोबल क्वीन 2024 कॉन्फिडेंट' और 'रॉयल ग्लोबल क्वीन ऑफ इंडिया 2024' का उपशीर्षक ताज जीता है। आइडीएस में कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ यादव ने 3 और 4 अगस्त को मुंबई के क्लब एमराल्ड में आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता, जिसमें भारत, बांग्लादेश, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, बहरीन, श्रीलंका और नेपाल के प्रतियोगी और मशहूर हस्तियां शामिल थीं, प्रतिभागियों की विविध सांस्कृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि का जश्न मनाते हुए एकता, प्रेम और सद्भाव के आदर्शों को व्यक्त करने का प्रयास किया। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता आमिर अली मलिक, अली खान, ज्योति यादव, क्रामिक यादव और ताहिर कमाल खान ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतियोगिता का सार शारीरिक बनावट, ऊंचाई, उम्र या वजन की सतही विशेषताओं से परे था। इसके बजाय, इसने महिलाओं की अंतर्निहित शक्ति और लचीलेपन का सम्मान करने का प्रयास किया।

एसीएस प्रोबेशनर्स ने बिजली क्षेत्र के संचालन के बारे में जानकारी प्राप्त की

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एनटीपीसी बोंगाईगांव को कोकराझाड़ के जिला प्रशासन के सहयोग से एक संरचित शिक्षण और संपृक्ति में 80 असम सिविल सेवा (एसीएस) परिवीक्षाधीनों की मेजबानी करने का सम्मान मिला। इस पहल को परिवीक्षाधीनों को एक प्रमुख बिजली संयंत्र के संचालन पर एक गहन दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। एनटीपीसी बोंगाईगांव के परियोजना प्रमुख अखिलेश सिंह ने उन जिम्मेदारियों के महत्व से अवगत कराया जो एसीएस अधिकारी अपनी भूमिकाओं में कदम रखते समय निभाएंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि ये जिम्मेदारियां प्रशासनिक कर्तव्यों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि समुदायों की सेवा करने और लोगों की भलाई सुनिश्चित करने तक फैली हुई हैं। उन्होंने एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक होने, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से देश के पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लक्ष्यों में सक्रिय योगदान देने के लिए एनटीपीसी के समर्पण पर जोर दिया।

जिंदल स्टील एंड पावर ने ओपी जिंदल को उनकी 94वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

- रक्तदान शिविर आयोजित कर 183 यूनिट रक्त एकत्रित किया
- अंगुल में 12 दिवसीय ओपी जिंदल फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। अंगुल गुरुवार को जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) ने अपने अंगुल संयंत्र और आसपास के क्षेत्रों में अपने संस्थापक ओम प्रकाश जिंदल की 94वीं जयंती को गहरी श्रद्धा के साथ मनाया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में कर्मचारियों और सहयोगियों ने 183 यूनिट रक्त दान किया। सुबह अंगुल लोकेशन हेड और कार्यकारी निदेशक प्रभारी पंकज मल्हन और कार्यकारी निदेशक दामोदर मित्तल ने ओपी जिंदल (बाउजी) को पुष्पांजलि अर्पित करके दिन के कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। सभी वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार और आस-पास के समुदायों के ग्रामीण इस कार्यक्रम में शामिल हुए और इस्पात निर्माण में स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले उद्योगपति ओपी जिंदल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में पंकज मल्हन ने ओपी जिंदल की चिरस्थायी विरासत और कंपनी और समुदाय के लिए उनके दृष्टिकोण पर जोर दिया। दामोदर मित्तल ने बाउजी के व्यक्तिगत अनुभवों और यादों को साझा करते हुए बताया कि कैसे ओपी जिंदल ने हमेशा गुणवत्तापूर्ण इस्पात बनाने के लिये स्वदेशी प्रौद्योगिकी और स्वदेशी सामग्री पर जोर दिया।

मित्तल ने कहा, आज हम जहां खड़े हैं, वह बाउजी की दूरदर्शिता और समर्पण का परिणाम है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**